शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 271 | गुवाहाटी | शनिवार, 29 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पुलिस की सशस्त्र शाखा के दीक्षांत समारोह में मंत्री सिंघल ने लिया भाग — पेज 3

राजनाथ की तल्खी के बावजूद चीनी रक्षा मंत्री ने की भारत से संबंध ... — पेज 4

यह चुनाव देवासुर संग्राम की तरह, हमें भ्रष्टाचार और अराजकता रूपी... — पेज 5

सभी गिले-शिकवे भुला-मिलकर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे : अमृता धवन — पेज 8

सद्गुरु आचार्यश्री स्वतंत्र देव महाराज पहुंचे गुवाहाटी

घोड़ामारा में वैदिक महायज्ञ का करेंगे संपादन

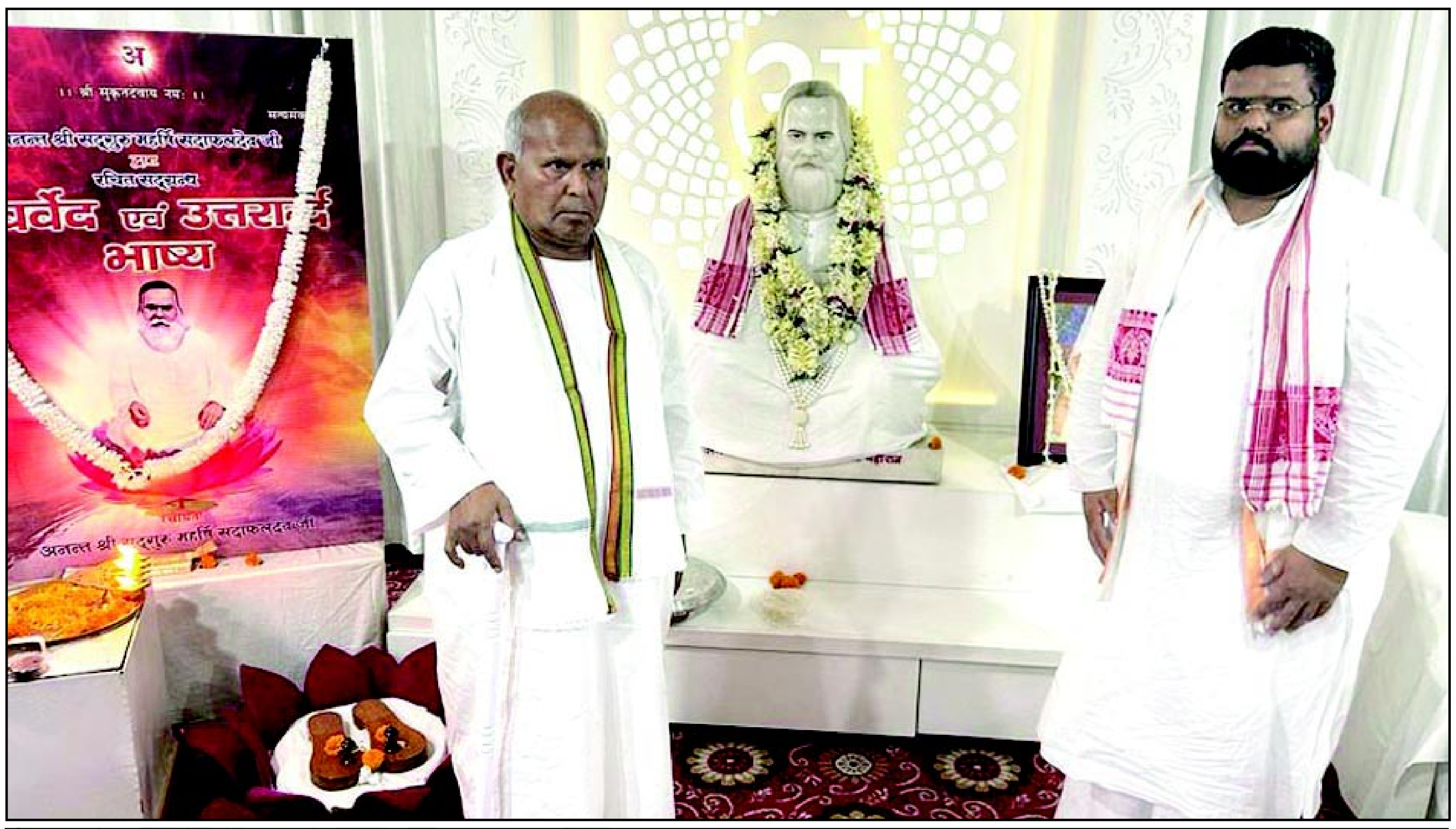

सद्गुरु सदाफल देव विहंगम योग संस्थान गुवाहाटी पहुंचने पर आचार्यश्री सद्गुरु स्वतंत्र देव महाराज एवं सद्गुरु उत्तराधिकारी संत प्रवर विज्ञान देव महाराज के भव्य स्वागत का दृश्य। नीचे में नमन की मुद्रा में श्रद्धालुगण।

गौकुंभ का राज्यपाल कटारिया करेंगे शुभारंभ

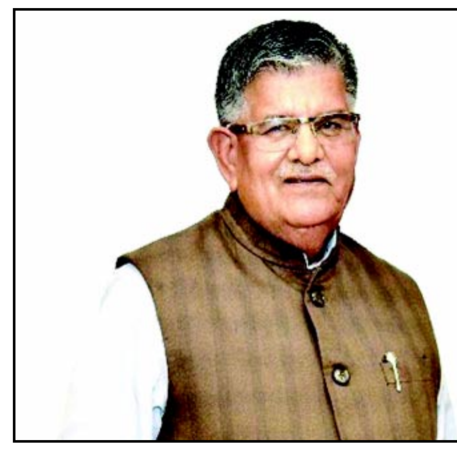

गुवाहाटी (विभास)। घोड़ामारा के महर्षि सदाफलदेव आश्रम में कल दो दिवसीय गौकुंभ का आगाज हो जाएगा। कल राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया महर्षि धर्मचंददेव गौशाला का सद्गुरु स्वतंत्रदेवजी महाराज, संतप्रवर विज्ञानदेवजी महाराज, मंत्री अशोक आनंद सिंघल, सांसद पल्लव लोचन दास, रांगापाड़ा के विधायक कृष्ण कमल तांती और तेजपुर के विधायक पृथ्वीराज राभा, मुख्य यजमान उद्योगपति एवं समाजसेवी रतन शर्मा एवं जिला उपायुक्त देबू मिश्रा की उपस्थिति में लोकार्पण करेंगे। मालूम हो कि गौशाला का निर्माण समाजसेवी रतन शर्मा एवं समाजसेवी कैलाश लोहिया के सहयोग से हुआ है। इसके अलावा सद्गुरुदेव एवं संतप्रवर सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में भगवानी देवी मौर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आश्रम को प्रदत्त एंबुलेंस, कैलाशचंद प्रकाशचंद काबरा द्वारा गौशाला को प्रदत्त फिलटरेशन प्लांट, लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी सिटी द्वारा आश्रम को प्रदत्त फिलटरेशन प्लांट एवं जलसेवा, विपुल सैकिया द्वारा प्रदत्त डीप बोरवेल, शंकुतला सर्राफ द्वारा प्रदत्त वाटर कूलर, बसंत सर्राफ, जय नारायण भाटी, निलेश अग्रवाल, पारसमल महेंद्र कुमार मिसरुफ एवं प्रेम झंवर द्वारा प्रदत्त खेड़ीघर एवं पुष्पादेवी-गोकुलचंद अग्रवाल द्वारा प्रदत्त गो कास्ट मशीन का भी लोकार्पण सुबह 11 बजे करेंगे। साथ राज्यपाल महर्षि सदाफलदेव रोटरी आई हॉस्पिटल, अमृताश्रम, गौ रिसर्च सेंटर और महारानी मुक्तिदेवी आध्यात्मिक पुस्तकालय का शिलान्यास भी करेंगे। समिति की ओर से कार्यकारी चेयरमैन सुशील गोलछा एवं मंत्री निलेश अग्रवाल ने बताया कि सद्गुरु स्वतंत्रदेवजी महाराज और संतप्रवर विज्ञानदेवजी महाराज का आगमन हो चुका है। गुवाहाटी एयरपोर्ट पहुंचने पर पूर्वांचल विहंगम योग संत समाज के अध्यक्ष मदन सिंह, हिंदीभाषी डेवलपमेंट काउंसिल के चेयरमैन जुगलकिशोर पांडे, संस्थान के वरिष्ठ सदस्य दीपक शर्मा एवं अन्य लोगों ने स्वागत किया। वहीं गुवाहाटी आश्रम पहुंचने पर गुवाहाटी संत समाज के अध्यक्ष किशन लाल प्रजापति, विकसित भारत समाचार के संपादक राकेश शर्मा, जयप्रकाश जयसवाल, जीएसटी के सहायक आयुक्त मनोज शर्मा, माया शर्मा, व्यावसायिक लक्ष्मीपत प्रजापति, सरिता शर्मा, भंवरी देवी प्रजापति, अधिवक्ता रामलाल यादव, अधिवक्ता कल्पना यादव एवं प्रतिभा-मनोज शर्मा ने सद्गुरु के साथ संत प्रवर का भी स्वागत किया। संस्थान की ओर से रितेश मिसरुफ ने बताया कि कल यानि 29 अप्रैल को शाम को 4 बजे से स्वर्वेद कलश यात्रा, सद्गुरु अभिषेक, संतप्रवर की दिव्य वाणी एवं महाप्रसाद का आयोजन भी होगा। वहीं 30 अप्रैल को सुबह 9 बजे से महर्षि सदाफलदेव विश्व शांति वैदिक महायज्ञ, सगुरुदेव की अमृतवाणी, महाप्रसाद आदि का कार्यक्रम होगा। समिति की ओर से प्रेम झंवर ने सभी धर्मप्राण लोगों से कार्यक्रम में शिरकत करने की अपील की है।

अल्फा (स्वा.) पर बढ़ा मुख्यधारा में लौटने का दबाव

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में कई दशक तक आतंक का पर्याय बने रहे यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (अल्फा) स्वाधीन (स्व) पर राष्ट्र की मुख्यधारा में शामिल होने का दबाव बढ़ने लगा है। अब तक अल्फा के मुख्य धड़े के अध्यक्ष अरविंद राजखोवा समेत बड़ी संख्या में इसके बड़े नेता पहले ही देश की मुख्यधारा में लौट चुके हैं। वे सभी सरकार के साथ शांति वार्ता में शामिल हैं। परेश बरुवा के नेतृत्व में अबतक अल्फा (स्वा.) संगठित है। अब जबकि, असम के सभी जनजातीय विद्रोही संगठन हथियार छोड़कर देश की मुख्यधारा में लौट चुके हैं, ऐसे में अल्फा (स्वा.) के लिए विद्रोही तेवर अख्तियार किए रहना कठिन हो रहा है। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष दिल्ली में डिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी तथा डिमासा पीपुल्स सुप्रीम काउंसिल (डीएनएलए एवं डीपीएससी) के कैडरों ने त्रिपक्षीय युद्धविराम समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद राज्य में जनजातीय विद्रोही संगठनों का अंत हो गया है। केंद्र सरकार ने पांच-पांच सौ करोड़ रुपए के विकास संबंधी पैकेज चरणबद्ध तरीके से इन इलाकों के विकास के लिए घोषित किए हैं। इन दोनों ही संगठनों के 168 कैडर मुख्यधारा में शामिल हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीजन पूर्वोत्तर को उग्रवाद मुक्त बनाकर विकास के मार्ग पर ले जाने की दिशा में सरकार को एक के बाद एक सफलता हासिल हो रही है। चाहे वह आदिवासी विद्रोही संगठन हों या फिर जनजातीय विद्रोही संगठन- इन वर्षों में एक के बाद एक सभी संगठनों ने हथियार

-शेष पृष्ठ दो पर

पीएम के मन की बात ने बढ़ाई आयुर्वेद की स्वीकार्यता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की *मन की बात* कार्यक्रम ने आयुर्वेद की स्वीकार्यता बढ़ाई है। आयुष मंत्री सर्वानंद सोनेवाल के अनुसार प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात कार्यक्रम में इसके फायदों को गिनाने के बाद आयुर्वेद का बाजार आठ गुना बढ़कर तीन लाख 20 हजार करोड़ तक पहुंच गया है। मन की बात कार्यक्रम का आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में पड़ने वाले प्रभावों के विशेषज्ञों के अध्ययन की रिपोर्ट जर्नल आफ रिसर्च इन आयुर्वेद साइंसेस के ताजा अंक में प्रकाशित किया गया है। सोनेवाल ने इस जर्नल का लोकार्पण किया। सर्वानंद सोनेवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता में आने के बाद से ही आयुर्वेद को आगे बढ़ाने की कोशिश मे जुटे हैं। उन्होंने कहा कि इसके न सिर्फ आयुष मंत्रालय का अलग

-शेष पृष्ठ दो पर

पीयूष का बाढ़ को रोकने के लिए उपायों पर जोर

गुवाहाटी। जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने शुक्रवार (28 अप्रैल) को गुवाहाटी के वशिष्ठ में असम जल केंद्र में जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता, वरिष्ठ इंजीनियरों और कार्यकारी इंजीनियरों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान हजारिका ने आगामी मानसून सीजन से पहले बाढ़ और कटाव की रोकथाम के उपायों के लिए असम के सभी नदी क्षेत्रों में अग्रिम तैनाती के सख्त निर्देश दिए। मंत्री ने बाढ़ और कटाव की सबसे अधिक संभावना वाले क्षेत्रों की करीबी निगरानी की वकालत की। हजारिका ने असम में सभी चिन्हित 108 संवेदनशील स्थानों पर अगले 15 दिनों के भीतर निवारक गतिविधियां शुरू करने का भी निर्देश दिया। समीक्षा बैठक का फोकस पूरे असम में 26 तटबंधों पर 41 क्षतिग्रस्त साइटों की मरम्मत के आकलन के साथ-साथ कई स्थानों पर चल रहे काम और रिंग बंड, जलद्वार और अन्य संरचनाओं के निर्माण की समीक्षा करना था। बैठक के दौरान, हजारिका ने यह भी घोषणा की कि 15 मई से अक्तूबर तक जल संसाधन विभाग का कोई स्थायी काम नहीं किया जाएगा, केवल अस्थायी काम किया जाएगा। यह विभाग को बाढ़ सुरक्षा कार्य पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देगा, जो असम राज्य में बाढ़-प्रवण क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि स्थायी प्रकृति का काम दिसंबर में शुरू होगा, स्थायी काम के सभी लंबित कार्यों को 15 मई से बंद कर दिया जाएगा और दिसंबर के महीने से फिर से शुरू किया जाएगा। हजारिका ने बाढ़ रोकथाम कार्य में शामिल सभी मुख्य

-शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री की सभा में तोड़-फोड़, इंटरनेट सेवा बंद

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के संरक्षित और सुरक्षित वनों और आर्द्रभूमि क्षेत्रों के सर्वेक्षण को लेकर राज्य में स्थिति तनावपूर्ण बन गई है। गुरुवार रात गुस्साएं लोगों ने मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के न्यू लमका में पीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ओपन जिम में तोड़फोड़ की और आंशिक रूप से आग लगा दी। इन खेल उपकरणों का उद्घाटन आज मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को करना था। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए बड़ी जनसभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है और इलाके में मोबाइल व इंटरनेट सेवाओं को

-शेष पृष्ठ दो पर

सभी की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें एससीओ देश : गडकरी

नई दिल्ली। रक्षा क्षेत्र में सहयोग की चीन की पेशकश के प्रति ठंडा रुख दिखाने के अगले ही दिन भारत ने एससीओ की एक और बैठक में चीन को यह संदेश देने में संकोच नहीं किया कि कनेक्टिविटी एक बड़ी प्राथमिकता है, लेकिन इस संगठन के सभी देशों को दूसरों की संप्रुभता और क्षेत्रीय अखंडता का पूरा सम्मान करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने यह बात कही। गडकरी ने चीन समेत किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी यह बात बीजिंग के लिए स्पष्ट नसीहत है, जो वन बेल्ट, वन रोड सरीखी अपनी इंफ्रा विकास की परियोजनाओं को लेकर कई क्षेत्रीय विवादों में घिरा है। एससीओ में शामिल देशों के परिवहन मंत्रियों की बैठक में चीन और पाकिस्तान वर्चुअल रूप से शामिल हुए। भारत इस वर्ष एससीओ की अध्यक्षता कर रहा है। गडकरी

-शेष पृष्ठ दो पर

वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराए में मिलने वाली छूट की याचिका एससी में खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कोविड से पहले रेलवे द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को दिए जाने वाले किराए कंसेशन की याचिका को खारिज कर दिया है। मामले पर सुनवाई करते हुए एससी ने कहा कि ये पॉलिसी का मामला है और कोर्ट इसके लिए सरकार को निर्देश नहीं दे सकता है। जस्टिस एस के कौल और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने एम के बालाकृष्णन द्वारा दायर की गई याचिका पर सुनवाई की। इस याचिका में बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए बंद की गई रियायतों की बहाली की मांग की गई थी। इस याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि ये राज्य नीति का मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत एक याचिका में परमादेश की

-शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

एससीओ देशों से राजनाथ ने किया आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का आह्वान

नई दिल्ली (हि.स.)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आतंकवाद से लड़ने के लिए एससीओ देशों से एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने आतंकी गतिविधियों के लिए सोशल मीडिया और क्राउडफंडिंग जैसे नए तरीकों का उपयोग करने पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अगर एससीओ देशों को मजबूत होकर उभरना है, तो हमें एक साथ मिलकर वैश्विक आतंकवाद से लड़ना होगा। अपने भाषण में उन्होंने पाकिस्तान को मुख्य निशाने पर रखा। नई दिल्ली में आज से शुरू हुई एससीओ देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकी समूह अपना नेटवर्क बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया और क्राउडफंडिंग जैसे नए तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि भारत एससीओ को मजबूत बनाने, एससीओ बैठक में लिये गए फैसलों को लागू करने में योगदान देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। संयुक्त राष्ट्र से आतंकी संगठन घोषित जैश-ए-मोहम्मद को पाकिस्तान के पेशावर में खुले तौर पर धन एकत्र करते देखा गया है। इस तरह की खुलेआम धन उगाही ने चरमपंथी समूहों के पुनरुत्थान के बारे में चिंता बढ़ा दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जैश-ए-मोहम्मद को

पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों का खुलेआम समर्थन मिल रहा है। पाकिस्तान जून, 2018 से फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में था लेकिन अक्तूबर, 2022 में ग्लोबल टेरर-फाइनेंसिंग वॉचडॉग एफएटीएफ ने पाकिस्तान को अपनी ग्रे लिस्ट से हटा दिया। इसके पीछे तर्क दिया गया कि पाकिस्तान ने धन-शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण पर अपनी कार्य योजनाओं को काफी हद तक पूरा कर लिया है। जैश-ए-मोहम्मद की क्राउडफंडिंग सिर्फ पेशावर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पाकिस्तान के पंजाब, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और अन्य क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र से प्रतिबंधित आतंकी संगठन जब आसानी से खुले तौर पर धन एकत्र कर सकते हैं तो इससे आतंकवादी गतिविधियों पर नकेल कसने की सरकार की क्षमता के बारे में चिंता उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित, स्थिर और समृद्ध क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए हमें अपने एजेंडे पर ध्यान देने की जरूरत है। एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों को मुंबई पर हमला किए हुए 14 साल हो गए हैं। मुंबई में तीन दिन तक चले नरसंहार के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने के सबूत सबके सामने थे, लेकिन पाकिस्तान ने भारत के अनुरोधों को अनदेखा करने का विकल्प चुना। एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में पाकिस्तान ने वर्चुअल मोड में भाग लिया। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के रक्षा मामलों पर विशेष सहायक मलिक अहमद खान ने एससीओ की बैठक को वर्चुअली संबोधित किया। शंघाई सहयोग संगठन में शामिल होने के बाद भारत पहली बार एससीओ बैठकों की मेजबानी कर रहा है। एससीओ की सदस्यता में भारत के अलावा कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। सदस्य देशों के अलावा दो पर्यवेक्षक देश बेलारूस और ईरान भी एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग ले रहे हैं। एससीओ की बैठक से इतर गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफू, ईरान, कजाकिस्तान और ताजिकिस्तान के रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। यह बैठकें सौहार्द्रपूर्ण और गर्मजोशी भरे माहौल में हुईं और भारत के साथ सदियों पुराने सांस्कृतिक, भाषाई और सभ्यतागत संबंधों पर जोर दिया गया। चीन के रक्षा मंत्री के साथ वार्ता में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा कि भारत और चीन के बीच संबंधों का विकास सीमाओं पर शांति और शांति के प्रसार पर आधारित है। उन्होंने कहा कि एलएसी पर सभी मुद्दों को मौजूदा द्विपक्षीय समझौतों और प्रतिबद्धताओं के अनुसार हल करने की आवश्यकता है।

बंगाल बंद : कई जगहों पर भिड़े टीएमसी-भाजपा, बसों में तोड़-फोड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कालियागंज में पिछले सप्ताह 17 वर्षीय लड़की की मौत की पृष्ठभूमि में *जनजातीय समुदाय के उत्पीड़न* के खिलाफ भाजपा की ओर से आयोजित 12 घंटों के बंद के चलते शुक्रवार को उत्तर दिनाजपुर के अधिकतर हिस्सों समेत उत्तरी बंगाल के छह अन्य जिलों में सामान्य जनजीवन आंशिक रूप से प्रभावित रहा। कूच बिहार जिले में प्रदर्शनकारियों ने एनबीएसटीसी द्वारा संचालित दो बसों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने राज्य के उत्तरी हिस्सों में विभिन्न जगहों पर सड़क जाम की। इससे पुलिस बल की भारी तैनाती के बावजूद सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। सिलीगुड़ी, जलपाईगुड़ी, रायगंज, कालियागंज, तूफानगंज, बलरामपुर, कूचबिहार शहर में शुक्रवार को सुबह छह बजे शुरू हुई 12 घंटों की हड़ताल के कारण दुकानें और बाजार बंद रहे और लोग घरों में ही रहे। बंगाल पुलिस के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हालात फिलहाल शांतिपूर्ण और नियंत्रण में हैं। जनजीवन पूरी तरह सामान्य है। शांति भंग करने का प्रयास करने वाले लोगों के खिलाफ हम सख्त कार्रवाई करेंगे। अभी तक उत्तर बंगाल के आठ जिलों में विभिन्न स्थानों से 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। तूफानगंज के चौपाटी इलाके में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं ने भाजपा की एक रैली को रोकने की कोशिश की तो पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। कूचबिहार के चकीरबाजार में भी तृणमूल कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई हुई। हालांकि, बंद का दार्जिलिंग और माल्दा में सामान्य जनजीवन पर अधिक असर नहीं पड़ा जहां दुकानें और बाजार खुले थे। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बंद के खिलाफ जवाबी रैलियां निकालीं और लोगों से सामान्य जनजीवन को बनाए रखने का आग्रह किया। भाजपा मंडल अध्यक्ष अनंत डे सरकार ने आरोप लगाया कि कि कालियागंज में पिछले कुछ दिनों के दौरान जो कुछ हुआ उसके खिलाफ हमने बंद का आयोजन किया। मैं बंद के समर्थन में एक शांतिपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन कर रहा था कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने हम पर अचानक हमला कर दिया। प्रशासन ने गुरुवार को ही भारतीय दंड संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू करके उत्तर दिनाजपुर जिले के कालियागंज में इंटरनेट सेवा निलंबित कर दी थी।

गईं गायों से लदे तीन ट्रक जब्त चार गिरफ्तार

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी में म्यांमार (बर्मा) से अवैध रूप से नौ गायों को ले जा रहे तीन ट्रकों को जब्त किया है। पुलिस ने ट्रकों से चार ड्राइवरों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही थी। शुक्रवार को पुलिस ने बताया है गुरुवार को नाका चेकिंग के दौरान बर्मा की गायों से लदे तीन ट्रकों को लाला बाजार के गगलसदा में लाला और कलाछाड़ा पुलिस रोक कर तलाशी ली तो तीनों ट्रकों में नौ गाय मिलीं। चार ड्राइवरों को भी गिरफ्तार किया गया है। इन ड्राइवरों की पहचान जाबिर अहमद लश्कर, जाकिर हुसैन लश्कर, जाबिर हुसैन, अब्दल रहीम बरभुइंया के रूप में की गयी है। पुलिस के अनुसार जब्त की गई बर्मा की गायों का बाजार मूल्य 20 लाख रुपए से अधिक हो सकता है। फिलहाल ड्राइवरों को गिरफ्तार कर पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार इन बर्मीज गायों को मिजोरम से होते हुए देश के अन्य राज्यों में पहुंचाने के लिए हैलाकांदी के रास्ते भेजा जा रहा था। राज्य में आएदिन अवैध रूप से लाए जा रहे बर्मीज सुपारी की बरामदगी के बाद अब बर्मा से गायों की भी तस्करी की खबर मिल रही थी। इसलिए पुलिस ने नाका चेकिंग अभियान तेज कर रखा है।

भाजपा-कांग्रेस में ठनी, ईसी के पास पहुंचा मामला

नई दिल्ली। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान में दो सप्ताह से भी कम समय शेष रह गया है। राज्य में भाजपा और कांग्रेस का चुनाव प्रचार अभियान चरम पर है। इस बीच दोनों पार्टियों के बीच तीखे बयानबाजी का दौर भी तेज हो गया है। दोनों पार्टियों के दिग्गज नेता एक-दूसरे पर जमकर हमला कर रहे हैं। लेकिन अब यह मामला चुनाव आयोग के पास पहुंच गया है। एक तरफ कांग्रेस ने चुनाव आयोग से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चुनाव प्रचार से अलग करने की मांग की वहीं, दूसरी तरफ भाजपा ने *जहरीले सांप* वाले बयान को लेकर मल्लिकार्जुन खरगे को चुनाव प्रचार करने से रोकने और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। कांग्रेस ने शुक्रवार को चुनाव आयोग से अमित शाह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ कथित बयानों के लिए कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करने से रोकने का अनुरोध किया। अभिषेक सिंघवी, पवन कुमार बंसल और मुकुल वासनिक सहित कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों से मुलाकात की और चुनाव निकाय से अनुरोध किया कि राज्य में एक समान अवसर सुनिश्चित किया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि अमित शाह और योगी आदित्यनाथ ने कर्नाटक में चुनावी लाभ के लिए चुनाव प्रचार के दौरान झूठे, पक्षपातपूर्ण और सांप्रदायिक बयान दिए। उन्होंने मांग की कि उन्हें राज्य में प्रचार करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को इन नेताओं के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए सिंघवी ने कहा कि हमने अभी-अभी चुनाव आयोग के साथ बहुत ही लाभदायक और महत्वपूर्ण बैठक समाप्त की। हमने विशेष रूप से भाजपा के शीर्ष नेतृत्व, विशेष रूप से गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की ओर से किए जाने वाले अत्यधिक आपत्तिजनक, स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण, सांप्रदायिक और झूठे बयानों के बारे में शिकायत की। सिंघवी ने कहा कि उन्होंने स्पष्ट रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ बयान दिए हैं... हमने ऐसे लोगों के प्रचार करने पर रोक लगाने की मांग की है। भाजपा नेता बासनगौड़ा पाटिल यतनाल द्वारा सोनिया गांधी के खिलाफ की गई *विषकन्या* टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर सिंघवी ने कहा कि पार्टी चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाने सहित सभी उपलब्ध कानूनी विकल्पों का उपयोग करेगी। उन्होंने कहा कि यह सोनिया गांधी के खिलाफ बेहद अपमानजनक और गंदे स्तर की टिप्पणी है... हम चुनाव आयोग सहित सभी कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करेंगे। कांग्रेस के बाद भाजपा ने भी चुनाव आयोग से मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने और उन्हें कर्नाटक विधानसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकने का अनुरोध किया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जहरीले सांप वाले बयान के लिए कांग्रेस अध्यक्ष पर हमला तेज कर दिया। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिला। उन्होंने ने संवाददाताओं से कहा कि खरगे की टिप्पणी केवल जुबान फिसलने वाली नहीं है बल्कि कांग्रेस की *घृणा की राजनीति* का हिस्सा है। उन्होंने पार्टी पर वैमनस्य फैलाने और दक्षिणी राज्य में उच्च-दांव वाले चुनावों से पहले लोगों को भड़काने का आरोप लगाया।

वन सुरक्षा बलों ने जब्त की लाखों रुपए मूल्य की लकड़ी

नगांव (हिंस)। नगांव जिलांतर्गत कलियाबर के जेंगनी पथार वन सुरक्षा विभाग की एक टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर लाखों रुपए मूल्य की लकड़ी जब्त किया है। वन विभाग ने शुक्रवार को बताया कि नगांव जिला के डीएफओ द्वारा दी गई गुप्त सूचना के आधार चलाए गए अभियान के दौरान लगभग 250 सेफटी लकड़ी जब्त की गई है। जिसकी कीमत लगभग डेढ़ से दो लाख रुपए आंकी गई है।

बजाज आलियांज लाइफ ने पॉलिसीधारकों के लिए बोनस की घोषणा की

गुवाहाटी/पुणे। भारत के प्रमुख निजी जीवन बीमाकर्ताओं में से एक बजाज आलियांज लाइफ ने एक बार फिर लगातार 22वें वर्ष के लिए बोनस की घोषणा करके अपने पॉलिसीधारकों के अटूट विश्वास को कायम रखा है। कंपनी ने इसके पार्टिसिपेटिंग पॉलिसीधारकों के लिए 1,201 करोड़ रुपए का बोनस घोषित किया है, जिसमें 872 करोड़ रुपए का नियमित प्रत्यावर्ती बोनस और 329 करोड़ रुपए का टर्मिनल और नकद बोनस शामिल है। बोनस से 11.43 लाख योग्य निष्ठावान पॉलिसीधारक लाभान्वित होंगे जो बजाज आलियांज लाइफ के साथ अपने जीवन के लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। कंपनी द्वारा घोषित नियमित प्रत्यावर्ती बोनस पॉलिसीधारक की परिपक्वता या मृत्यु के समय देय होगा। वित्त वर्ष 2023 के लिए कंपनी के पार्टिसिपेटिंग पॉलिसीधारकों के फंड द्वारा उत्पन्न अधिशेष से बोनस के लिए धन प्राप्त किया जाएगा। तरुण चुघ, एमडी और सीईओ, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने कहा कि बजाज आलियांज लाइफ अपने ग्राहकों से किए गए वादे के प्रति प्रतिबद्ध है।

नफरती भाषण मामले में एससी सख्त, राज्यों को दिए एफआईआर दर्ज करने का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2022 के एक आदेश का दायरा तीन राज्यों से आगे बढ़ाते हुए शुक्रवार को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को नफरत फैलाने वाले भाषण देने वालों के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया, भले ही कोई शिकायत न की गई हो। जस्टिस के एम जोसफ और जस्टिस बी वी नागरत्ना की पीठ ने नफरत फैलाने वाले भाषणों को गंभीर अपराध बताया जो देश के धार्मिक तानेबाने को नुकसान पहुंचा सकते हैं। पीठ ने कहा कि उसका 21 अक्तूबर, 2022 का आदेश सभी क्षेत्रों के लिए प्रभावी रहेगा। उसने चेतावनी दी कि मामले दर्ज करने में किसी भी देरी को अदालत की अवमानना माना जाएगा। शीर्ष अदालत ने पहले उत्तर प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड को निर्देश दिया था कि घृणा फैलाने वाले भाषण देने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। तब न्यायालय ने कहा था कि धर्म के नाम पर हम कहां पहुंच गए हैं? पीठ ने शुक्रवार को कहा कि न्यायाधीश अराजनीतिक होते हैं और पहले पक्ष या दूसरे पक्ष के बारे में नहीं सोचते और उनके दिमाग में केवल एक ही चीज है – भारत का संविधान। शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि इस बहुत गंभीर विषय पर कार्रवाई करने में प्रशासन की ओर से देरी को अदालत की अवमानना माना जाएगा।

पृष्ठ एक का शेष

अल्फा (स्वा.) पर...

छोड़कर मुख्यधारा में लौटते हुए सरकार की कोशिशों को सफल बनाया। इस दिशा में बोड़ो उग्रवादी संगठन एनडीएफबी के कैडरों का मुख्यधारा में लौटना सरकार की बड़ी उपलब्धि रही। उल्लेखनीय है कि पूर्वोत्तर के सभी विद्रोही संगठन अपने-अपने निजी एजेंडे पर काम करते हुए साझा मुद्दों पर एक दूसरों का सहयोग करते थे। जिस कारण इनपर काबू पाना सरकार के लिए कठिन हो रहा था। अब जबकि, स्थानीय आदिवासी, बोड़ो एवं अन्य जनजातिय विद्रोही संगठनों के कैडर हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं, ऐसे में अल्फा (स्वा.) के लिए भी उग्रवादी गतिविधियों में लिप्त बने रहना कठिन हो रहा है। दूसरी ओर राज्य की जनता के बीच अल्फा (स्वा.) के प्रति कहीं से भी सहानुभूति नहीं दिख रही है। अल्फा (स्वा.) के कैडर किसी प्रकार जंगलों में छिपकर अपनी जान भर बचा पा रहे हैं, यही उनके लिए बड़ी बात है। वहीं, राज्य के अंदर उग्रवादी गतिविधियों को अंजाम देना उनके लिए कठिन हो रहा है। उल्लेखनीय है कि डॉ. शर्मा के नेतृत्व में असम सरकार के गठन होने के बाद अल्फा (स्वा.) नेतृत्व ने भी सरकार के प्रति सद्भावना दिखाते हुए तीन माह के लिए ही सही, एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की थी। यह बात अलग है कि कुछ ही समय बाद अल्फा (स्वा.) का स्टैंड बदल गया। अब जबकि, अल्फा (स्वा.) सेनाध्यक्ष परेश बरुवा की भी उम्र काफी अधिक हो चुकी है और उनके बीमार रहने संबंधी खबरें भी आती रही है, ऐसे में यह सहज कहा जा सकता है कि अल्फा (स्वा.) पर सम्मानजनक तरीके से राष्ट्र की मुख्यधारा में लौटने का दबाव बढ़ रहा है। अल्फा (स्वा.) के समक्ष इसके अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं दिख रहा है। उधर, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को विश्वास व्यक्त किया कि अल्फा के एक गुट के साथ शांति समझौते पर मई के अंत तक हस्ताक्षर हो जाएगा, जिसकी पहले से ही केंद्र के साथ बातचीत चल रही है। शर्मा ने दिल्ली में मीडियाकर्मियों से कहा कि हमने अल्फा के गुट को एक मसौदा समझौता भेजा है, जो पहले से ही सरकार के साथ बातचीत कर रहा है। मुझे उम्मीद है कि अगले महीने समझौते पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, अगर अल्फा गुट मसौदा समझौते से असहमत है, तो इसमें देरी हो सकती है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि परेश बरुआ के नेतृत्व वाले अल्फा के एक वर्ग के साथ बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई है। इस बीच, शांति वार्ता का समर्थन करने वाले अल्फा नेता अनूप चेतिया ने कहा कि उन्हें सरकार से मसौदा समझौता मिल गया है। उन्होंने कहा कि हम सरकार के कदम का स्वागत करते हैं। लेकिन हमने पहले शांति समझौते के संबंध में अपना प्रतिनिधित्व दिया था। अब हम अपनी निकाय बैठक में मसौदे पर चर्चा करेंगे और फिर शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने के बारे में फैसला किया जा सकता है। चेतिया ने कहा कि वह पहले ही संप्रभुता की मांग छोड़ चुके हैं और संविधान के दायरे में असमिया लोगों की राजनीतिक सुरक्षा पर जोर दे रहे हैं।

पीएम के मन ...

से गठन किया, बल्कि इसके बजट को नौ सालों में आठ गुना से अधिक बढ़ाया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री अपने लोकप्रिय मन की बात के 99 एपिसोड में से 37 एपिसोड में आयुर्वेद का जिक्र कर चुके हैं। इसके कारण देश में ही नहीं विदेशों में आयुर्वेद की लोकप्रियता काफी बढ़ी है। इसका अंदाजा आसानी से आयुर्वेदिक दवाओं के प्रति बढ़ते भरोसे से लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि देश में 53 हजार से अधिक लघु और मझौली इकाइयां आयुर्वेदिक दवाओं के उत्पादन में लगी है और इस क्षेत्र में 900 से अधिक स्टार्टअप भी खुल चुके हैं। उन्होंने कहा कि 52 देशों में आयुर्वेदिक दवा अश्वगंधा का निर्यात करने वाला हैदराबाद का एक स्टार्टअप तो यूनिकार्न भी बन चुका है यानी 8000 करोड़ रुपए अधिक की कंपनी बन चुकी है। सर्वानंद सोनेवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में बार-बार आयुर्वेदिक दवाओं को अत्याधुनिक प्रमाण आधारित मापदंडों पर खरा उतारने की जरूरत बताई है। इसे देखते हुए देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में इसके लिए अध्ययन शुरू हुए और खासतौर पर कोरोना के दौरान संक्रमण को गंभीर होने से रोकने में आयुर्वेदिक दवाओं के प्रभावों को वैज्ञानिक मापदंड पर साबित भी किया गया।

पीयूष का बाढ़ ...

इंजीनियरों और इंजीनियरों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी भ्रष्ट अधिकारी या इंजीनियर को किसी भी परियोजना पर काम करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने उदालगुड़ी के एक इंजीनियर को निलंबित करने की भी घोषणा की, जो अधिकारियों को पूर्व सूचना दिए बिना समीक्षा बैठक में शामिल नहीं हुआ। बाग्सा, बरपेटा, बंगाईगांव, चराईदेउ, चिरांग, बदरपुर, ढकुवाखाना, धेमाजी, डिब्रूगढ़, धुबड़ी, ग्वालपाड़ा, गुवाहाटी पूर्व, गुवाहाटी पश्चिम, हैलाकांदी, जोरहाट, करीमगंज, माजुली, मंगलदै, मोरीगांव, नगांव, नलबाड़ी, उत्तर लखीमपुर, पलाशबाड़ी, बैठक के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों को शामिल करने के लिए दक्षिण सालमारा, शिवसागर और तामुलपुर की पहचान की गई। इन क्षेत्रों की मरम्मत अगले 15 दिनों के भीतर शुरू होनी है, और मानसून के मौसम के दौरान विभाग सभी बाढ़ प्रभावित जिलों में सतर्क रहेगा।

मुख्यमंत्री की सभा...

निलंबित कर दिया गया है। दरअसल, गुरुवार रात को भीड़ ने संरक्षित, सुरक्षित वनों और आर्द्रभूमि जैसे क्षेत्रों के भाजपा सरकार के सर्वेक्षण को लेकर मुख्यमंत्री के आज होने वाले कार्यक्रम स्थल पर तोड़फोड़ की और आग लगा दी थी। भाजपा सरकार के आरक्षण और सुरक्षित वन क्षेत्रों और आद्रभूमि जैसे इलाकों नाप-जोख पर आपत्ति जताते हुए खिलंजिया जनसंजाति मंच ने शुक्रवार को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक जिला बंद का आह्वान किया है। मंच ने मांग की है कि किसानों और अन्य आदिवासी निवासियों के संरक्षित वन क्षेत्रों को खाली करने के लिए चल रहे निष्कासन अभियान के विरुद्ध सरकार को बार-बार ज्ञापन दिया गया है। फिर भी सरकार ने लोगों की दुर्दशा के समाधान के लिए इच्छा या ईमानदारी का कोई संकेत नहीं दिखाया है। इसी बीच चुराचंदपुर जिले के अतिरिक्त उपायुक्त एस थिएनलालजॉय गंगट ने एक आदेश जारी कहा कि जिले में शांति भंग, सार्वजनिक शांति में व्यवधान और मानव जीवन और संपत्ति के लिए गंभीर खतरा वाली पुलिस रिपोर्ट के बाद बड़ी सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। आदेश में जिले में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करने के लिए खिलोंजिया ट्राइबल लीडर्स फोरम द्वारा बुलाए गए पूर्ण बंद और सोशल मीडिया और नेटवर्किंग साइटों के माध्यम से लोगों को जुटाने की संभावना का उल्लेख किया गया है। उधर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने चुराचांदपुर में पीटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आगजनी की घटना पर सख्त नाराजगी जताई है। सीएम ने कहा है मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी और तोड़ फोड़ और हिंसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं हिंसा और आगजनी के बाद वहां इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई और धारा 144 लगा दिया गया है।

सभी की संप्रभुता ...

ने कहा कि दूसरे देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हुए मांग आधारित और पर्यावरण की दृष्टि से भी अनुकूल विकास की जरूरत है। आर्थिकी को प्रोत्साहन और क्षेत्र में व्यक्ति से व्यक्ति के संपर्क को बढ़ावा देने के लिए भारत एससीओ के महत्व को समझता है। गडकरी ने कहा कि कनेक्टिविटी अपने आप में अर्थव्यवस्था को गुना शक्ति देने का माध्यम है। इसी सोच के साथ एससीओ देशों के बीच बेहतर संपर्क भारत की प्राथमिकता है। गडकरी ने यह भी कहा कि भारत ट्रांसपोर्ट सेक्टर को ज्यादा सक्षम और विश्वसनीय बनाने के लिए हर तरह की पहल करने के प्रति प्रतिबद्ध है। एससीओ देशों ने कई ऐसी पहल की हैं, जो क्षेत्र में सुरक्षा को बढ़ावा देने तथा व्यापार, विज्ञान और तकनीक में सहयोग देने के लिए हैं। भारत ऐसी सभी पहल के साथ मजबूती से खड़ा है। एससीओ के देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को भी सबसे अधिक महत्व दिया जा रहा है। ये संबंध समानता, सम्मान तथा परस्पर समझबूझ पर आधारित हैं। बैठक में अपने संबोधन के बाद गडकरी ने ट्वीट किया कि सभी सदस्य देशों ने परिवहन को कार्बन से मुक्त बनाने तथा डिजिटल तौर-तरीके अपनाने के विचार से सहमति व्यक्त की है। गडकरी ने कहा कि सड़क क्षेत्र की मौजूदा चुनौतियों का सामना करने के लिए नई तकनीकें अपनाने की जरूरत है। हम यह सामूहिक संदेश दे सकते हैं कि हमारे समक्ष जो भी चुनौतियां हैं, उनका पूरी प्रतिबद्धता के साथ मिलकर सामना किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सहयोग बढ़ाने के लिए बना विशेष कार्यसमूह बैठक के दौरान परिवहन के क्षेत्र में सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए एक विशेष कार्य समूह की स्थापना का भी निर्णय लिया गया। यह समूह परिवहन में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने तथा डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने वाली सदस्य देशों के सबसे अच्छे तौर-तरीकों को सभी के साथ साझा करेगा। एससीओ में एक-दूसरे के लिए उपयोगी जानकारी के लिए बैठकें आयोजित की जाएंगी।

वरिष्ठ नागरिकों को ...

रिट जारी करना, इस अदालत के लिए उचित नहीं होगा। सरकार को वरिष्ठ नागरिकों की जरूरतों और राजकोषीय नतीजों को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे पर फैसला करना है। पीठ ने याचिकाकर्ता के इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि बुजुर्गों को रियायतें देना राज्य का *दायित्व* है। गौरतलब है कि केंद्र की तरफ से 2020 में कोविड-19 के दौरान लोगों की आवाजाही कम करने को देखते हुए रेलवे ने ये फैसला वापस ले लिया था। इसके बाद हाल ही में एक संसदीय स्थायी समिति ने कोरोनो महामारी की शुरुआत से पहले वरिष्ठ नागरिकों को दी गई रियायतों को फिर से शुरू करने की सिफारिश की थी। भाजपा सांसद राधा मोहन सिंह की अध्यक्षता वाली रेल मंत्रालय संबंधी संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट में ये बात कही गई थी। कोरोना से पहले भारतीय रेलवे 60 साल या उससे अधिक आयु के पुरुषों को किराए में 40 प्रतिशत की छूट और 58 साल से अधिक आयु की महिलाओं को 50 प्रतिशत की छूट देती थी। ये छूट मेल, एक्सप्रेस, शताब्दी, दुरंतो, राजधानी जैसी ट्रेनों में सभी वर्गो के लिए दी जाती थी।

PRESS NOTICE

The Superintending Engineer, PWD, Goalpara Building Circle, Goalpara on behalf of Governor of Assam invites item rate bids in electronic tendering system for the work "Repairing and Renovation & execution of emergency work at Additional Circuit House (extension part) Bhalukdubi in connection with accommodation of VIP /VVIP for Assembly Election 2021." with an approximate value of work of Rs. 61,44,151.00 from APWD registered Class-I (A / B / C)/ Class-II (under this Circiæ) contractors having experience of similar nature of work. Details of the bids may be seen at e-procurement portal website: www.assamtenders.gov. in and also in the office of the undersigned during office hours. The bidders must be enrolled in www.assamtenders.gov. in for participating in the bidding process.

Sd/-
Superintending Engineer, P.W.D.
Goalpara Building Circle,
Goalpara

-- Janasanyog /C/1612/23

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **एकादश अध्याय**

(ब्रह्म-वृक्ष)

ज्यों नभ मध्ये शून्य है, शून्य अण्ड आकार।
निःअक्षर से अक्षर, अक्षर क्षर विस्तार॥ 08 ॥

शब्दार्थ : (नभ) आकाश (अण्ड आकार) अक्षर, हिरण्यगर्भ, तेजोमय ब्रह्म-जीव-प्रकृति मिश्रित गोलाकार अण्ड, (क्षर) नाशवान जगत (विस्तार) फैलाव।

भाष्य : जिस प्रकार आकाश के बीच में महाशून्य है और शून्य में अण्ड-आकार है, उसी प्रकार निःअक्षर से अक्षर और अक्षर से नाशवान विशाल क्षर जगत की रचना है। अक्षर द्वारा एकपाद में प्रकृति के त्रिगुणों से इस विशाल सृष्टि की रचना होती है। निःअक्षर आकाशवत व्यापक है। उसी के एकपाद मूलारम्भ में अक्षर प्रकट होता है और उसी के द्वारा क्षर जगत की रचना होती है। इस प्रकार निःअक्षर से अक्षर और अक्षर से क्षर का विस्तार होता है।

पुलिस की सशस्त्र शाखा के दीक्षांत समारोह में मंत्री सिंघल ने लिया भाग

दीक्षांत समारोह की परेड निडर, आत्मविश्वास और बदलते असम की छवि को दर्शाती है : सिंघल

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर जिले के लीलाबाड़ी में आयोजित 13वीं असम पुलिस बटालियन के सशस्त्र शाखा की 117वीं दीक्षांत समारोह में असम के गृह निर्माण और सिंचाई विभाग के मंत्री अशोक सिंघल शामिल हुए। इस मौके पर मंत्री ने उत्कृष्ट प्रशिक्षणार्थियों को पुरुस्कृत भी किया। शुक्रवार को असम पुलिस बटालियन के परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने सैनिकों के परेड की सलामी ली। इस मौके पर मंत्री सिंघल ने कहा कि पुलिस कर्मियों के बलिदान और कर्तव्य परायणता के बिना एक शांतिपूर्ण समाज की कल्पना कभी नहीं की जा सकती। प्रशिक्षण पूरा करने वाले पुलिसकर्मियों को हार्दिक बधाई देते हुए मंत्री ने कहा कि आज दीक्षांत समारोह की यह परेड निडर, आत्मविश्वास से भरपूर, रूपांतरित असम की छवि को दर्शाती है। उन्होंने नियुक्तियों से ईमानदारी, कर्तव्यपरायणता, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों के प्रति शत-प्रतिशत कर्तव्यों को समर्पित करने का आह्वान करते हुए कहा कि यह समय नवनियुक्त उम्मीदवारों के लिए पूरी तरह से योग्यता के आधार पर नियुक्त होकर अपने परिवारों और क्षेत्रों का नाम रोशन करने का है। उन्होंने कहा कि अब से नवनियुक्त जवानों को कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए समाज और देश की रक्षा और नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी उठानी होगी। मंत्री सिंघल ने कहा कि *जनसेवा* में लगी असम पुलिस को हमेशा न्याय के साथ और गरीबों के साथ रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस का व्यक्तित्व ऐसा होना चाहिए कि जब वे किसी पुलिसकर्मी को देखें तो आम नागरिक को राहत महसूस हो और अपराधी भयभीत हों। कार्यक्रम में प्रशिक्षण के अंतिम मूल्यांकन में विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को मंत्री ने पुरुस्कृत भी किया। 43 सप्ताह का प्रशिक्षण ले चुके तीन बटालियनों के 559 पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण के प्रमाणपत्र सौंपे गए। इनमें से 12वें असम पुलिस बल, जामुगुरीहाट, शोणितपुर 198, 13वें असम पुलिस बल, लीलाबाड़ी, लखीमपुर से 102, 12वें असम पुलिस वाहिनी, लिकाबाली, धेमाजी के 259 कांस्टेबल शामिल थे। लखीमपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक मानव डेका, पुलिस उपमहानिरीक्षक विजय कुलीग्राम, 13वीं असम पुलिस बटालियन के कमांडर फखरुल इस्लाम, असम पुलिस (आईआर) बटालियन नंबर 22वीं के कमांडर एम अहमद और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

तीसरा बच्चा पैदा होने पर पंचायत अध्यक्ष को गंवानी पड़ी कुर्सी

नगांव (हिंस)। जिले के जुरिया में एक महिला पंचायत अध्यक्ष को तीसरे बच्चे को जन्म देना महंगा पड़ गया। पंचायत विभाग ने ग्राम पंचायत की महिला अध्यक्ष को बर्खास्त कर दिया है। उनकी बर्खास्तगी भ्रष्टाचार या अनियमितताओं के चलते नहीं की गई है, बल्कि तीन बच्चों की मां बनने पर यह कार्रवाई की गई है। यह मामला नगांव जिले के जुरिया विकास खंड के अंतर्गत आने वाली दगांव-धिंग गांव ग्राम पंचायत का है। विभागीय नियम-कायदों को ताक पर रखकर तीन बच्चों की मां होने के आरोप में मंडल अधिकारियों ने दगांव-धिंग गांव ग्राम पंचायत की अध्यक्ष हसना हेलेन को अध्यक्ष पद से बर्खास्त कर दिया है। उनके स्थान पर नए अध्यक्ष के रूप में पंचायत के उपाध्यक्ष सादिकुर रहमान को नियुक्त किया गया है। सादिकुर रहमान ने औपचारिक रूप से अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला और लोगों के हित में काम करना जारी रखने का वादा किया। उल्लेखनीय है कि नये नियमों के अनुसार तीन बच्चों के माता-पिता ग्राम पंचायत, जिला पंचायत आदि का चुनाव नहीं लड़क सकते हैं।

प्रधानमंत्री के *मन की बात* की 100वीं कड़ी का राजभवन में होगा लाइव प्रसारण

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम *मन की बात* के 100वें एपिसोड के मद्देनजर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय आगामी 30 अप्रैल को देश के सभी राजभवनों में कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के लिए स्क्रीन लगाने की तैयारी की है। शुक्रवार को गुवाहाटी राजभवन से मिली जानकारी में बताया गया कि *मन की बात* के 100वें एपिसोड की लाइव प्रसारण की तैयारी की गयी है। सूचना प्रसारण मंत्रालय के तहत गुवाहाटी में राजभवन के सहयोग से मीडिया इकाइयां भी इस कार्यक्रम के लिए विशेष स्क्रीन लगा रही हैं। राजभवन के कार्यक्रम में असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों और जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा, पिछले मन की बात कार्यक्रमों में राज्य के जिन लोगों के कार्यों की सराहना की गई है, उन्हें भी *मन की बात* की 100वीं कड़ी के प्रसारण के विशेष कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

काफी हंगामे के बीच नगर निगम के कचरा घर की हुई सफाई

गुवाहाटी (विभास)। चाबीपुल चौराहे पर स्थित नगर निगम का कचरा घर ने गत कई दिनों से जमा हुए कचरे से पूरे इलाके को दुर्गंध बना दिया था। जिसके चलते स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त हो गया और विगत कल बृहस्पतिवार को स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए एवं कचरे घर के सामने धरना-प्रदर्शन एवं हंगामा करने लगे। स्थानीय बाशिंदों की हुंकार ने नगर निगम की नींद तोड़ दी। परिणाम स्वरुप शुक्रवार की सुबह ही कचरे घर में जमा कचरे को साफ कर अन्यत्र ले जाया गया एवं कचरा घर एवं कचरा घर के आसपास पड़े कचरे को साफ कर चारों ओर ब्लीचिंग पाउडर छिड़क दिया गया। इससे पहले जहां सारे दिन जेसीबी की बड़ी-बड़ी गाड़ियों का आना जाना लगा रहता था वही आज दोपहर 12 बजे तक सफाई का काम निपटा कर नगर निगम की गाड़ियां वहां से खिसक गई। लेकिन इन बड़ी गाड़ियों के चलते चाबीपुल बिलपार रस्ते की जो टूट-फूट हुई है वह अभी भी लोगों को तकलीफ दे रही है। स्थानीय लोगों ने जल्द ही इस सड़क की मरम्मत की मांग भी की है। स्थानीय लोगों के अनुसार कचरे को लाने और अन्यत्र ले जाने के लिए एक समय सीमा निर्धारित करनी होगी एवं तत्काल आसपास की जगह को सफाई कर ब्लीचिंग पाउडर का भी छिड़काव रोज करना होगा। इस सफाई से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है।

पूर्वांचल सीमेंट लिमिटेड में चला जिला प्रशासन का बुलडोजर

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बाहरी इलाका सोनापुर थाना क्षेत्र के सरुतारी इलाके में स्थित पूर्वांचल सीमेंट कारखाना परिसर में आज (शुक्रवार) जिला प्रशासन ने अपना बुलडोजर चलाया। मिली जानकारी के अनुसार गौहाटी उच्च न्यायालय के आदेश के बाद कामरुप (मेट्रो) जिला उपायुक्त के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम आज सोनापुर राजस्व चक्र कार्यालय अंतर्गत सरुतारी ननके गांव पहुंची, जहां पर पूर्वांचल सीमेंट लिमिटेड द्वारा अवैध रूप से कब्जाई गई जमीन पर जिला प्रशासन ने बुलडोजर चलाया। पूर्वांचल सीमेंट लिमिटेड (सूर्या सीमेंट) के ऊपर 50 बीघा से अधिक सरकारी जमीन अवैध रूप से दखल करने का आरोप है। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि गौहाटी उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार अवैध कब्जे को पूरी तरह से मुक्त कराने के लिए बुलडोजर चलाया जाएगा।

गुणोत्सव परिणामों में टुपामारी प्राथमिक विद्यालय रहे अव्वल

नगरबेड़ा (विभास)। राज्य में आयोजित गुणोत्सव परिणामों में छमरिया के शिक्षा खंड के 465 टुपामारी प्राथमिक विद्यालय ने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मिली जानकारी के अनुसार टुपामारी प्राथमिक विद्यालय ने 89 प्रतिशत अंकों के साथ ए + ग्रेड प्राप्त करने में कामयाब रहा है। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यपक जमीर उद्दीन अहमद ने बताया कि स्कूल में छह शिक्षकों के मुकाबले 254 छात्र हैं, जबकि इस कामयाबी के लिए प्रधानाध्यापक सहित सहायक शिक्षकों, स्थानीय लोगों, स्कूल प्रबंधन समिति और सीआरसी आछानुल हक के अथक प्रयासों का योगदान महत्वपूर्ण रहा। स्कूल के इस परिणाम से पूरे रंगेश्वरी, टुपामारी के शिक्षित लोग काफी उत्साहित हैं। हालांकि बेहद पिछड़े इलाके रंगेश्वरी टुपामारी से मिली ऐसी सफलता सभी को गौरवान्वित करेगी और आने वाले दिनों में भी इस तरह की सफलता को बरकरार रख सके जिसके लिए स्थानीय आम जनता से सहयोग की अपील की गई है। स्थानीय लोगों ने शिक्षा संबंधित विभाग तथा प्रसासन और शिक्षा मंत्री से शिक्षकों की कमी को दूर कर पर्याप्त कक्षाओं की भी मांग की है।

ट्रेन की चपेट में मां समेत दो बच्चों की मौत

उदालगुड़ी (हिंस)। उदालगुड़ी जिला के माजबाट के गेरूबारी में ट्रेन की चपेट में आने से मां और दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आज एक ट्रेन हादसे में एक महिला और उसकी बेटी और बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा रेलगेट नंबर 41 और 42 के बीच हुआ है। हादसे में जान गंवाने वाली महिला की पहचान माजबाट के फुहुराबाड़ी निवासी दुतामी कुल्लू के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों को संदेह है कि महिला ने दोनों बच्चों के साथ आत्महत्या की है।

गैर-सरकारी *संस्था आमार प्रयास गोष्ठी* की बाढ़ आपदा पर कार्यशाला आयोजित

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्रांतर्गत नगरबेड़ा के बिमला प्रसाद चलिहा कॉलेज के शिक्षा केंद्र के सहयोग से *आमार प्रयार गोष्ठी* नामक एनजीओ की पहल पर आज कॉलेज परिसर में बाढ़ आपदा प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। बिमला प्रसाद चलिहा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. कमल चंद्र पाठक की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला की उद्देश्य व्याख्या *आमार प्रयास गोष्ठी* के अध्यक्ष एवं प्रबंधन निदेशक अनवर हुसैन ने की। बाढ़ आपदा प्रबंधन पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य परियोजना समन्वयक मिजानुर रहमान ने कंटेंट पर्सन के रूप में और सह-नियामक नागरिक सुरक्षा विभाग के दीपक मेधी ने भाग लिया। कार्यशाला में बाढ़ आपदाओं पर विभिन्न प्रशिक्षण देने के साथ-साथ बाढ़ आपदाओं से खुद को और दूसरे को कैसे बचाया जाए इस पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला में बिमला प्रसाद चलिहा कॉलेज के विस्तार शिक्षा केंद्र के उपाध्यक्ष प्रो. डॉ. आतोवार रहमान, प्रसार शिक्षा केंद्र के संयोजक अंशुमान सैकिया, अनिता केउट, गणेश चंद्र दास, नबनिता पाठक, आपदा प्रबंधन विभाग के नगरबेड़ा राजस्व चक्राधिकारी समेत क्षेत्र की फील्ड ऑफिसर मोफिदुल इस्लाम उपस्थित थे। कार्यशाला में 15 ग्राम पंचायतों में असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा प्रदान की गई बचाव और प्राथमिक चिकित्सा आपूर्ति भी वितरित की गई। उल्लेखनीय है कि जिले के छमरीया विकासखंड के अंतर्गत आने वाले 88 गांवों को बाढ़ मुक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयंसेवी संस्था आज से एक महीने तक हर ग्राम पंचायतों के साथ-साथ गांवों में जाकर बाढ़ आपदा प्रबंधन पर कार्यशालाएं आयोजित करेगी।

मंजू बाईसा का दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम सोल्लास संपन्न

होजाई (विभास)। बाबोसा महाराज की परम आराधिका मंजू बाईसा अपने दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम को लेकर होजाई में पांच घरों में बाबोसा महाराज की प्रतिमाएं स्थापित की। बाबोसा महाराज के भक्त मनोज केजरीवाल के अनुसार 27 एवं 28 अप्रैल को अपने प्रवास के दौरान बाइसा ने 21 नदियों के जल से अभिषेक कर पांच भक्तों के घरों में बाबोसा की मूर्ति स्थापित की। उक्त मूर्तियां भक्त कमल रांका, चंद रांका, मनोज शर्मा, पवन भीमसरिया एवं कैलाश भीमसरिया के घरों में स्थापित की गई है। इस दौरान स्थानीय महिला मोर्चा की सदस्यों ने बाईसा को फुलम गामोछा पहना कर उन्हें स्वागत किया। इसके बाद होटल ओम ग्रांड में मंजू बाईसा ने आमने सामने का एत कार्यक्रम आयोजन किया। कार्यक्रम में भक्तों ने अपनी जिज्ञासा के अनुसार पारिवारिक समस्याओं के निदान हेतु विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में दिल्ली से प्रकाश सुराणा, अजय बैद सुरेन्द्र जैन, गुवाहाटी से गजराज सुराणा, संतोष शर्मा, डिंपल शर्मा के अलावा डिब्रुगढ़, तिनसुकिया नगांव से बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लेकर मंजू बाईसा से आशीर्वाद लिया।

अगप का विशेष कार्यकर्ता सम्मेलन

गुवाहाटी (हिंस)। असम की सत्ता में साझीदार असम गण परिषद (अगप) का *विशेष कार्यकर्ता सम्मेलन* शुक्रवार को गुवाहाटी के माछखोवा स्थित प्रागज्योतिष आईटीए सेंटर में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में असम गण परिषद पार्टी के अध्यक्ष और असम सरकार के मंत्री अतुल बोरा, असम सरकार के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केशव महंत समेत पार्टी के अन्य नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे।

बालाजी बाबोसा भगवान वरदान उत्सव आज

गुवाहाटी (विभास)। श्री बाबोसा भक्त मंडल (चूरू धाम) गुवाहाटी के सौजन्य से आज फैंसी बाजार स्थित महावीर स्थल में परम आराधिका मंजू बाईसा के सानिध्य में श्री बालाजी बाबोसा भगवान वरदान उत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बाबोसा भगवान के मनमोहक दरबार में उनकी दिव्य दर्शन होंगे। इस अवसर पर बाबोसा की जोत व भजनों की अमृत वर्षा के पश्चात भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन दिल्ली के अजय बैद करेंगे तथा भजनों की अमृत वर्षा के लिए कोलकाता के अरुण सुराना, दिल्ली के भरत छाजेड़ व दीपक दुग्गड़, गुवाहाटी की संतोष शर्मा और मनोज पंडित भजन प्रस्तुत करेगें। इस आशय की जानकारी बाबोसा भक्त मंडल के रितेश अग्रवाल ने दी।

21.5 क्विंटल पीडीएस चावल जब्त

नगरबेड़ा। आलोपती चर पुलिस ने बीती रात दक्षिण बारपेटा के चरांचल के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी कर 21.5 क्विंटल पीडीएस का चावल जब्त किया। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए इस अभियान में चावल तब जब्त की गई जब चावल की खेप को नाव द्वारा बागबर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत तहत सुखवरझर के पारघाट से घोड़ा गाड़ी में लादकर ग्वालपाड़ा जिले के शिमलितोला की ले जाया जा रहा था। आलोपतीचर थाना प्रभारी प्रकाश डेका के नेतृत्व में चलाए गए छापेमारी में कुल 21.5 क्विंटल चावल जब्त की गई। पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त चावल बाहरी बाजारों में बिक्री के लिए ग्वालपाड़ा जिले के शिमलतली ले जाया जा रहा था। गौरतलब है कि इस संदर्भ में फिलहाल पुलिस ने बाहादुर इस्लाम, आनवर हुसैन, खैजुद जामान और हुरमुज आली पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। साथ ही जब्त की गई चावल को भी थाने में लाया गया। पुलिस हिरासत में लिए गए सभी लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस की इस कार्य को स्थानीय लोगों ने भूरि-भूपि प्रशंसा की।

GOVT. OF ASSAM
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER : INLAND WATER TRANSPORT DIVISION
ULUBARI, :: GUWAHATI
RE-TENDER NOTICE
No. 252

The Executive engineer I.W.T. Division Guwahati on behalf of Governor of Assam invites re-tender in 2 (two) bid system for leasing out the remaining 20 Nos. of ferry services under I.W.T. Division Guwahati for the remaining period of Financial year 2022-24.

The name of the ferry services and assessment value of each ferry service and other tender documents may be seen at e-procurement portal www.assamtenders.gov.in and Director IWT's portal http://iwtdirectorate.assam.gov.in.

Intending tenderers are requested to register at portal of e-tender of the Assam Govt. www.assamtenders.gov.in and participate through the online tender portal only.

1	Tender publishing date and time	29-04-2023 from 4.00 PM
2	Tender download date and time	29-04-2023 from 5.00 PM
3.	Tender submission start date	06-05-2023 from 3.00 PM
4.	Tender submission end date	19-05-2023 up to 2.00 PM
5.	Tender opening date (online)	19-05-2023 from 3.00 PM

2. **Detailed Schedule**

Sl. No.	Name of the ferry service	Assessment value	EMD		Tender fees
			General category	OBC/MOBC/SC/ST	
1	Barchala-Mairabari	936910	36100	18050	Rs.500.00 (non refundable)
2	Guwahati-Kurua	414700	20800	10400	
3	Guwahati-Madhyamkhanda	269913	13500	6750	
4	Guwahati-North Guwahati	1717788	85900	42950	
5	Guwahati-Rajaduar	162500	8200	4100	
6	Guwahati-Kachamari	351000	17600	8800	
7	Pandu-Amingaon	67925	3400	1700	
8	Kurihamari-Guwahati, via Sualkuchi	117732	5900	2950	
9	Sontoli Bohori-Alikash	1896050	94900	47450	
10	Burikhamar	29640	1500	750	
11	Pub-Khodanbari (Nichuka)	120250	6100	3050	
12	Lowkhowa-Tezpur	490750	24600	12300	
13	Baralimari-Guwahati via Goriagaon, Haiborgaon	71500	3600	1800	
14	Sunsali-Kurua, Guwahati	430625	21600	10800	
15	Palashbari-Sualkuchi	61750	3100	1550	
16	Baghbor-Goalpara via Mainbari, Tarakandi (club)	380000	19000	9500	
17	Nayeralga-Gauranga	271050	13600	6800	
18	Dhubri-Medartari	225875	11300	5650	
19	Phulbari-Dhubri	239148	12000	6000	
20	Manikpur-Pamerchar	108000	5400	2700	

Sd/-
Executive Engineer,
Inland Water Transport Division
Ulubari, Guwahati-7

-- Janasanyog /C/1626/23

राजनाथ की तल्खी के बावजूद चीनी रक्षा मंत्री ने की भारत से संबंध सुधारने की वकालत

- चीनी रक्षा मंत्री ने भारत से व्यापक, दीर्घकालिक और रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाने को कहा
- भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों के विकास के बारे में खुलकर हुई चर्चा

नई दिल्ली, (हि.स.)। गलवान घाटी की हिंसक घटना के बाद पहली बार भारत आये चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू ने भारत से संबंध सुधारने की वकालत की है। हालांकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक से पहले उनसे हाथ न मिलाकर तल्खी दिखाई, लेकिन दोनों मंत्रियों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों के विकास के बारे में खुलकर चर्चा की। दरअसल, किसी भी देश के साथ द्विपक्षीय बैठक से पहले हाथ मिलाते हुए फोटो खिंचवाने की परंपरा है, जिसे हैंड शेकिंग कहा जाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने चीनी समकक्ष ली के साथ द्विपक्षीय बैठक से पहले हाथ नहीं मिलाया, जबकि उन्होंने द्विपक्षीय बैठक से पहले ताजिक, ईरानी और कजाख समकक्षों के साथ हाथ मिलाया। राजनाथ के हैंड शेकिंग न करने को चीन के साथ तीन साल से चल रहे गतिरोध के मद्देनजर तल्खी के रूप में देखा जा रहा है। बैठक में ली ने कहा कि चीन-भारत सीमा आमतौर पर स्थिर है और दोनों पक्षों ने सैन्य और राजनयिक चैनलों के माध्यम से संचार बनाए रखा है। चीनी रक्षा मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों और एक दूसरे के विकास को एक व्यापक, दीर्घकालिक और सामरिक दृष्टिकोण से देखकर संयुक्त रूप से विश्व और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को सीमा मुद्दे को द्विपक्षीय संबंधों में उचित स्थिति में रखना चाहिए और सामान्य प्रबंधन के लिए सीमा की स्थिति के संक्रमण को बढ़ावा देना चाहिए। ली ने उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष दोनों सेनाओं के बीच आपसी विश्वास को लगातार बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों के विकास में उचित योगदान देने के लिए मिलकर काम करेंगे। द्विपक्षीय बैठक में राजनाथ सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा था कि भारत और चीन के बीच संबंधों का विकास सीमाओं पर शांति के प्रसार पर आधारित है। उन्होंने कहा कि एलएसी पर सभी मुद्दों को मौजूदा द्विपक्षीय समझौतों और प्रतिबद्धताओं के अनुसार हल करने की आवश्यकता है। सिंह ने दोहराया कि मौजूदा समझौतों के उल्लंघन ने द्विपक्षीय संबंधों के पूरे आधार को नष्ट कर दिया है और सीमा पर पीछे हटने का तार्किक रूप से डी-एस्केलेशन के साथ पालन किया जाएगा। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन और पाकिस्तान को निशाने पर लेते हुए कहा कि भारत अपने प्रमुख पड़ोसी देशों के साथ मतभेदों की तुलना में कहीं अधिक हित साझा करता है।

सरकार डिजिटल तकनीक का लोकतांत्रिकरण कर रही है : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार डिजिटल तकनीक का लोकतांत्रिकरण करने की दिशा में प्रयासरत है। तकनीक सस्ती और आसानी से उपलब्ध होने की दिशा में सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने 18 राज्य और 02 केंद्र शासित प्रदेशों के 91 रेडियो ट्रांसमीटर्स का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करते हुए कहा कि ऑल इंडिया रेडियो की एफएम सर्विस का विस्तार ऑल इंडिया एफएम बनने की दिशा में बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है। ऑल इंडिया एफएम की 91 एफएम ट्रांसमीटर्स की शुरूआत देश के 85 जिलों के 2 करोड़ लोगों के लिए उपहार की तरह है। आगे उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी केवल संपर्क सुविधाओं तक ही सीमित नहीं है। हमारी सरकार सामाजिक जुड़ाव को बढ़ाने का भी विशेष प्रयास कर रही है। डीटीएच और ऑप्टिकल फाइबर माध्यम से लोगों को जानकारी और मनोरंजन के साथ अन्य सुविधा दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इंटरनेट से रेडियो सेवाओं का विस्तार बढ़ा है। डिजिटल इंडिया ने रेडियो को नए श्रोता और नई सोच प्रदान की है। लोग आज पॉडकास्ट और एफएम से रेडियो का डिजिटल रूप में लाभ उठा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सांस्कृतिक और बौद्धिक जुड़ाव को भी मजबूत कर रही है। पिछले 9 वर्षों में हमने पद्म अवार्ड, साहित्य और कला अवार्ड के द्वारा देश के अलग-अलग हिस्सों के असली हीरो को सम्मानित किया है। "मन की बात" के अनुभव को साझा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह कार्यक्रम बताता है कि देशवासियों से भावनात्मक जुड़ाव केवल रेडियो से ही संभव था। अभी कुछ दिन बाद ही मैं रेडियो पर "मन की बात" का 100वां एपिसोड करने जा रहा हूं। "मैं इसके जरिए देशवासियों के सामर्थ्य से जुड़ा रहा हूं। देश की सामूहिक कर्तव्य शक्ति से जुड़ा रहा हूं।"

शिवसेना का दफ्तर, बैंक खाते, चल-अचल संपत्ति शिंदे गुट को दिए जाने की मांग खारिज

अजय कुमार

- सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा, इस केस से आपका क्या संबंध, किस अधिकार से लगाई याचिका

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने शिवसेना का दफ्तर, उसके बैंक खाते और चल-अचल संपत्ति एकनाथ शिंदे गुट को दिए जाने का आदेश देने की मांग खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि आपका इस केस से क्या संबंध है। किस अधिकार से आप याचिका दाखिल कर रहे हैं। याचिका मुंबई के वकील आशीष प्रमोद गिरी ने दायर की थी। गिरि ने महाराष्ट्र के मतदाता होने का हवाला देते हुए अर्जी में कहा था कि महाराष्ट्र में तमिलनाडु जैसी स्थिति आए, उससे पहले ही स्थिति साफ हो जाए। याचिका में पार्टी फंड के ट्रांसफर करने पर रोक लगाने की मांग की गई थी। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग ने 17 फरवरी को एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना करार देते हुए धनुष-बाण चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया था। आयोग ने पाया था कि शिवसेना का मौजूदा संविधान अलोकतांत्रिक है। निर्वाचन आयोग ने कहा था कि शिवसेना के मूल संविधान में अलोकतांत्रिक तरीकों को गुपचुप तरीके से वापस लाया गया, जिससे पार्टी निजी जागीर के समान हो गई। इन तरीकों को निर्वाचन आयोग 1999 में नामंजूर कर चुका था। पार्टी की ऐसी संरचना भरोसा जगाने में नाकाम रहती है।

स्वास्थ्य पर लोगों का खर्च घटा, सरकारी व्यय में काफी बढ़ोतरी : डॉ. मांडविया

नई दिल्ली। स्वास्थ्य पर लोगों की जेब से होने वाले खर्च में कमी आई है। शुक्रवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने ट्वीट कर कहा कि कुल स्वास्थ्य व्यय में आउट-ऑफ-पॉकेट व्यय 2014-15 में 62.6 प्रतिशत से घटकर 2019-20 में 47.1 प्रतिशत हो गया है। इसी अवधि के दौरान सरकारी स्वास्थ्य व्यय में काफी वृद्धि हुई। इसने करोड़ों गरीब और कमजोर परिवारों के लिए स्वास्थ्य सेवा को किफायती बना दिया है। बता दें कि हाल ही में स्वास्थ्य मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा (एनएचए) की रिपोर्ट जारी की। साल 2019-20 के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा (एनएचए) अनुमानों के अनुसार, कुल स्वास्थ्य खर्च में सरकार की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है जिसके कारण परिवारों को स्वास्थ्य सेवा पर कम खर्च करना पड़ रहा है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में स्वास्थ्य से जुड़े खर्च की हिस्सेदारी के रूप में देखा जाए तो यह वर्ष 2014-15 के 1.13 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2019-20 में 1.35 प्रतिशत हो गई।

बंगाल में जल्द चलेगी दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल को जल्द ही दूसरी सेमी-हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन मिलने वाली है। इसके हावड़ा-पुरी के व्यस्त मार्ग पर चलने की सबसे अधिक संभावना है। दक्षिण पूर्व रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को हावड़ा-पुरी रूट पर नए आवंटित रैक का ट्रायल रन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेवा शुरू करने का मार्ग और तारीख अभी आधिकारिक रूप से प्राप्त नहीं हुई है। हमें आईसीएफ, पेरुम्बुर से वंदे भारत रैक मिला है और आज हावड़ा-पुरी रूट पर ट्रायल रन किया जा रहा है। यह दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन होगी, जो पश्चिम बंगाल को मिलेगी। पहली 30 दिसंबर, 2022 से हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी मार्ग पर शुरू हुई थी। तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के साथ कोलकाता से सालों भर भगवान जगन्नाथ दर्शन को जाने वालों को इससे काफी सुविधाएं मिलेंगी।

शुभेंदु ने लिखा केंद्र को पत्र : राजनीतिक कारणों से ग्रामीण बंगाल में जलापूर्ति नहीं कर रही सरकार

कोलकाता, (हि.स.)। वरिष्ठ भाजपा विधायक और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि राज्य के अधिकारी राजनीतिक कारणों से ग्रामीण बंगाल के कई क्षेत्रों में जलापूर्ति नहीं कर रहे हैं। पत्र में उन्होंने लिखा है कि राज्य के एक बड़े हिस्से में लोग जल संकट से जूझ रहे हैं। राजनीतिक तौर पर प्रेरित नौकरशाह खासकर जो बड़े पदों पर आसीन हैं, वे ग्रामीण बंगाल के गरीब लोगों के बीच जलापूर्ति को लेकर काफी उदासीन हैं। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी "हर घर जल" परियोजना के सपने को इन लोगों ने तोड़ा है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार गुरुवार को बालूरघाट स्थित अपने संसदीय क्षेत्र के भाटपाड़ा इलाके में गए थे जहां स्थानीय लोगों ने घेर कर विरोध जताया था। सभी का कहना था कि उन्हें जलापूर्ति नहीं मिल रही। सुकांत मजूमदार ने कहा था कि केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी जल जीवन परियोजना के तहत इस ग्राम के घर-घर में जलापूर्ति की व्यवस्था की गई है। हालांकि स्थानीय तृणमूल नेताओं ने इसके एवज में भी लोगों से रुपये वसूले हैं और अभी तक जल आपूर्ति पूरी तरह से सुनिश्चित नहीं हो पाई है। इसलिए लोगों में नाराजगी है। इस संबंध में केंद्र सरकार को पत्र लिखा जाएगा।

गडकरी ने कहा- एससीओ देशों के साथ संपर्क भारत की प्राथमिकता

अजय त्यागी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के देशों के साथ संपर्क भारत की प्राथमिकता है। भारत परिवहन क्षेत्र को अधिक कुशल और विश्वसनीय बनाने को लेकर समाधानों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। गडकरी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में एससीओ देशों के परिवहन मंत्रियों की 10वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। गडकरी ने कहा कि हमें हर देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए सहयोग, मांग आधारित विकास और सम्मान सुनिश्चित करना चाहिए। भारत इस क्षेत्र में अर्थव्यवस्था और जनसंपर्क को बढ़ावा देने के लिए एससीओ पर विशेष ध्यान देता है। भारत परिवहन क्षेत्र को ज्यादा कुशल और विश्वसनीय बनाने को लेकर समाधानों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि भारत अभी शंघाई सहयोग संगठन का अध्यक्ष है। एससीओ 15 जून 2001 को शंघाई में स्थापित एक अंतर-सरकारी संगठन है। एससीओ में फिलहाल आठ सदस्य देश हैं, जिसमें भारत, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं।

कांग्रेस सरकार चार महीने में ही जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई : बिंदल

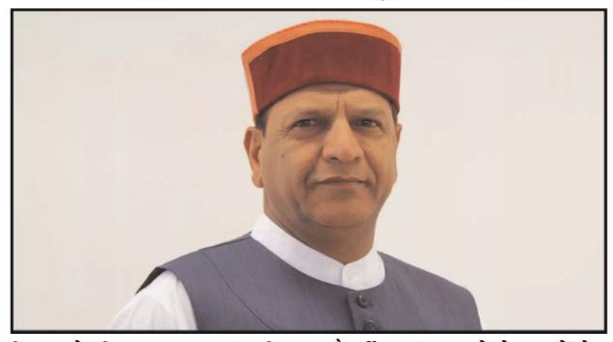

शिमला, (हि.स.)। प्रदेश अध्यक्ष भाजपा डॉ राजीव बिन्दल ने कहा है कि वर्तमान कांग्रेस सरकार केवल चार महीने में ही जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है। बिंदल ने शुक्रवार को एक वयान में कहा कि कांग्रेस सरकार से जनता का मोह भंग हो चुका है। नगर निगम चुनाव में एक भी ऐसी घोषणा कांग्रेस व कांग्रेस की सरकार ने नहीं की है जिस पर इनका अपना कोई योगदान हो। डॉ बिन्दल ने कहा कि नगर निगम शिमला के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी दिन-प्रतिदिन पूर्ण बहुमत के साथ जीत की ओर अग्रसर है। उन्होने कहा कि शिमला क्षेत्र की जनता स्वीकार कर रही है कि भाजपा ने शिमला के विकास के लिए नए आयाम स्थापित किए हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस शिमला नगर निगम को लेकर दिशाविहीन है। भाजपा ने 40,000 लीटर मुफ्त पानी प्रति मास देने की घोषणा की है। शिमला के सौंदर्यीकरण, सड़कों के, पुलों के, पार्किंगों के, शौचालयों के निर्माण की घोषणा की है। डॉ0 बिन्दल ने कहा कि भाजपा, केन्द्र की भाजपा सरकार से शिमला के विकास के लिए माकूल धन उपलब्ध करवाएगी।

मनी लांड्रिंग मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले के मनी लांड्रिंग से जुड़े मामले में दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी है। स्पेशल जज एमके नागपाल ने ये फैसला सुनाया। कोर्ट ने 18 अप्रैल को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि सिसोदिया मंत्री समूह के मुखिया थे और कैबिनेट के बारे में उनको सारी जानकारी थी। वे आबकारी नीति के बदलाव में मुख्य भूमिका में थे। ईडी ने कहा था कि नीति में फायदा पहुंचाने के बदले रिश्वत ली गई। ईडी ने कहा था कि कोई भी नीति हवा में नहीं बनाई जाती है। ईडी ने कहा था कि मंत्री समूह की बैठक में लाइसेंस फीस और प्रॉफिट मार्जिन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। ईडी ने कहा था कि मनीष सिसोदिया के पास 18 विभाग थे। उस समय वह लोगों से मुलाकात करते थे। कुछ लोग उनकी पत्नी की देखभाल करते थे, ऐसे में जमानत के लिए मनीष सिसोदिया पत्नी की सेहत का हवाला नहीं दे सकते हैं। इससे पहले जमानत याचिका पर 5 अप्रैल को सुनवाई के दौरान सिसोदिया की ओर से कहा गया था कि सिसोदिया के खिलाफ मनी लांड्रिंग का कोई मामला ही नहीं बनता है। सिसोदिया के वकील ने कहा था कि ईडी का पूरा केस सीबीआई के केस पर ही आधारित है। उन्होंने कहा था कि मनी लांड्रिंग एक्ट की धारा 3 के तहत किसी भी तरह का अपराध सिसोदिया ने नहीं किया। कोर्ट को यह देखना होगा कि क्या धारा 3 के तहत कोई उल्लंघन किया गया है। मनीष सिसोदिया की ओर से कहा गया था कि दूसरी एजेंसियां पहले ही इस मामले की जांच कर रही हैं। सिसोदिया के वकील ने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह पता चल सके कि सिसोदिया ने मनी लांड्रिंग का अपराध किया हो या उसमें शामिल हों। कथित अपराध की आय का एक भी पैसा सिसोदिया या उनके परिवार के किसी सदस्य के बैंक खाते में नहीं आया। उसका मनी लांड्रिंग के अपराध से कोई लेना देना नहीं है। सिसोदिया के वकील ने कहा था कि जांच एजेंसी के अधिकारी अपनी सुविधा के अनुसार सिसोदिया के खिलाफ आरोप लगा रहे हैं। सिसोदिया के वकील ने कहा था कि कैबिनेट ने मंत्री समूह बनाया। मंत्री समूह सभी राज्यों और केंद्र सरकार में भी होता है। मंत्री समूह आंकड़ों के आधार पर पॉलिसी में बदलाव का सुझाव देता है। इसके आधार पर आबकारी विभाग पॉलिसी को ड्राफ्ट करता है। मंत्री समूह पॉलिसी को ड्राफ्ट नहीं करता है। कोर्ट ने 21 मार्च को जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए ईडी को नोटिस जारी किया था। इस मामले में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 5 अप्रैल को खत्म हो रही है। 22 मार्च को कोर्ट ने सिसोदिया को 5 अप्रैल तक की न्यायिक हिरासत में भेजा था। ईडी ने इस मामले में मनीष सिसोदिया को 9 मार्च को पूछताछ के बाद तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। सिसोदिया को पहले सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था।

बृजभूषण को जेल नहीं भेजे जाने तक जारी रहेगा धरना : विनेश फोगाट

नई दिल्ली, (हि.स.)। कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण के खिलाफ दिल्ली पुलिस एफआईआर दर्ज करने की तैयारी में है। दिल्ली पुलिस ने आज ही सुप्रीम कोर्ट को बताया की खिलाड़ियों की शिकायत पर बृजभूषण के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा। इस बीच खिलाड़ियों ने प्रेस वार्ता करके उनकी गिरफ्तारी की अपील की है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे खिलाड़ियों ने दिल्ली पुलिस पर नाराजगी जाहिर की। पहलवान विनेश फोगाट ने कहा कि हमें दिल्ली पुलिस पर भरोसा नहीं है। हम छह दिनों से बैठे हैं। दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर ही हमारा अगला कदम होगा। हमारी मांग है कि बृजभूषण को जेल में डाला जाए। साथ उनकी प्रधानमंत्री से नैतिकता के आधार पर अपील है कि उन्हें हर एक पद से हटाया जाए। जब तक वे उस पद पर रहेंगे वे उस पद का दुरुपयोग करेंगे और जांच को प्रभावित करेंगे। सुप्रीम कोर्ट पर हमें पूरा भरोसा है। धरने पर बैठे खिलाड़ियों ने कहा कि जबतक बृजभूषण को जेल नहीं भेजा जाता तबतक धरना जारी रहेगा। खिलाड़ियों का कहना है कि एफआईआर दर्ज करने में छह दिन लग गए, ऐसे में दिल्ली पुलिस पर उन्हें ज्यादा विश्वास नहीं है। सात महिला खिलाड़ियों ने कोर्ट में एफआईआर दर्ज करने का आदेश जारी करने के लिए याचिका दायर की थी। पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि अगर फेडरेशन के अध्यक्ष ही खिलाड़ियों का शोषण करेंगे तो हम शिकायत लेकर कहां जाएंगे। खिलाड़ियों ने बृजभूषण शरण सिंह को सभी पदों से हटाने की मांग की।

केंद्रशासित राज्यों का समुचित विकास भारत सरकार का लक्ष्य : तोमर

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि केंद्रशासित प्रदेश व केंद्र सरकार एक-दूसरे के पूरक हैं। केन्द्र और राज्यों को परस्पर संवाद व अनुकूलता के साथ कठिनाइयां हल करते हुए विकास का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। केंद्रशासित राज्यों का समुचित विकास भारत सरकार का लक्ष्य है। इस दिशा में हर संभव कार्य किया जा रहा है। तोमर ने केन्द्र शासित राज्यों के प्रतिनिधियों की एक बैठक को शुक्रवार को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरी संकल्प शक्ति के साथ देश का चहुंमुखी विकास करने के लिए विभिन्न योजनाओं-कार्यक्रमों के माध्यम से गतिशीलता के साथ काम कर रहे हैं। केंद्रशासित राज्यों का समुचित विकास भारत सरकार का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री मोदी की कोशिश रहती है कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसीलिए सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों में भी केंद्रीय मंत्री व अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण दौरा करते हैं। तोमर ने कहा कि केंद्र सरकार के पास योजनाओं व धन की कमी नहीं है, जरूरत है योजनाओं के पूर्ण क्रियान्वयन की। सभी पात्र किसानों, पशुपालकों, मत्स्यपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि आदि का लाभ मिलना चाहिए। पीएम किसान में अभी तक करोड़ों किसानों को लगभग ढाई लाख करोड़ रु. उनके खातों में दिए गए हैं। जो फसलें वहां होती हैं, उन्हें बढ़ावा दिया जाए, अन्य राज्यों के साथ ये प्रदेश भी विकास की प्रतिस्पर्धा में अग्रणी रहें। केंद्रशासित प्रदेशों के छोटे किसानों के जीवन स्तर में भी बदलाव आना चाहिए।

दिल्ली के गांवों के विकास से सम्बंधित कार्यों को गति देने के लिए समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में शुक्रवार को दिल्ली के गांवों के विकास कार्यों को गति देने के लिए दिल्ली सचिवालय में विकास विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद राय ने बताया कि ग्रामीण विकास बोर्ड की बैठक 25 मई को दिल्ली सचिवालय में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। दिल्ली के गांवों के विकास से सम्बंधित 400 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं की विस्तृत रिपोर्ट बोर्ड मीटिंग में प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए है। साथ ही आईएंडएफसी के अधिकारियों को दिल्ली के गांवो के विकास कार्यों से सम्बंधित परियोजनाओं और लंबित प्रस्तावों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। राय ने बताया कि दिल्ली के गांवों में विकास सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड का गठन किया गया था। इस बोर्ड का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के गांवों में हर तरह की मूलभूत सेवाएं सुनिश्चित करना है। राय ने कहा कि केजरीवाल सरकार गांवों में सड़कों, पार्कों, नालियों और बहुउद्देशीय सामुदायिक केंद्रों की स्थिति में सुधार करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। विकास विभाग से जुड़े इन विकास कार्यों को सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग, एमसीडी सहित अन्य सरकारी विभागों के माध्यम से किया जा रहा है।

यह चुनाव देवासुर संग्राम की तरह, हमें भ्रष्टाचार और अराजकता रूपी दानव का नाश करना है : योगी

– चार जिलों के दौरे पर निकले योगी ने सीतापुर में की पहली चुनावी सभा

सीतापुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नगरीय निकाय चुनाव के प्रचार के लिए शुक्रवार को अपने चार जिलों के दौरे पर निकले हैं। सबसे पहले उन्होंने सीतापुर में मिश्रित मेला मैदान में आयोजित जनसभा में जनता को संबोधित करते हुए भाजपा उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह चुनाव देवासुर संग्राम की तरह है। हमको भ्रष्टाचार और अराजकता रूपी दानव का नाश करना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीर्थ भूमि नैमिष को नमन करते हुए कहा कि हजारों वर्षों से दुनिया का इतिहास उंगलियों पर गिन सकते हैं, लेकिन इससे भी पुराना इतिहास इस जनपद और नैमिष का है। यहां आने से जीवन धन्य हो जाता है, देवासुर संग्राम में महर्षि दधीचि ने अपनी अस्थियां यहीं दान दी थी। यह चुनाव भी हमारे लिए देवासुर संग्राम तरीके का ही है। हमको भ्रष्टाचार, अराजकता रूपी दानव का नाश करना है। योगी ने कहा कि सरकार आज बिना किसी भेदभाव के गरीबों के कल्याण के लिए काम कर रही है मुख्यमंत्री ने कहा कि 2.50 लाख गरीबों को सीतापुर में आवास का लाभ मिला है। सीतापुर जनपद की दरी विश्व में अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले गरीबों को योजनाओं का लाभ नहीं मिलता था।अब बिना भेदभाव के गरीबों को लाभ मिल रहा है। हमारी सरकार सबके साथ खड़ी है। पिछली सरकार में तो एक वर्ग विशेष के लिए योजनाएं थीं, आज डबल इंजन की सरकार में योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में भारत की तकदीर तस्वीर बदली है। नौ वर्ष पहले देश के प्रति अविश्वास का माहौल था। जगह जगह भ्रष्टाचार व्याप्त था। आज नौ वर्ष बाद भारत की तस्वीर बदली है। आज दुनिया संकट के दौर में भारत की ओर देखती है। अभी आप ने अफ्रीकी देश सूडान में हालात देखा। अभी दुनिया सोच ही रही थी कि प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशन में भारत ने अपने नागरिकों को सकुशल निकाला है। उत्तर प्रदेश के भी सैकड़ों नागरिक वापस आ गये हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हो रहा है। साथ में विरासत का भी सम्मान हो रहा है। काशी, अयोध्या और मथुरा का कायाकल्प हो रहा है। बहुत जल्द नैमिषारण्य सीतापुर में इलेक्ट्रिक बस चलने वाली हैं। बहुत जल्द यहां से लखनऊ की हेलीकाप्टर सेवा भी चालू हो जाएगी। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखीमपुर, बलरामपुर और गोरखपुर जाएंगे। इस दौरान लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद, कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही, नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरु, भाजपा विधायक ज्ञान तिवारी, आशा मौर्य, रामकृष्ण भार्गव, शशांक त्रिवेदी, मनीष रावत निर्मल वर्मा, विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा मौजूद रहें।

योगी सरकार ने की 90 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में किसानों को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गेहूं खरीद की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने हाल ही में खाद्य एवं रसद विभाग के आला अधिकारियों के साथ गेहूं की खरीद को लेकर समीक्षा बैठक की और इस्की समुचित व्यवस्था करते हुए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश में 2 हजार 978 गेहूं क्रय केंद्रों के माध्यम से 19 हजार 209 किसानों से अब तक 89972.77 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की गई इस खरीद के माध्यम से लगभग 129.04 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। पिछले साल प्रदेश में 2890 क्रय केंद्रों पर 19694 किसानों से 83485.47 मीट्रिक टन की खरीद हुई थी। उन्होंने गेहूं खरीद की व्यवस्था पर कहा कि जनपदों में संचालित समस्त क्रय केन्द्रों पर किसानों से गेहूं खरीद सुनिश्चित करायी जाये। किसानों के पंजीकरण एवं सत्यापन में प्रगति लाई जाये। पंचायती राज्य विभाग के जिला पंचायत राज्य अधिकारी को निर्देशित कर ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम प्रधानों का सहयोग प्राप्त कर गेहूं खरीद करायी जाये। जिलाधिकारी अपने स्तर से संचालित क्रय केन्द्रों की समीक्षा कर, जहां गेहूं की आवक नहीं हो रही है, उन क्रय केन्द्रों को ग्रामीण क्षेत्रों में जहां गेहूं की अच्छी आवक है, वहां संचालित कराया जाये। मोबाइल क्रय केन्द्रों के माध्यम से भी गेहूं की खरीद में प्रगति लायी जाये तथा इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाये। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में गेहूं खरीद पर प्रदेश सरकार का ही नहीं बल्कि केंद्र सरकार का भी विशेष ध्यान है। गेहूं खरीद में तेजी लाने के लिए केंद्र सरकार ने 24 अप्रैल को आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया है कि प्रदेश में पंचायतों और आढ़तियों के माध्यम से भी गेहूं खरीदा जाए। आरएमएस के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों और आढ़तियों के माध्यम से एफएक्यू गेहूं खरीद पर अन्य समितियों की भांति उन्हें नियमानुसार 27 रुपये प्रति कुंतल कमीशन देय होगा।

उत्तर प्रदेश में माफिया मांग रहे हैं जान की भीख : ब्रजेश पाठक

कुशीनगर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को कुशीनगर के कसया में एक चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए सरकार की उपलब्धियां और विकास की योजनाएं गिनाईं। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकार में माफिया गाड़ियों में बंदूक लेकर चलते थे। उनकी जगह अब जेल में है। 25 हजार से अधिक मुकदमा दर्ज किया गया है। योगीराज में माफिया गले में तख्ती लगाकर जान की भीख मांग रहे हैं। भाजपा उम्मीदवार किरण जायसवाल को जीताने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि हर शहरी गरीब को पक्का मकान मोदी व योगी की सरकार ने दिया है। हर गरीब को शौचालय दिया। माता-बहन व बुजुर्ग का सम्मान किया। 2014 से लगातार मोदी व 2017 से योगी की सरकार चल रही है। सरकार ने घोटालों को समाप्त कर योजनाओं का सीधा लाभ जनता को देकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को साकार करने का कार्य किया है। निकायों में घर-घर जल पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि पहले घर में बड़ी बीमारी पर गहना बिकता था, अब आयुष्मान भारत से 5 लाख की सहायता मिल रही है। 14 जिलों को छोड़ हर जिले में मेडिकल कालेज बन गया है। किसानों को सम्मान निधि देकर उनका सम्मान किया गया। जनधन खाते में 1000 भेजकर भुखमरी से मौत की घटनाओं को रोका गया। डिप्टी सीएम ने कहा कि 2024 से पहले अयोध्या में मन्दिर बन जायेगा। अयोध्या में भव्य मंदिर इस सदी का अद्भुत काम है। कहा कि अनुच्छेद-370 को हटाने का ऐतिहासिक कार्य कर सरकार ने अपना वादा पूरा किया। एक कतरा खून जम्मू में नहीं गिरा। भाजपा सरकार ने मुस्लिम महिलाओं के लिए चिंता की ट्रिपल तलाक कानून बनाकर उनको सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार दिया है। सभा को जिलाध्यक्ष प्रेमशंकर मिश्र, जिला प्रभारी रमेश सिंह, विधायक पी एन पाठक, पूर्व जिलाध्यक्ष अखिलेश मिश्र आदि ने सम्बोधित किया।

एकेटीयू से संबद्ध 750 कॉलेजों में रोजाना होगा योग

लखनऊ, (हि.स.)। योगा न केवल तन को बल्कि मन को भी सेहतमंद रखता है। इस बार योग दिवस का थीम है 'मानवता के लिये योगा' रखा गया है। योग दिवस को सफल बनाने के लिए डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय भी प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय ने 21 जून को होने वाले योग दिवस को लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दी है। कुलपति प्रो0 आलोक कुमार राय के निर्देशन में कुलसचिव जीपी सिंह ने संबद्ध संस्थानों में रोजाना योग कराने का निर्देश दिया है। विश्वविद्यालय से पूरे प्रदेश में साढ़े सात सौ से ज्यादा संस्थान संबद्ध हैं। योग दिवस के लिए इन संस्थानों में जागरूक किया जाएगा। जिससे कि छात्र, शिक्षक अधिकारी और कर्मचारी योग के महत्व को समझें। वहीं, योग वाले दिन विश्वविद्यालय और इसके संबद्ध संस्थानों में एक साथ करीब तीन लाख लोग योग करेंगे। वहीं, विश्वविद्यालय में रोजाना प्रातः योग किया जाता है। इसी क्रम में योग दिवस पर विश्वविद्यालय और संबद्ध संस्थानों की ओर से इन गांवों में योग के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया गया है। जिससे ग्रामीण योग के महत्व को समझ कर उसे अपने जीवनशैली का हिस्सा बना सकें। उल्लेखनीय है कि विश्व योग दिवस हर साल 21 जून को आयोजित होता है। इस दिन भारत सहित पूरा विश्व योग को उत्सव की तरह मनाता है। एक साथ करोड़ों की संख्या में लोग योग करते हैं। इसको देखते हुए इस बार डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय ने पहले से तैयारी करते हुए संस्थान से संबद्ध कॉलेजों में रोजाना योग कराने के निर्देश जारी किए हैं।

शाइस्ता और आईएस-227 गैंग के गुर्गों की तलाश में पुलिस कर रही कॉम्बिंग

कौशाम्बी, (हि.स.)। माफिया अतीक अहमद के मारे जाने के बाद अब अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन और आईएस-227 गैंग के गुर्गों की तलाश में पुलिस की टीमें लगी हुई हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को क्षेत्राधिकारी ने पैरामिलिट्री के साथ सराय अकिल कस्बे में कॉम्बिंग की। इस दौरान लाउडस्पीकर पर अनाउंस कर उनके मददगारों को आगाह करते हुए कार्रवाई की चेतावनी दी गई। चायल क्षेत्राधिकारी योगेंद्र नारायण कृष्ण ने लाउडस्पीकर से अनाउंस के जरिये शाइस्ता को शरण देने वाले व उनके गुर्गों की मदद करने वालों पर कार्रवाई तय है। इस मामले में उनका कहना है कि अतीक और उसके गुर्गे जनपद और पड़ोसी जिलों में शरण लिए हो सकते हैं। उनकी तलाश में कई टीमें गोपनीय तरीके से नजर रख रही हैं। शरण देने वाले लोगों के सामने आने पर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। ऐसे ही कुछ लोगों को चिन्हित कर उन पर गैंगस्टर व मिनी गैंगस्टर के तहत कार्रवाई की गई है। इसलिए आम जनमानस बड़े अपराधियों एवं संदिग्ध लोगों के प्रति सतर्क रहे।

पुलिस को तत्काल सूचना दें। उल्लेखनीय है कि माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की प्रयागराज जिले के एक अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए ले जाते वक्त बीते दिनों हत्या कर दी गई थी। वहीं, उसका बेटा असद और शूटर गुलाम झांसी में हुए एनकाउंटर में मारे जा चुके हैं। इनके अलावा शूटर विजय चौधरी उर्फ उस्मान, शूटर का मददगार अरबाज पुलिस मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं। लेकिन अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन, (जो संभावित आईएस 227 गैंग की मुखिया), शूटर गुड्डू मुस्लिम, साबिर व अन्य दर्जनों सदस्यों को पकड़ने के लिए पुलिस विभिन्न जिलों और राज्यों में दबिश दे रही हैं। वहीं स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) की टीमें भी लगाई गई हैं।

मुख्यमंत्री ने झारखंड में शुरू की एयर एम्बुलेंस सेवा

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर एयर एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ किया। मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक और कड़ी जुड़ गई है। सरकार का प्रयास है कि सबके लिए स्वास्थ्य सेवा बराबर होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार ऐसा होता है कि मरीज की स्थिति काफी खराब हो जाती है और अस्पताल ले जाते वक्त वह दम तोड़ देता है। सरकार ने यह सुविधा इसलिए शुरू की है कि मरीज या दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि कितने ही जवानों को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया। आज वो जवान अपनी ड्यूटी पर तैनात हैं। सोरेन ने कहा कि कोरोना काल ने बहुत कुछ सिखाया है। आपातकाल में कई नयी और पुरानी चीजें समझने को मिलती हैं। आज यह सेवा लाकर लोगों को किफायती दर पर दूसरे राज्य के बेहतर अस्पताल में इलाज हो सकेगा। कई जिले जैसे धनबाद, दुमका, गढ़वा व गिरिडीह में एयरपोर्ट है और वहां ट्रायल भी हो चुका है। वहां रनवे बनाने का भी निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रयास से बेहतर चीजें निकलकर सामने आती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजतक स्वास्थ्य सेवा पर कई टीका टिप्पणी की गई लेकिन हमने यहां की विभिन्नता में भी स्वास्थ्य सेवाएं बहाल की है। आज झारखंड की सड़कों पर सैकड़ों एम्बुलेंस दौड़ती है, जिन पहाड़ी क्षेत्रों में एम्बुलेंस नहीं जा पाता वहां हमने बाइक एम्बुलेंस की शुरूआत की है और आज एयर एंबुलेंस की शुरुआत हुई है। रिम्स को लेकर अखबारों में कई खबरें छपती रहती है।

हाई कोर्ट की तरफ से भी टिप्पणी की जाती है लेकिन आज रिम्स में अत्याधुनिक सुविधाओं वाले मशीन लगाएं गए हैं। हमारे सामने बहुत चुनौतियां है। इससे लड़ने की जरूरत है। इसकी शुरुआत की घोषणा होते साथ लोगों के बीच उत्सुकता है। 200 से 250 लोग अबतक दिए गए नम्बर पर लोग संपर्क कर चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। एयर एंबुलेंस काफी दिनों से इसकी जरूरत झारखंड को थी। ऐसे में जब भी हम इस समस्या को लेकर मुख्यमंत्री के पास जाते थे तो उनके मन में यह बात आई कि क्यों न स्थायी तौर पर इसकी शुरूआत की जाए। इस मौके पर मंत्री बादल, विधायक इरफान अंसारी के अलावा विनय चौबे, अरुण कुमार समेत विभाग के कई पदाधिकारी मौजूद थे। झारखंड के प्रमुख शहरों में यह सेवा 24 घंटा उपलब्ध रहेगी। रांची, देवघर, दुमका, बोकारो, गिरिडीह जमशेदपुर सहित कई जिले शामिल हैं। एयर एंबुलेंस के लिए रांची से दिल्ली का किराया पांच लाख रुपये होगा। रांची से मुंबई जाने के लिए सात लाख रुपये देने होंगे। रांची से चेन्नई के लिए आठ लाख, रांची से कोलकाता के लिए तीन लाख खर्च करने पड़ेंगे। रांची से हैदराबाद के लिए सात लाख लगेंगे। रांची से बनारस जाने के लिए तीन लाख 30 हजार रुपये देने होंगे। रांची से लखनऊ के लिए पांच लाख रुपये लगेंगे जबकि रांची से तिरुपति के लिए आठ लाख रुपये देने होंगे। इसके अलावा देश के किसी दूसरे हिस्से के लिए एयर एंबुलेंस की सुविधा लेने पर प्रति घंटा एक लाख 10 हजार अतिरिक्त देना होगा। रांची में रांची के अलावा धनबाद, दुमका, देवघर, बोकारो, जमशेदपुर और गिरिडीह से यह सेवा मिलेगी।कंफर्म करने पर दो घंटे के भीतर एयर एंबुलेंस आपके लिए उड़ान भरने को तैयार रहेगा। इस सेवा में अच्छी बात यह है कि री-शेड्यूल करने की भी सुविधा मिलेगी। एयर एंबुलेंस में तमाम जरूरी उपकरणों के साथ चिकित्सक की भी सुविधा मिलेगी।

हाई कोर्ट में बीज घोटाला मामले में तत्कालीन कृषि निदेशक निस्तार मिंज की बहस पूरी

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट में शुक्रवार को 46.10 करोड़ के बीज घोटाला मामले में आरोपित तत्कालीन कृषि निदेशक निस्तार मिंज की क्रिमिनल रिवीजन की सुनवाई हुई। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से बहस पूरी हो गई है। अब एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की ओर से बहस होगी। हाई कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 30 जून निर्धारित की है। निस्तार मिंज ने एसीबी कोर्ट द्वारा उनके डिस्चार्ज पिटीशन को खारिज कर दिए जाने को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया है कि निस्तार के खिलाफ एसीबी थाना में दो एफआईआर दर्ज किया गया है, जिनमें एक एफआईआर वर्ष 2009 में बीज घोटाला एवं दूसरा एफआईआर वर्ष 2013 में खाद घोटाला में किया गया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि वर्ष 2013 में जो खाद घोटाला का मामला दर्ज किया गया था उसमें अभी तक आरोप पत्र भी दायर नहीं हुआ है और अनुसंधान जारी है। वर्ष 2013 के खाद घोटाला के मामले को बीज घोटाला के साथ मर्ज करते हुए उनके डिस्चार्ज पिटीशन पर सुनवाई हुई थी। बीज घोटाला के साथ खाद घोटाला के आरोपों को जोड़कर उनके डिस्चार्ज पिटीशन को एसीबी कोर्ट ने खारिज कर दिया था, जो अनुचित है। याचिकाकर्ता की ओर से पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता अजीत कुमार, वरीय अधिवक्ता राजीव सिन्हा और रोहित सिन्हा ने पैरवी की।

वोट चाहिए तो माननी होगी उम्मीदवारों को मतदाताओं की यह 8 शर्तें

कानपुर देहात, (हि.स.)। जनपद में निकाय चुनाव को लेकर सियासी अखाड़े में हर राजनैतिक दल अपने-अपने दांव लगाते दिख रहे हैं। वहीं इन राजनीति दलों के उम्मीदवारों से इस बार मतदाता ने वोट के बदले आठ शर्तें मानने की अपील कर दी है। जो प्रत्याशी इन आठ शर्तों पर खरा उतरेगा, उसी को यह मतदाता वोट देने वाले हैं। उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव को लेकर पार्टियों ने अपने सभी उम्मीदवार उतार दिए हैं, जनपद में दूसरे चरण में नौ मई को चुनाव होना है। जिसको लेकर उम्मीदवार कमर कसकर तैयारी करते नजर आ रहे हैं। सभी प्रत्याशी घर-घर जाकर वोट मांगने जा रहे हैं। ऐसे में एक मतदाता ने अपने घर के बाहर पोस्टर लगाकर उम्मीदवारों की धड़कनें बढ़ा दिया है। इस पोस्टर के अनुसार अब उम्मीदवार को शिक्षित होने के साथ-साथ राष्ट्रगान भी याद कर सुनाना पड़ेगा। दरअसल कानपुर देहात के अकबरपुर तहसील के रूरा कस्बे में रहने वाले शिक्षक नवीन दीक्षित ने उम्मीदवारों के लिए निकाय चुनाव में ताल ठोंकने से पहले लक्ष्मण रेखा खींच दी है। जिसे पार करने के बाद ही उम्मीदवार मतदाता से वोट पा सकेगा। उन्होंने अपने घर के बाहर पोस्टर लगाकर वोट मांगने वाले उम्मीदवारों के लिए 08 शर्तें रखी हैं।

बेगूसराय एफएम प्रसारण केंद्र का प्रधानमंत्री ने किया शुभारंभ

बेगूसराय, (हि.स.)। केन्द्र सरकार ने प्रगति के पथ पर अग्रसर बेगूसराय को एक और बड़ा तोहफा दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बेगूसराय एफएम केंद्र का शुभारंभ किया। केंद्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान डिजिटल रूप से जहां केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर उपस्थित थे। वहीं, बेगूसराय के प्रसार भारती प्रसारण केंद्र पर केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण बेगूसराय में भी किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एफएम के माध्यम से लोगों को सिर्फ मनोरंजन ही नहीं मिलेगी। खेती-किसानी एवं मौसम की जानकारी, आपदा की सूचना, सरकार की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने में भी एफएम की अहम भूमिका होगी होगी। आज यूवा गांव में रहकर डिजिटलिकरण का लाभ ले रहे हैं। इंटरनेट के कारण रेडियो पिछड़ा नहीं है, बल्कि और अधिक उभर कर सामने आया है। डिजिटल इंडिया ने नई सोच दी है, एफएम की ताकत फ्यूचर इंडिया में जाने की ताकत देती है। यह हमारी सरकार के काम करने के तरीकों का परिणाम है। किसी भी कनेक्टिविटी का उद्देश्य देश को जोड़ना है। संवाद देश को नई ताकत देगा।

प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद गिरिराज सिंह ने प्रसार भारती के डिडीजी बी.के. बोहरा, डीडीई आर.के. मिश्रा, एई आर.के. झा, कार्यक्रम पदाधिकारी जय किशोर नागर एवं विधायक कुंदन कुमार सहित अन्य की उपस्थिति में शिलापट्ट का अनावरण किया। इसके बाद एक सौ वाट के ट्रांसमीटर का बटन दबाकर प्रसारण का शुभारंभ किया। बेगूसराय के लोगों को अब सुबह छह बजे से रात 11 बजे तक 100.1 मेगा हर्टज पर एफएम प्रसारण सुविधा मिलने लगी। इस अवसर पर गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई क्रांति किए हैं। रूरल इकोनामी की क्रांति, बेगूसराय में ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से युवाओं को कनेक्टिविटी की क्रांति की है। आज एफएम की शुरूआत कर संचार क्रांति की गई है। यह क्रांति आने वाले दिनों में गरीबों की आवाज बनेगी, महिलाओं को दिशा देगी। एफएम नई दिशा देने का माध्यम होगा। आने वाले दिनों में लोकल फॉर वोकल को भी इसके माध्यम से नई गति मिलेगी। स्वयं सहायता समूह की महिलाएं अपने सामान की जानकारी, किसान और युवा उद्यमी अपने उत्पाद की जानकारी एफएम के माध्यम से दे सकेंगे, तो नई क्रांति होगी। एफएम सिर्फ मनोरंजन का चैनल नहीं, बल्कि बेगूसराय का लाइफ लाइन बनेगी।

डब्ल्यूएचओ ने गंभीर विषयों पर आयोजित किया विशेष कार्यशाला

बेगूसराय, (हि.स.)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा कोविड-19 से सीख का एकीकरण, प्रतिरक्षण के बाद प्रतिकूल घटना, बुखार, एएफपी और डीपीटी निगरानी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। अयोध्या शिवकुमारी आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय में शुक्रवार को आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. गोपाल मिश्रा, डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ. गीतिका शंकर एवं प्राचार्य डॉ. श्रीनिवास त्रिपाठी दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में महाविद्यालय के चिकित्सक, प्राध्यापक एवं मेडिकल छात्र सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। जिसमें आरआई सुदृढ़ीकरण, प्रतिरक्षण के बाद प्रतिकूल घटना, एफआर, एएफपी और डीपीटी निगरानी योजना के साथ कोविड-19 से सीख का एकीकरण विषय पर चर्चा किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन ने कोविड-19 की वर्तमान स्थिति के संबंध में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि जिले में कोविड के पॉजिटिव रोगियों के संख्या में वृद्धि हो रही है। इसलिए आवश्यक है कि पुनः कोविड संबंधित नियमों का पालन किया जाए। प्रतिरक्षण पदाधिकारी ने नियमित टीकाकरण में देश, राज्य एवं जिले की स्थिति तथा एईएफ आई सर्विलांस के संबंध में बताया। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार एमआर उन्मूलन का लक्ष्य दिसम्बर-2023 रखा गया है।

सामाजिक परिवर्तन और देश में बदलाव ला रहा है प्रधानमंत्री के मन की बात : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि मन की बात सामाजिक परिवर्तन में बहुत बड़ा योगदान दे रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनता के मन की बातों को जनता के बीच रख रहे हैं। शुक्रवार को बेगूसराय में हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत के दौरान गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात से इतने बड़े परिवर्तन आए, जिसका पता लगाना कठिन है। इससे ग्रामीण महिलाओं में बदलाव आया, बच्चों में इनोवेशन सहित कई बड़े चीज सामने आए। लेकिन यह बदलाव कुछ लोगों के समझ में नहीं आता है। विपक्ष के लोगों और गैर भाजपाई को लगता है कि यह बेकार की बात है। जबकि, प्रधानमंत्री के मन की बात भारत में एक बदलाव की बात है। यह एक ऐसा माध्यम है, जिससे वाइब्रेशन आता है। 2020 में जब पूरी दुनिया कोरोना से कराह रही थी तो ऐसे में प्रधानमंत्री के मन की बात ने देशवासियों को जागरूक किया। पहली बार लोगों ने जनता कर्फ्यू का नाम सुना और घरों में बंद हो गए। मन की बात सामाजिक परिवर्तन में बड़ा योगदान दे रहा है। इसने युवाओं को प्रेरित किया, महिलाओं को अपना जीवन जीने के लिए, सशक्तिकरण की ओर बढ़ने को प्रेरित किया। बच्चों के परीक्षा में प्रेरणा दिया, मन की बात जीवन के हर सेक्टर को छू रहा है। यह केवल मन की बात नहीं है, बल्कि भारतीय के जीवन में परिवर्तन का नाम है। नरेन्द्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं जो देश के लोगों-ग्रामीणों से सीधा संवाद कर रहे हैं। जनता से जुड़कर, जनता की चीजों को समझकर, जनता के बीच रखना बहुत बड़ा कदम है। 30 अप्रैल को मन की बात का 100 वां एपिसोड होगा। यह एक ऐसा एपिसोड होगा जो भारत का इतिहास बनेगा। गिरिराज सिंह ने कहा कि आज तक कोई प्रधानमंत्री इतने बड़े फ्राउड से कनेक्ट नहीं हुए थे। एक साथ करोड़ों लोग प्रधानमंत्री को सुनेंगे। उनकी बात से प्रेरणा लेंगे, यह अपने आप में बड़ी बात होगी। बेगूसराय के भी सभी बूथ से जुड़े गांव के लोगों में इसको लेकर उत्साह है। हम भी इस इतिहास के बेगूसराय में ही साक्षी बनेंगे। कुछ लोग कहते हैं कि प्रधानमंत्री मन की बात में सिर्फ अपनी बात रखते हैं, जनता की बात नहीं करते हैं। उनकी हालत वही है जो रामचरितमानस में तुलसीदास ने लिखा है "जैसी जाकी रही भावना जैसी प्रभु मूरत देखी तिन तैसी।" "जिसके पैर फटे बिवाई वही जाने पीड़ पराई।" प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की बात सुनते हैं और गरीबों की बात करते हैं। राहुल गांधी और विपक्ष को उनके मन की बात समझ में नहीं आएगी। भारत में कांग्रेस ने जो दशकों में नहीं किया, उससे अधिक मोदी ने नौ साल में कर दिया। कांग्रेस ने 29 साल में सवा तीन करोड़ लोगों को आवास दिया और नरेन्द्र मोदी मात्र नौ साल में साढ़े तीन करोड़ से अधिक लोगों को आवास दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, आधारभूत संरचना, ग्रामीण विकास, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक विकास, विदेश नीति, सुरक्षा, स्वच्छता, वित्तीय समावेशन, कृषि सहित सभी क्षेत्र में ऐतिहासिक किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूल मंत्र पर चल रहे हैं और उनके मन की बात भी यही है।

संपादकीय

भारत सरकार बनी संकट मोचक

भारत से मीलों दूर दुनिया के अलग-अलग कोने में काम/अध्ययन कर रहे भारतीय नागरिकों के मन में यह विश्वास पक्का हो गया है कि जब भी वे मुसीबत में फसेंगे भारत सरकार उनको संकट मोचक बनकर बचा लेगी। अफ्रीकी देश सूडान में सेना और विशेष सुरक्षा बल की आपसी लड़ाई के कारण बनी गृहयुद्ध की स्थितियों ने वहाँ नागरिक समाज के सामने बड़ा संकट उत्पन्न कर दिया। लगातार बिगड़ती स्थितियों को देखकर अनेक देशों ने अपने दूतावास खाली कर दिए। ऐसी विषम परिस्थितियों में भारत सरकार ने एक बार फिर संकट मोचक का रूप धरकर सूडान में फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए ऑपरेशन कावेरी शुरू किया। हालात इतने जटिल थे कि पर्याप्त जमीनी तैयारी के बिना वहाँ से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने का अभियान शुरू नहीं किया जा सकता था। इसलिए जहां विदेश मंत्रालय सभी संबंधित पक्षों से बातचीत कर यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा था कि भारत सरकार के ऐसे किसी ऑपरेशन को नुकसान न पहुंचाया जाए, वहीं सूडान में फंसे भारतीयों से संपर्क कर उनके हालात की जानकारी लेते हुए उन्हें उचित सलाह भी दी जा रही थी। भली प्रकार तालमेल बैठाने के बाद भारत सरकार ने वहाँ से अपने लोगों को निकालना शुरू कर दिया है। सूडान में फंसे कुल भारतीयों की संख्या लगभग 4000 बताई जा रही है। उम्मीद है कि सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित अपने देश लेकर आया जा सकेगा। ध्यान रहे, संकट के ऐसे मौकों पर भारतीयों को सुरक्षित निकालने का भारत सरकार का पुराना कीर्तिमान रहा है। पहले खाड़ी युद्ध (1990-91) के दौरान एयर इंडिया के विमानों के जरिए एक लाख साठ हजार लोग कुवैत से निकाले गए थे। हाल के वर्षों की बात करें तो यमन (2015), अफगानिस्तान (2021) और यूक्रेन (2022) के ऐसे अभियान भी खासे चर्चित रहे। बहरहाल, भारतीयों को सूडान से सुरक्षित निकालना समस्या का सिर्फ एक पहलू है। सूडान कई वजहों से हमारे लिए बहुत महत्व रखता है। वहां तेल क्षेत्र में भारत के महत्वपूर्ण आर्थिक हित हैं। वह भारत के लिए कच्चे तेल का प्रमुख प्रदाता भी है। ऐसे में अगर वहां जारी सत्ता संघर्ष जल्द काबू में नहीं आया तो यह देश लंबे समय की अस्थिरता में फंस सकता है, जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। प्रत्यक्ष आर्थिक हितों के अलावा भी सूडान की यह हिंसा भारत के हितों को प्रभावित कर सकती है। सूडान की सीमा इजिप्ट, इथियोपिया, लीबिया आदि देशों से लगती है। ये देश पहले से ही आंतरिक संघर्षों में उलझे हैं। ऐसे में इस पूरे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा हो सकती है, जो किसी के पक्ष में नहीं होगी। आवश्यक है कि समय रहते इस संघर्ष को रोकने के प्रयास तेज किए जाएं। भारत को इस दिशा में भी पहलकदमी करनी होगी। भारत पहले से ही अफ्रीकी देशों में शांति स्थापना के लिए प्रयासरत है। इसलिए भारत के पास पुराना अनुभव भी है। अपने लोगों को सुरक्षित निकालने के साथ ही यदि भारत सूडान में शांति स्थापित कराने में सफल होता है, तब उसकी धाक और बढ़ जाएगी।

> भारत सरकार ने एक बार फिर संकट मोचक का रूप धरकर सूडान में फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए ऑपरेशन कावेरी शुरू किया। हालात इतने जटिल थे कि पर्याप्त जमीनी तैयारी के बिना वहाँ से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने का अभियान शुरू नहीं किया जा सकता था। इसलिए जहां विदेश मंत्रालय सभी संबंधित पक्षों से बातचीत कर यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा था कि भारत सरकार के ऐसे किसी ऑपरेशन को नुकसान न पहुंचाया जाए, वहीं सूडान में फंसे भारतीयों से संपर्क कर उनके हालात की जानकारी लेते हुए उन्हें उचित सलाह भी दी जा रही थी। भली प्रकार तालमेल बैठाने के बाद भारत सरकार ने वहाँ से अपने लोगों को निकालना शुरू कर दिया है। सूडान में फंसे कुल भारतीयों की संख्या लगभग 4000 बताई जा रही है। उम्मीद है कि सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित अपने देश लेकर आया जा सकेगा। ध्यान रहे, संकट के ऐसे मौकों पर भारतीयों को सुरक्षित निकालने का भारत सरकार का पुराना कीर्तिमान रहा है। पहले खाड़ी युद्ध (1990-91) के दौरान एयर इंडिया के विमानों के जरिए एक लाख साठ हजार लोग कुवैत से निकाले गए थे। हाल के वर्षों की बात करें तो यमन (2015), अफगानिस्तान (2021) और यूक्रेन (2022) के ऐसे अभियान भी खासे चर्चित रहे। बहरहाल, भारतीयों को सूडान से सुरक्षित निकालना समस्या का सिर्फ एक पहलू है। सूडान कई वजहों से हमारे लिए बहुत महत्व रखता है।

सोनिया गान्धी ने उनके स्थान पर अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री बना दिया था

कांग्रेस का गहराता संकट

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> पार्टी ने अनुशासन में रहने के लिए कहा और अनुशासन में न रहने पर सख्ती की धमकियां भी दीं। लेकिन हाईकमान की ये धमकियां उन दिनों काम करती थीं जिन दिनों कांग्रेस के नेताओं को लगता था कि चुनाव में उनकी जीत सोनिया परिवार के कारण होती है लेकिन अब मामला उल्ट गया लगता है।अब अशोक गहलोत या सचिन पायलट को लगता है कि राजस्थान में जीत उनके कारण होती है। उनकी जीत के कारण सोनिया गांधी परिवार का भारत की राजनीति में रुतबा बढ़ता है। यदि पायलट या गहलोत जैसे लोग राज्यों में जीत जर्द नहीं करवा पाएंगे तो दिल्ली में सोनिया परिवार को कौन पूछेगा? सोनिया परिवार केवल इतना ही कर पाया कि उसने कर्नाटक चुनाव में स्टार प्रचारकों की सूची में सचिन पायलट का नाम शामिल नहीं किया।

सोनिया कांग्रेस का संकट थमने का नाम नहीं ले रहा। राजस्थान में सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनने की इच्छा पाल रहे हैं। राजनीति में यह कोई बुरी बात नहीं है। इतना ही नहीं सचिन यह भी मान कर चल रहे हैं कि पिछली बार राजस्थान में कांग्रेस उनके बलबूते ही सत्ता के आसन तक पहुंची है। लेकिन सोनिया गान्धी ने उनके स्थान पर अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री बना दिया था। सोनिया गान्धी परिवार में राहुल गान्धी व प्रियंका गान्धी सचिन के पक्ष में ही थे। लेकिन अशोक गहलोत ने उनकी एक नहीं चलने दी। अब विधानसभा के चुनाव फिर सिर पर आ रहे हैं। राहुल-प्रियंका गान्धी ने अशोक गहलोत को पार्टी अध्यक्ष का झुनझुना पकड़ाना चाहा ताकि सचिन को मुख्यमंत्री बना दिया जाए। लेकिन राजनीति के चतुर खिलाड़ी अशोक गहलोत ने ऐसा धोबी पटका मारा कि पूरी पार्टी की किरकिरी हो गई। अब लगता है सचिन पायलट ने निर्णय कर लिया है कि वे अपनी भविष्य की राजनीति के लिए राहुल-प्रियंका के समर्थन पर निर्भर नहीं रह सकते। वैसे भी उनके दूसरे युवा साथी सोनिया कांग्रेस का पल्ला छोड़ भारतीय जनता पार्टी में जा चुके हैं। शायद यही कारण है कि सचिन पायलट राजस्थान में अपनी ही पार्टी के खिलाफ धरना दे रहे हैं। पार्टी ने अनुशासन में रहने के लिए कहा और अनुशासन में न रहने पर सख्ती की धमकियां भी दीं। लेकिन हाईकमान की ये धमकियां उन दिनों काम करती थीं जिन दिनों कांग्रेस के नेताओं को लगता था कि चुनाव में उनकी जीत सोनिया परिवार के कारण होती है। लेकिन अब मामला उल्ट गया लगता है। अब अशोक गहलोत या सचिन पायलट को लगता है कि राजस्थान में जीत उनके कारण होती है। उनकी जीत के कारण सोनिया गान्धी परिवार का भारत की राजनीति में रुतबा बढ़ता है। यदि पायलट या गहलोत जैसे लोग राज्यों में जीत दर्ज नहीं करवा पाएंगे तो दिल्ली में सोनिया परिवार को कौन पूछेगा? सोनिया परिवार केवल इतना ही कर पाया कि उसने कर्नाटक चुनाव में स्टार प्रचारकों की सूची में सचिन पायलट का नाम शामिल नहीं किया। जाहिर है सचिन पायलट अपनी राजनीति राजस्थान में कर रहे हैं, उनको कर्नाटक जाने की कोई छटपटाहट नहीं हो रही होगी। लेकिन इससे ज्यादा सजा सोनिया परिवार सचिन पायलट को दे ही नहीं सकता। दूसरा किस्सा बिहार के

बाहुबली आनन्द मोहन का है। आजकल किस्से बाहुबलियों के ही चल रहे हैं, चाहे वह अतीक अहमद हो, मुख्तार अंसारी हो या फिर पंजाब की जेल में बन्द लारेंस बिश्नोई हो। लारेंस बिश्नोई की ख़ूबी यह है कि वह जेल में होने के बावजूद अपने वीडियो बना कर बाहुबली होने का प्रमाण देता रहता है। हर सरकार का बाहुबलियों से निपटने का अपना-अपना तरीका है। पंजाब सरकार का अपना है, उत्तर प्रदेश सरकार का अपना है। लेकिन तभी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लगा कि इस मामले में उनके शासन की छवि धूमिल होती जा रही है। उनके बाहुबली भी मैदान में आने चाहिए। लेकिन समस्या गहरी थी। एक बाहुबली शहाबुद्दीन की तो अरसे पहले जेल में ही मौत हो गई थी। छोटे मोटे बाहुबलियों से काम चलने वाला नहीं था। आखिर उत्तर प्रदेश का अतीक और मुख्तार अंसारी, पंजाब का लारेंस बिश्नोई तो बिहार का भी उसी पाए का होना चाहिए था। नीतीश कुमार सारे काम धंधे छोड़ कर इसी काम में लग गए। खोजबीन शुरू हुई तो पुराने साथियों की सूचियां निकाली गईं। अतीक अहमद लोकसभा का सदस्य तक रह चुका था। तो नीतीश कुमार जी का बाहुबली भी उसी पाए का होना चाहिए। सारे पैरामीटर चैक किए गए तो आनन्द मोहन नम्बर एक पर आया। उसने तो अपने साथियों समेत गोपालगंज के जिलाधीश की ही उसकी सरकारी गाड़ी से खींच कर सार्वजनिक रूप से हत्या कर दी थी। जिलाधीश अनुसूचित जाति के थे। युवा थे। उत्साह में रहते थे। वैसे यह भी कहा जाता है कि आनन्द मोहन मारना किसी दूसरे जिलाधीश को चाहते थे लेकिन पकड़ में चन्द्रशेखर आ गए। गवाह इत्यादि को पकडऩे पकड़ाने के बाद भी आनन्द मोहन को फांसी की सजा हो गई। साथ बीस पच्चीस चेले चपाटे भी थे। छोटे स्तर के गैंगस्टर। मामला उच्चतम न्यायालय तक गया। तो उच्चतम न्यायालय ने फांसी से आनन्द मोहन को बचा लिया, लेकिन चेलों चपाटों समेत आजीवन कारावास की सजा सुना दी। लेकिन राजनीतिज्ञों का काम बाहुबलियों के बिना चलता नहीं। अपनी अपनी जरूरतों का सवाल है। अब पंजाब में सिद्धू मूसेवाला के पिता जी सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं कि मेरे बेटे की हत्या फलां-फलां व्यक्ति ने करवाई है। उनका कहना है कि पंजाब सरकार असली हत्यारों को पकड़ नहीं रही, चेले चपाटों को हिरासत में लेकर कर्मकांड निपटा रही है। अब आम आदमी पार्टी की क्या विवशता है, यह तो भगवंत मान ही जानते होंगे। नीतीश बाबू भी पिछले कुछ अरसे से अपने बिहार प्रदेश के बाहुबली आनन्द मोहन को पुनः रण क्षेत्र में उतारने के काम में लगे हुए थे। लेकिन आनन्द मोहन जेल में हैं। कानून कहता है कि हत्या और बलात्कार जैसे जघन्य अपराध में आजीवन कारावास का अर्थ अन्तिम सांस तक जेल में ही रहना होता है। परन्तु बिहार को आनन्द कुमार की जरूरत बढ़ती जा रही थी। आनन्द कुमार के चेले चपाटे हल्ला मचा रहे थे कि नीतीश बाबू आनन्द कुमार को जेल से बाहर लाने के प्रयास नहीं कर रहे। नीतीश बाबू सार्वजनिक मंचों पर ऐलान कर रहे थे कि एक बार बाहुबली की पत्नी से पूछ लीजिए, मैं कितने प्रयास कर रहा हूं। अंत में नीतीश बाबू के प्रयास रंग लाए। उन्होंने जेल मैन्युअल में ही परिवर्तन कर दिया। नई व्याख्या के अनुसार हत्या और बलात्कार जैसे अपराध अब से जघन्य अपराध नहीं माने जाएंगे। इस प्रकार के अपराधी भी चौदह-पन्द्रह साल की जेल काट लेंगे तो उसे आजीवन कारावास ही मान लिया जाएगा। इस नई व्याख्या के अनुसार आनन्द मोहन जेल से बाहर आ गए। नीतीश बाबू की माया नीतीश बाबू ही जानें। आनन्द मोहन बाबू आप की योग्यता का पूरा लाभ जेल में नहीं उठाया जा सकता। आप की कर्मस्थली जेल के बाहर है। वैसे भी अतीक अहमद के चले जाने के बाद बहुत बड़ा शून्य आ गया था। शायद नीतीश बाबू ने बिहारी स्टाइल में उसी को भरने का प्रयास किया है। इस मामले में नीतीश बाबू के साथ कांग्रेस, लालू यादव व वामपंथी भी खड़े नजर आ रहे हैं। सवाल है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं।

नौकरी में आने के बाद भी खेल अनिवार्य हो

> खिलाड़ियों के त्याग व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल के महत्व को देखते हुए काफी सोच विचार के बाद केन्द्र व विभिन्न राज्यों की सरकारों ने खिलाड़ियों को अपने यहां विभिन्न विभागों में नौकरी के लिए आरक्षण देना शुरू किया है। हिमाचल प्रदेश में भी खेलों के लिए वह वातावरण ही नहीं बन पा रहा था जसिमें खिलाड़ियों को सही मंच मिल सके। सरकारी नौकरियों में खेल आरक्षण के बगैर हिमाचल से खिलाड़ियों को पलायन करना पड़ता था। इसलिए काफी लंबे संघर्ष के बाद हिमाचल प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए दो दशक पूर्व तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करवा कर राज्य में खेलों को लोकप्रिय बनाने में बहुत बड़ा काम किया है लालफीताशाही व विभागीय भाई-भतीजावाद के कारण आज जब खिलाड़ी को अपने खेल जीवन में नौकरी व आर्थिक सहायता की बहुत ज रूरत होती है, उस समय उसे नौकरी नहीं मिल पा रही है।

वरिष्ठ राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में पदक विजेता बनने के लिए दस वर्षों से भी अधिक समय तक खिलाड़ी को एकाग्रता से कठिन परिश्रम करना पड़ता है। इसलिए वह पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक व आर्थिक मोर्चे पर भी पीछे रह जाता है। खिलाडियों के त्याग व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल के महत्व को देखते हुए काफी सोच विचार के बाद केन्द्र व विभिन्न राज्यों की सरकारों ने खिलाडियों को अपने यहां विभिन्न विभागों में नौकरी के लिए आरक्षण देना शुरू किया है। हिमाचल प्रदेश में भी खेलों के लिए वह वातावरण ही नहीं बन पा रहा था जिसमें खिलाडियों को सही मंच मिल सके। सरकारी नौकरियों में खेल आरक्षण के बगैर हिमाचल से खिलाडियों को पलायन करना पड़ता था। इसलिए काफी लंबे संघर्ष के बाद हिमाचल प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए दो दशक पूर्व तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करवा कर राज्य में खेलों को लोकप्रिय बनाने में बहुत बड़ा काम किया है। लालफीताशाही व विभागीय भाई-भतीजावाद के कारण आज जब खिलाड़ी को अपने खेल जीवन में नौकरी व आर्थिक सहायता की बहुत जरूरत होती है, उस समय उसे नौकरी नहीं मिल पा रही है। इस विषय पर सरकार को ध्यान देना होगा। दो दशक पहले सरकारी नौकरियों में एक प्रतिशत आरक्षण तो था मगर उसे मंत्रिमंडल की मंजूरी से उसे ही दिया जाता था जिसकी पहुंच बहुत ऊपर तक होती थी। रोस्टर में पद का प्रावधान नहीं होने के कारण पद में भर्ती होते समय काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। सरकारी नौकरियों के आरक्षण में सभी तृतीय श्रेणी या उससे निचली श्रेणी के लिए रोस्टर में प्रावधान किया है तथा प्रथम व दूसरे दर्जे के पदों को ओलंपिक, राष्ट्रमंडल व एशियाड में पदक विजेताओं को मंत्रिमंडल की अनुमति से भरने का प्रावधान रखा है। इसलिए प्रथम श्रेणी के पद पर ओलंपियन रजत पदक विजेता शूटर विजय कुमार, एशियाड में स्वर्ण पदक विजेता कबड्डी टीम के सदस्य अजय ठाकुर व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी सुषमा वर्मा को हिमाचल प्रदेश पुलिस में मंत्रिमंडल की सहमति से सीधे डीएसपी भर्ती किया है। खेल विभाग में भी राष्ट्रीय खेलों के मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक विजेता व अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी प्रशिक्षक अनुराग को भी मंत्रिमंडल की शिफारिश पर जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी के प्रथम श्रेणी पद पर पदोन्नत किया है। पदमश्री अजय ठाकुर व ओलंपिक पदक विजेता शूटर विजय कुमार भी खेल आरक्षण से हिमाचल पुलिस में डीएसपी हैं। खिलाडियों का वर्गीकरण करने के लिए ओलंपिक के पदक विजेताओं को कैटेगरी एक तथा एशियाड व राष्ट्रमंडल खेलों के पदकधारियों को कैटेगरी दो में रखा गया। वरिष्ठ राष्ट्रीय खेलों के पदक विजेताओं को कैटेगरी तीन में स्थान दिया गया। कैटेगरी चार में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय, स्कूली व कनिष्ठ राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के पदक विजेताओं के साथ-साथ भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित पायका व अंडर 25 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के पदकधारियों को भी इसमें शामिल किया गया। कैटेगरी चार में ही वरिष्ठ राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में तीन बार प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाडियों को भी इसमें शामिल किया गया है। कैटेगरी तीन तक के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को सरकारी नौकरियों में भर्ती के समय किसी भी प्रवेश परीक्षा या साक्षात्कार से छूट है। विभाग रोस्टर में आये पदों को सीधे खेल विभाग में बने खेल आरक्षण सैल को भेजता है। खेल विभाग का आरक्षण सैल की कमेटी खिलाडियों की वरिष्ठता सूची तय करती है और फिर इस सूची को वापिस उसके विभाग को भेजा जाता है। कैटेगरी चार के खिलाडियों को कमीशन या विभाग द्वारा ली गई भर्ती परीक्षा में पास अंक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी प्रतिभागियों की सूची को खेल विभाग के आरक्षण सैल को भेज कर खेल प्रदर्शन के आधार पर वरिष्ठता तय की जाती है। पिछले सालों में हुई पटवारी भर्ती में भी इस तरह की हेराफेरी हुई थी और कुल्लू व कांगड़ा जिलों के कुछ प्रतिभागियों को उच्च न्यायालय के माध्यम से अपनी सीट को प्राप्त करना पड़ा था। कुछ विभाग स्वयं ही जिला स्तर पर भर्ती प्रक्रिया पूरी करवाते हैं। जब मैदान व लिखित छंटनी परीक्षा के लिए भर्ती चयन बोर्ड बना है तो फिर राजस्व विभाग सहित कई अन्य विभाग क्यों इस भर्ती प्रक्रिया को स्वयं कराने में इच्छुक हैं? अगर विभाग स्वयं भर्ती प्रक्रिया संपन्न करवाते तो फिर खेल आरक्षित सीटों को खेल विभाग को क्यों नहीं भेजते। पुलिस व वन विभाग भी सिपाही व वन रक्षक की भर्ती में मैदान परीक्षा भी होने के कारण स्वयं कराते हैं मगर ये विभाग खेल आरक्षण की सीटों की मैरिट बनाने के लिए खेल विभाग से सहायता लेने के लिए उपयुक्त नाम मांगते हैं। राजस्व विभाग को चाहिए था कि वह खेल कोटे के सभी पास प्रतिभागियों की सूची मैरिट तय करने के लिए खेल विभाग को भेजते जैसा सभी विभाग करते हैं। राजस्व विभाग लिखित परीक्षा में सब से अधिक अंक प्राप्त खिलाड़ी प्रतिभागी को सीट दे देता है, यह भी नहीं जानता कि वह खिलाड़ी कोटे की शर्तों को पूरा करता भी है कि नहीं। खेल आरक्षण के नियमानुसार किसी भी भर्ती के लिए न्यूनतम योग्यता प्राप्त करने के बाद अंतिम मैरिट में खेलों में उच्च प्रदर्शन करने वाले को पहले स्थान मिलेगा चाहे वह लिखित परीक्षा में सब से पीछे हो। यानी खेल कोटा उन्हें मिलेगा जिन की खेलों में योग्यता क्रम में सब से ऊपर होगी और यह तय खेल विभाग करेगा न कि कोई अन्य विभाग। लिपिक व पंचायत सचिव के हजारों पद पिछले कुछ सालों में भरे गये हैं। इन के खेल आरक्षित पदों पर भी काफी अनियमितता हुई है। वर्तमान सरकार हजारों पद शिक्षा व अन्य विभागों में अस्थायी रूप से भरने जा रही है। वहां भी रोस्टर के अनुसार खेल आरक्षण लागू हो। हिमाचल प्रदेश के कुछ टीम स्पर्धाओं के खिलाडियों ने एशियन, राष्ट्रमण्डल व विश्व प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, मगर उन्हें आज तक खेल आरक्षण से महरूम रखा है। इन खिलाडियों को राष्ट्रीय विजेता के समकक्ष मान कर खेल आरक्षण देना चाहिए। चतुर्थ श्रेणी के पदों को कब और कैसे भरा जाता है और यहां खेल आरक्षण किसे मिला इस का ब्यौरा भी नहीं है। युवा सेवाएं एवं खेल विभाग पंजीकृत पात्र खिलाडियों को उन का जायज हक दे। हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी को उनके खिलाड़ी जीवन में ही सरकारी नौकरी में आरक्षण दे ताकि वह हिमाचल में रह कर अपना प्रशिक्षण प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश की टीम से कम से कम अगले पांच वर्षों तक अनिवार्य रूप से खेले।

देश दुनीया से

अरविंद केजरीवाल के शीश महल पर नहीं बल्कि उनके वादों पर गंभीर सवाल उठे हैं

> इंडिया अगेंस्ट करप्शन के नेता अरविंद केजरीवाल के तेवर देखकर आम आदमी को लगा था कि भ्रष्टाचार अब तेरी खैर नहीं। अरविंद केजरीवाल ने जब कई बड़े नेताओं पर करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार का आरोप लगा कर जंतर मंतर पर उनकी फोटो वाला बैनर लगाया था तब जनता को लगा था कि बस यही एक ईमानदार नेता हैं जसिकी देश को जरूरत है। केजरीवाल ने ज ब जनता के टैक्स से भरने वाले सरकारी खजाने से नेताओं की ऐशो आराम की जदिगी पर सवाल उठाये थे तब देश को लगा था कि यह व्यक्ति सचमुच क्रांति ला देगा। इसलिए आम आदमी पार्टी को उसके पहले ही प्रयास में जनता ने दिल्ली की सत्ता तक पहुँचा दिया। लेकिन राजनीति को बदलने के नाम पर राजनीति में आये अरविंद केजरीवाल को जल्द ही राजनीति ने बदल दिया और अपने तौर तरीकों में ढाल लिया।

आंदोलन से उपजी आम आदमी पार्टी ने देश को ईमानदार राजनीति का सपना दिखाया था। आंदोलन से उपजी आम आदमी पार्टी ने देश की राजनीतिक व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन लाने का वादा कर देश में एक नया विश्वास जगाया था। इंडिया अगेंस्ट करप्शन के नेता अरविंद केजरीवाल के तेवर देखकर आम आदमी को लगा था कि भ्रष्टाचार अब तेरी खैर नहीं। अरविंद केजरीवाल ने जब कई बड़े नेताओं पर करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार का आरोप लगा कर जंतर मंतर पर उनकी फोटो वाला बैनर लगाया था तब जनता को लगा था कि बस यही एक ईमानदार नेता हैं जिसकी देश को जरूरत है। केजरीवाल ने जब जनता के टैक्स से भरने वाले सरकारी खजाने से नेताओं की ऐशो आराम की जिंदगी पर सवाल उठाये थे तब देश को लगा था कि यह व्यक्ति सचमुच क्रांति ला देगा। इसलिए आम आदमी पार्टी को उसके पहले ही प्रयास में जनता ने दिल्ली की सत्ता तक पहुँचा दिया। लेकिन राजनीति को बदलने के नाम पर राजनीति में आये अरविंद केजरीवाल को जल्द ही राजनीति ने बदल दिया और अपने तौर तरीकों में ढाल लिया। सत्ता मिलते ही केजरीवाल ने सबसे पहले तो उन नेताओं से गलतबयानी के लिए माफी मांगी जिन पर उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोप लगाये थे। उसके बाद उन्होंने अपना जो रूप दिखाया वह देखकर तो पुराने से पुराना राजनीतिज्ञ भी चौंक गया। वैगन आर जैसी सामान्य कार में चलने वाले केजरीवाल के काफिले में महंगी महंगी गाड़ियां शुमार हो गयीं, सरकारी बंगला और सरकारी सुरक्षा नहीं लेने की बात कह कर राजनीति में आये केजरीवाल ने सरकारी बंगला भी लिया और उसकी साज सज्जा पर 45 करोड़ रुपए खर्च कर नया रिकॉर्ड भी बना दिया। केजरीवाल की सुरक्षा वैसे तो दिल्ली पुलिस करती है लेकिन बताया जाता है कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद से पंजाब के पुलिसकर्मी भी केजरीवाल की सुरक्षा में तैनात किये गये हैं। केजरीवाल आज चुनाव प्रचार के लिए चार्टर्ड प्लेन से जाते हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी लड़ाई का आलम यह है कि उनके सबसे करीबी नेता और उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया शराब घोटाला मामले में जेल में हैं तो उनकी सरकार में मंत्री रहे सत्येंद्र जैन मनी लांड्रिंग मामले में साल भर से जेल में हैं। इसके अलावा केजरीवाल आज उन नेताओं से हाथ मिलाने और गठबंधन के लिए बात चलाने से भी गुरेज नहीं करते जिन पर कभी वह महाभ्रष्टाचारी होने के आरोप लगाया करते थे। जहां तक केजरीवाल के बंगले पर 45 करोड़ रुपए सिर्फ साज सज्जा पर खर्च होने की बात है तो इसको आम आदमी पार्टी अन्य मुख्यमंत्रियों की ओर से किये जाने वाले खर्च से बेहद कम बता रही है। लेकिन यहां सवाल किसी से ज्यादा खर्च करने या कम खर्च करने का नहीं है। यहां सवाल वादाखिलाफी का है। किसी अन्य मुख्यमंत्री ने कभी नहीं कहा था कि हम सरकारी सुविधा नहीं लेंगे। ऐसा कहने वाले सिर्फ केजरीवाल ही थे इसलिए उनसे प्रश्न पूछा ही जायेगा। दूसरा सवाल यह भी बनता है कि इतनी भारी भरकम राशि उस कोरोना काल में कैसे खर्च कर दी गयी जिस दौरान सभी अनावश्यक खर्चों पर रोक लगी हुई थी? उस समय एक तरफ दिल्ली की सरकार कोरोना काल में प्रवासी मजदूरों को भोजन और आश्रय सुविधा देने में नाकाम साबित हो रही थी और उनको दिल्ली की सीमाओं पर छोड़ दे रही थी तो वहीं केजरीवाल के बंगले की साज-सज्जा पर करोड़ों रुपए खर्च किये जा रहे थे।

कुछ अलग

शिमला चुनाव में स्मार्ट सिटी

राजनीतिक घोषणाओं के लबादे में शिमला नगर निगम चुनाव अपनी रूह से जो सवाल पूछ रहा है, उसमें सबसे अहम स्मार्ट सिटी परियोजना की बर्बादी है। जून महीने में परियोजना की समाप्ति के साथ यह भी दर्ज होगा कि हिमाचल ने शिमला और धर्मशाला को स्मार्ट सिटी का पहनावा तो नहीं दिया, अलबत्ता यह साबित कर दिया कि राज्य किस तरह के वित्तीय कुप्रबंधन का शिकार है। जाहिर तौर पर स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का लेखा-जोखा पिछली यानी भाजपा सरकार के डबल इंजन को फेल कर रहा है। एक ओर पिछले पांच साल में डबल इंजन सरकार की नारेबाजी हो रही थी और दूसरी ओर शहरी विकास के नाम पर नए नगर निगम बनाकर भी जयराम सरकार स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के साथ इंसाफ नहीं कर पाई। ऐसे में जेब में दो स्मार्ट सिटी डालकर भी हिमाचल कंगाल और बेसहारा न॰र आता है। शिमला की स्मार्ट सिटी परियोजना पर 2905 करोड़ व्यय होने थे, जबकि धर्मशाला के खाके में 2109 करोड़ के प्रोजेक्ट पूरे करने का लक्ष्य था। हिमाचल के लिए योजना बनाना और उसका कार्यान्वयन करना हमेशा से औकात के प्रश्न खड़े करता है, लिहाजा शिमला की स्मार्ट सिटी परियोजना को मात्र 706 करोड़ और धर्मशाला परियोजना को 631 करोड़ तक सीमित कर दिया गया है। इस तरह शिमला केवल 25 प्रतिशत और धर्मशाला लगभग 30 फीसदी परियोजनाओं को ही पूरा कर पाएंगे। ऐसे में कांग्रेस के लिए यह चुनावी मुद्दा बनता है, तो भाजपा के लिए जवाब देना इसलिए भी मुश्किल हो जाएगा, क्योंकि 2015 से शुरू हुए स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में आठ साल बाद भी शून्यता ही हासिल हो रही है। आश्चर्य यह कि जिस धन और लक्ष्य से इन शहरों ने पुनर्जन्म लेना था, वहीं सारा संकल्प कंक्रीट में धंस गया। नागरिकों को न तो जिंदगी में गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं हासिल हो रही हैं और न ही व्यय की ऐसी परिपाटी बनी जिससे पर्यटन और युवा रोजगार के लिए अधोसंरचना मुकम्मल हो पाती। बहरहाल कांग्रेस दोनों परियोजनाओं के करीब 6500 करोड़ की अनुमानित लागत पर हुई कतरब्यौंत तथा इस तरह सिमटी परियोजना दायरे पर भी अनियमितताओं को लेकर बड़े सवाल पूछ रही है। जाहिर है स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के कंकाल अब जनता को दिखाए जा रहे हैं। इस विषय में एक पूर्व आईएएस अधिकारी कैप्टन जितेंद्र मोहन पठानिया पहले ही धर्मशाला के संदर्भ में पूर्व सरकार के कार्यकाल में परियोजना कार्यान्वयन की काफी मिट्टी खोद चुके हैं। हैरानी यह है कि जिस योजना के तहत शिमला के धंसते रिज, ट्रैफिक जाम से बचते रैपिड ट्रांसपोर्ट नेटवर्क और पार्किंग जैसे सामान्य प्रश्नों का भी हल नहीं ढूंढा गया, उसने अपनी मुट्ठी में आई राशि का अन्यत्र भी सदुपयोग नहीं किया गया। न तो स्मार्ट सिटी परियोजनाएं राज्य सरकार से पोषित हुईं और न ही केंद्र से इनकी माकूल फंडिंग करवाई जा सकी। पचास-पचास फीसदी की भागीदारी में उलझी राज्य सरकार ने सीमित अंशदान करके इन परियोजनाओं को मृत्यु शैया पर डाला और अंततः जून महीने में इनकी इतिश्री करते हुए प्रदेश सिर्फ कुछ कंक्रीट के पहाड़ और जोड़ लेगा। यह डबल इंजन सरकारों का मॉडल के रूप में याद किया जाए या चुनाव के घडियाली आंसू ऐसे मुद्दों को नजरअंदाज होने से बचा लेंगे।

नागरिक बोध

मनरेगा से ग्रामीण क्षेत्र के लोगो का आजीविका का मुख्य साधन और गरीब बेरोजगारी में कमी

केंद्र सरकार की और से महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रो में रोजगार उपलब्ध हो रहा है। 2006 में इस योजना की शुरुआत होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों लोगो को रोजगार दिया जा रहा है। इस योजना में महिलाओं को विशेषतौर पर फायदा पहुंचा है। वर्तमान समय मे मनरेगा कार्य पुरजोर चल रहा है। सौ दिनों की गारंटीकृत मजदूरी प्रदान करने से गांवो में खासकर महिलाओं के हाथ खाली नही रहते है। पुरुषप्रधान समाज मे पुरुषों के पास कमाई के स्त्रोत होने से पुरुष की मर्जी के आधार पर आदान प्रदान होता था। शुरुआती दौर में रोजगार गारंटी में मजदूरी के पैसे पंचायत के पास आते थे। जिसका कोई मतलब नही था।मजदूरी की पगार भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती थी।लेकिन अब बैंक खातों में पैसे जमा होते है। इसलिए मजदूरी के पैसे खाते में ट्रांसफर होते है। अब भ्रष्टाचार की कोई बात नही है। सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत अब तक करोड़ो लोगो को रोजगार दे चुकी है। दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजना है। मनरेगा के उधेश्य वर्ष में कमसे कम सौ दिन का रोजगार उपलब्ध कराना है। सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत चालीस करोड़ की अतिरिक्त राशि आवंटित की थी। इस योजना में देश मे ग्रामीण क्षेत्र के लोगो की आज भी रोजगार मिल रहा है।इस योजना में बजट में वृद्धि की गई है। ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को रोजगार के जरिये लोगो की आजीविका चलाने में सरकार मदद कर रही है। समाज के कमजोर वर्ग को भी सुनिश्चित कर रोजगार उपलब्ध कराना है इस योजना में मुख्यरूप से राजस्थान छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में लाखों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है भारत के पंचायतीराज राज को मजबूत करने में अहम भूमिका है। दुनिया की सबसे बड़ी कल्याण योजना है।इसमें 3.14लाख करोड़ रुपए खर्च किया का चुका है।यह पूरे भारत मे 593 जिलों में कार्यरत है। इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रो के लोगो के चुल्ला जलता है। यह छोटे और गरीब परिवार के लिए सशक्त माध्यम है। मनरेगा रोजीरोटी प्रदान करने का माध्यम बन गया है। ग्रामीण क्षेत्रो में महिलाएं भी बेरोजगारी की पीड़ा से दूर होकर आजीविका के लिए सुंदर जरिया है पंचायत में विकास कार्य और पंचायती राज संस्था को मजबूत करने में अहम रहा है। ग्रामीण क्षेत्र और खासकर पंचायत में श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। जिससे दूसरे शहरों में पलायन में बड़ी कमी आई है। यह रोजगार का जरिया है। मनरेगा शुरू होने के बाद ग्रामीण बेरोजगारी दूर हुई है। इसमें देश मे हजारो करोड़ रुपये मजदूरी के रूप में अदा किए जा चुके है। यह गरीब परिवार के लिए सशक्त माध्यम है।

अमेरिका में निराशा गहराई, खुदकुशी की योजना बनाने वाली लड़कियों की बढ़ी तादाद

वॉशिंगटन।

अमेरिकी समाज में फैलती निराशा के कारण कम उम्र लड़कियों में आत्म-हत्या की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। यह जानकारी अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने अपने एक सर्वे के आधार पर दी है। इसके मुताबिक 2021 में उन किशोर उम्र लड़कियों की संख्या में काफी इजाफा हुआ, जिन्होंने या तो खुदकुशी करने के बारे में सोचा या सचमुच इसका प्रयास किया।

सीडीसी ने ध्यान दिलाया है कि 2021 में कोरोना महामारी का काफी असर था, जिसका नौजवानों की दिमागी सेहत पर बहुत खराब प्रभाव पड़ा। लेकिन जानकारों ने इसी सर्वे से सामने आए आंकड़ों के आधार पर ध्यान दिलाया है कि महामारी के पहले भी आत्म-हत्या के बारे में सोचने या उसका प्रयास करने वाली लड़कियों की संख्या काफी ऊंची थी।

सीडीसी के यूथ रिस्क बिहेवियर सर्वे के तहत पाया गया कि नौवीं से 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली 30 फीसदी छात्राओं ने 2021 में आत्म-हत्या करने के बारे में गंभीरता सोचा। 2019 में हुए इसी सर्वे में यह आंकड़ा 24.1 फीसदी था। जिन छात्राओं ने खुदकुशी की योजना बनाई, उनकी संख्या 2019 में 19.9 फीसदी थी, जो दो साल बाद 23.6 फीसदी हो गई। जिन छात्राओं ने सचमुच खुदकुशी की कोशिश की, उनकी संख्या 11 से बढ़ कर 13.2 फीसदी हो गई।

सीडीसी हर दो साल पर एक सर्वे करता है, जिनमें नौजवानों से उनकी यौन गतिविधि, मादक पदार्थ सेवन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। 2021 में उसने अपने इस सर्वे का दायरा बढ़ाया। 2019 में जहां इस सर्वे में 13,677 छात्रों को शामिल किया गया था, वहीं 2021 में 17,232 छात्रों को इसमें शामिल किया गया।

इस सर्वे से सामने आए आंकड़ों को विस्तार से प्रकाशित किया है। इससे सामने आया है कि 2021 में आम तौर पर युवाओं की मानसिक सेहत बिगड़ी। सर्वे के दौरान 30 फीसदी छात्रों ने कहा कि उनकी दिमागी सेहत खराब है। 40 फीसदी से ज्यादा छात्रों ने कहा कि बीते एक साल से वे लगातार उदासी और निराशा महसूस करते रहे हैं।

छात्रों से एक सवाल यह भी पूछा गया था कि क्या पिछले 12 महीनों में उन्होंने कभी खुदकुशी करने के बारे में गंभीरता से सोचा या इसकी योजना बनाई। साथ ही यह भी पूछा गया कि बीते 12 महीनों में उन्होंने कितनी बार आत्म-हत्या के प्रयास किए। यह सवाल भी उनके सामने रखा गया कि क्या इस कोशिश में उन्हें कोई चोट आई या अधिक जहरीली चीज खा लेने के कारण उन्हें इलाज करवाने की जरूरत पड़ी। शोधकर्ताओं ने कहा है कि इस सर्वे से जो नतीजे सामने आए, उनके मुताबिक आत्म-हत्या के बारे में सोचने वाले पुरुष छात्रों की संख्या 2019 और 2021 में लगभग समान रही। लेकिन महिला छात्रों की संख्या में काफी इजाफा देखने को मिला। आत्महत्या की वास्तविक कोशिश करने वाली ऐसी छात्राओं की संख्या भी बढ़ी, जिन्हें इस कोशिश के दौरान पहुंची क्षति के कारण इलाज करवाना पड़ा। आत्महत्या करने के बारे में सोचने वाली सबसे ज्यादा छात्राएं नौ से 11 साल उम्र वर्ग की थीं।

न्यूज ब्रीफ

मेरी बेटी ने बनाया प्रधानमंत्री', दामाद सुनक के पीएम बनने को लेकर सुधा मूर्ति ने कही बड़ी बात

लंदन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक अक्सर चर्चा में बने रहते हैं। अब एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बताया गया है कि उनके पीएम बनने के पीछे कौन हैं। असल में, वीडियो ब्रिटिश प्रधानमंत्री की सास और दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति की पत्नी सुधा मूर्ति का है। इसमें उन्होंने दावा किया है कि उनकी बेटी की वजह से ऋषि सुनक ब्रिटेन के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बने हैं। इंस्टाग्राम पर वायरल वीडियो में सुधा ने कहा कि मैंने अपने पति को बिजनेसमैन बनाया। वहीं मेरी बेटी अक्षता ने अपने पति को ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनाया। इसका कारण पत्नी की महिमा है। उन्होंने कहा कि देखिए कैसे एक पत्नी पति को बदल सकती है, लेकिन मैं अपने पति को नहीं बदल सकी। मैंने अपने पति को बिजनेसमैन बनाया और मेरी बेटी ने अपने पति को प्रधानमंत्री बनाया। सुधा ने यह भी बताया कि अक्षता और सुनक किस तरह से एक दूसरे का ध्यान रखते हैं। उन्होंने कहा कि अक्षता हमेशा सुनक के खाने को लेकर चितिंत रहती है। वहीं सुनक हमारी परंपराओं को लेकर खासा ध्यान रखते हैं। उन्होंने कहा कि मूर्ति परिवार में लंबे समय से प्रत्येक व्रत रखने की परंपरा रही है। सुनक शुरुआत से ही इंग्लैंड में रह रहे हैं, लेकिन वे बहुत धार्मिक हैं। उन्होंने मेरी बेटी से शादी की और वह भी मूर्ति परिवार की परंपरा का ध्यान रखते हैं। वह शादी के बाद से ही व्रत रख रह हैं। जबकि उनकी मां हर व्रत रखती है। ऋषि सुनक की शुरुआती पढ़ाई इंग्लैंड के विनचेस्टर कॉलेज से हुई है। उन्होंने आगे की पढ़ाई ऑक्सफोर्ड से की है। 2006 में उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से एमबीए की डिग्री भी प्राप्त की।

रूस ने यूक्रेन पर एक दिन में दागीं 23 मिसाइलेंः 2 बच्चों समेत 13 की मौत, ये 2 महीनों में किया गया सबसे बड़ा अटैक

कीव। रूस ने यूक्रेन पर एक के बाद एक 23 मिसाइलों से हमला किया । इसमें अलग-अलग शहरों में 2 बच्चों समेत 13 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्टस के मुताबिक उमान शहर में 10 लोगों की मौत हुई। जबकि 9 लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। निप्रो में मिसाइल ने एक घर को चपेट में ले लिया जिससे एक 2 साल की बच्ची और उसकी मां की मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल हुए। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। यूक्रेन की राजधानी कीव और क्रेमेनचुक शहर में भी धमाके हुए हैं। जेलेंस्की ने बताया की रूसी मिसाइलों के हमले में 10 रहवासी इमारतें भी चपेट में आई हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि शैतानों को केवल हथियारों से रोका जा सकता है, रूस पर पाबंदियां बढ़ानी चाहिए। वहीं कीव शहर के मिलिट्री प्रशासन ने के मुताबिक पिछले 51 दिनों में यह यूक्रेन की राजधानी पर हुआ पहला हमला है। हमले में तबाह हुई इमारत में रहने वाले एक व्यक्ति ने रॉयटर्स को बताया कि हमला इतना तेज था कि आसपास सब कुछ हिलने लगा, फिर एकदम से धमाका हुआ।

शराब छुड़ाने के लिए चिपः चीन में पहली बार चिप इम्प्लांटेशन, 36 साल के शख्स की महज 5 मिनट में पूरी हुई सर्जरी

बीजिंग। चीन में शराब की लत से परेशान एक शख्स के शरीर में एक चिप इम्प्लांट की गई है। 36 साल के इस व्यक्ति का नाम लियू है। यह सर्जरी महज पांच मिनट में कम्प्लीट हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लियू चीन का पहला ऐसा शख्स है, जिसे इस तरह का स्पेशल चिप इम्प्लांट ट्रीटमेंट दिया गया है। इस सर्जरी का फायदा ये होगा कि अब लियू को शराब की तलब ही नहीं लगेगी। एक रिपोर्ट में इस सर्जरी की जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक यह सर्जरी 12 अप्रैल को की गई थी। इसकी जानकारी अब जारी की गई है। इसे हुनान राज्य के हाईटेक ब्रेन हॉस्पिटल में अंजाम दिया गया। खास बात ये है कि ये एक क्लिनिकल ट्रायल था। इसको लीड करने वाले डॉक्टर का नाम हाओ वीई है। दरअसल, हाओ के इंटरनेशनल नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के वाइस प्रेसिडेंट हैं और उन्होंने अपनी टीम के साथ इस अल्कोहल क्रेविंग चिप को बनाया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि यह चिप आखिर कैसे किसी शराबी की लत छुड़ाने में मददगार साबित होगी। इस चिप को ब्रेन में एक मामूली सर्जरी के द्वारा इम्प्लांट किया जाएगा, यानी लगाया जाएगा। इम्प्लांट के बाद चिप नेल्टैक्सोन नाम का केमिकल रिलीज करेगी।

ताइवान के पास से गुजरे चीन के 38 वॉर प्लेन

6 जहाजों से की निगरानी, ताइवान के दौरे पर आएंगी अमेरिका की डिफेंस कंपनियां

ताइपे।

चीन ने फिर से ताइवान को चारों ओर से घेरा है। इसकी जानकारी ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने दी। महीने के शुरुआत में की गई 3 दिनों की मिलिट्री ड्रिल के बाद चीन ने फिर से 6 जंगी जहाजों को ताइवान की निगरानी में लगाया। इसके बाद फाइटर जेट्स से ताइवान आईलैंड को चारों ओर से घेरा। रक्षा मंत्रालय ने चीन की इस हरकत को भड़काऊ बताया है। मिनिस्ट्री ने मैप के जरिए बताया है कि 19 एयरक्राफ्ट तो ताइवान के काफी नजदीक तक आ गए थे।

चीन ने इस बार ड्रोन को भी भेजा – ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने चीन के 9 विमानों की जानकारी दी हैं। जिन्होंने उसे चारों और से घेर लिया था। मंत्रालय ने बताया कि इन विमानों में 5 रूस से लिए गए सुखोई एस- 30 थे, 2 फोर्थ जेनरेशन वाले शेनयांग जे-16 एयरक्राफ्ट, इसके अलावा एक ड्रोन टीबी-001 भी शामिल था। चीन ये हरकतें उस घोषणा के बाद कर रहा है, जिसमें ताइवान ने बताया कि अमेरिका की कई डिफेंस कंपनियां वहां के दौरे पर आ रही हैं। इसमें अमेरिका की कंपनियां हथियारों डिफेंस के सामान को लेकर ताइवान की कंपनियों से चर्चा करेंगी। चीन ने इसे बेहद चिंता की बात कही है। चीन के डिफेंस मंत्रालय के प्रवक्ता टैन केफी ने कहा कि चीन अमेरिका की डिफेंस कंपनियों की इस विजिट को लेकर काफी चिंता में है।

अमेरिका अपने मुनाफे के लिए युद्ध का निर्यात करता है – चीन ने अमेरिका के मिलिट्री इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स को लेकर कहा कि ये दुनिया में हथियार बेचकर अपने मुनाफे के लिए युद्ध निर्यात करते हैं यानी ये हथियार बेचने के लिए युद्ध करवाते हैं। इन्हें ताइवान बुलाना भेड़ियों को अपने घर बुलाने जैसा है। ऐसा करने से ताइवान में खतरा बढ़ेगा। दरअसल, अमेरिका-ताइवान के मिलिट्री इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स के संबोधन की शुरुआत प्रशांत महासागर में अमेरिकी नेवी के कमांडर रह चुके स्टीवन रुडर करेंगे।

अमेरिका-चीन की ताइवान पर भिड़ने की वजह – अमेरिका ने 1979 में चीन के साथ रिश्ते बहाल किए और ताइवान के साथ अपने डिप्लोमेटिक रिश्ते तोड़ लिए। इसके बावजूद अमेरिका ताइवान को हथियारों की सप्लाई करता रहा है। चीन को इस पर ऐतराज है। अमेरिका भी दशकों से वन चाइना पॉलिसी का समर्थन करता है, लेकिन ताइवान के मुद्दे पर उसकी नीति नहीं है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फिलहाल इस पॉलिसी से बाहर जाते दिख रहे हैं। उन्होंने कई मौकों पर कहा है कि अगर ताइवान पर चीन हमला करता है तो अमेरिका उसके बचाव में उतरेगा। बाइडेन ने हथियारों की बिक्री जारी रखते हुए अमेरिकी अधिकारियों का ताइवान से मेल-जोल बढ़ा दिया।

चीन ने 3 दिन तक ताइवान के पास की थी वॉर ड्रिल – चीन ने 8 अप्रैल को ताइवान के फुजियान प्रांत के पिंगटन आईलैंड के पास 4 इलाकों में मिलिट्री ड्रिल शुरू की थी। तीन दिन की ड्रिल में कुल 172 चीनी फाइटर जेट्स ने उड़ान भरी थी। इस दौरान चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने लाइव गोला-बारूद का इस्तेमाल किया था। दरअसल चीन, ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन की अमेरिका के स्पीकर मैकार्थी से मुलाकात के बाद से भड़का हुआ था। चीन ने दो अमेरिकी संस्थाओं पर भी बैन लगा दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन्हीं दो संस्थाओं ने राष्ट्रपति साइ इंग वेन की अमेरिकी यात्रा की प्लानिंग की थी। इन संस्थाओं में कैलिफोर्निया की रोनाल्ड रीगन लाइब्रेरी भी शामिल है।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट में पेश होंगे इमरान खान, आठ मामलों में होगी सुनवाई

इस्लामाबाद । पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान आठ अलग-अलग मामलों की सुनवाई के लिए इस्लामाबाद की अदालत में पेश होंगे। इसकी जानकारी उन्होंने ट्वीट करके दी है। इस मामले को लेकर उन्होंने पाकिस्तान सरकार पर जमकर निशाना साधा। सुनवाई के बारे में ट्वीट करते हुए इमरान ने कहा कि कल मैं एक सबसे विचित्र प्राथमिकी पर इस्लामाबाद हाईकोर्ट के समक्ष उपस्थित होऊंगा, जो अब पुष्टि करता है कि हम वास्तव में जंगल के कानून के अधीन हैं। शक्तिशाली और जो लोग खुद को कानून से ऊपर देखते हैं, उन्होंने मेरे खिलाफ राजद्रोह के लिए एक प्राथमिकी दर्ज की थी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख 8 मामलों में संयुक्त सुनवाई के लिए इस्लामाबाद की अदालत में पेश होंगे। इमरान खान अपने जमां पार्क स्थित आवास से सुबह सात बजे इस्लामाबाद के लिए रवाना होंगे। स्थानीय न्यूज एजेंसी ने बताया कि पीटीआई नेता मुसरत जमशेद चीमा के अनुसार, इस्लामाबाद अदालत में पूर्व पीएम की उपस्थिति के दौरान बड़ी संख्या में पीटीआई कार्यकर्ता उनके साथ होंगे। इससे पहले दिन में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने पीटीआई प्रमुख से संघीय राजधानी में उनके खिलाफ दर्ज मामलों के लिए संबंधित मंचों से संपर्क करने को कहा था।

काठमांडू में कौतूहल बनी 'टेक्स्ट बुक फ्री फ्राइडे' योजना, बिना किताबों और बस्ते के स्कूल आएंगे बच्चे

काठमांडो ।

नेपाल की राजधानी काठमांडू में 'टेक्स्टबुक-फ्री फ्राइडे' का एक नया प्रयोग शुरू किया गया है। शहर के सभी स्कूलों को इस योजना पर अमल करने का निर्देश दिया गया है। फिलहाल, शहर के 89 में से 56 कम्युनिटी स्कूलों में यह प्रयोग शुरू किया गया है। इसके तहत बच्चों को बिना किताबों और स्कूली बस्ते के स्कूल आने को कहा जाएगा। उस दिन स्कूलों में जिंदगी के बुनियादी कौशल सिखाए जाएंगे और पाठ्यक्रम के बाहर की गतिविधियों में उनकी भागीदारी बनाई जाएगी। यह प्रयोग इसी से शुरू हो गया। कुछ शिक्षक और अभिभावक संगठनों ने इस पहल का स्वागत किया है। लेकिन शिक्षाशास्त्रियों ने कहा है कि योजना को बिना पूरा इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किए लागू किया जा रहा है। इसलिए आशंका है कि यह प्रचार का हथकंडा बन कर रह जाए। नगर प्रशासन ने इस प्रयोग के लिए दो करोड़ नेपाली रुपये का बजट मंजूर किया है। नगर प्रशासन के शिक्षा विभाग के प्रमुख सीताराम कोइराला ने यह जानकारी दी है।

इस प्रयोग के तहत नौवीं से 12वीं कक्षा के छात्रों को 10 टॉपिक्स पर अल्पकालिक कोर्स करने का मौका दिया जाएगा। इन टॉपिक्स में खेती, बागवानी, कॉस्मेटिक ट्रेनिंग, कारपेंटरी, नक्काशी, पाक कला, फैशन डिजाइन, वस्त्र सिलाई, इलेक्ट्रिक वायरिंग, आपदा तैयारी, मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स रिपेयर, प्लंम्बिंग, और मूर्ति कला शामिल हैं। कोइराला ने कहा- 'इनमें से हर कोर्स वैकल्पिक है। हर कोर्स की अवधि 90 दिन होगी।' उन्होंने बताया कि 90 कंपनियों ने छात्रों को ट्रेनिंग देने के लिए अर्जी दी है। प्रशासन उपयुक्त कंपनियों को चुनने के काम में जुटा हुआ है। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने कहा है कि ट्रेनिंग के लिए कार्यों को चुनते वक्त यह ध्यान रखा गया है कि ऐसे प्रशिक्षण से छात्र घरेलू जरूरतों को पूरा करने के योग्य बनें। उन्होंने कहा- 'प्राचीन गुरुकुल शिक्षा प्रणाली में ऐसे कौशल की ट्रेनिंग दी जाती थी। लेकिन हमने पश्चिमी शिक्षा को अपनाया और इस कारण हम कहीं नहीं पहुंच सके हैं।' आठवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए भी कई तरह की पाठ्यक्रम से बाहर की गतिविधियां शुरू करने की योजना है। इसके पीछे मकसद मानसिक और शारीरिक विकास होगा।

बाइडन के एलान के बाद ट्रंप का पहला चुनावी कार्यक्रम

वाशिंगटन।

अमेरिका में अगले साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में सभी उम्मीदवारों ने अपनी जीत को लेकर चुनावी रणनीति शुरू कर दी है। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर चुनाव लड़ने की तैयारी में जुट गए हैं। इस बीच ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि हम वापस नहीं आए तो अमेरिका अराजकता में उतर जाएगा। उन्होंने वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन पर भी हमला किया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अपने रास्ते से भटक गया है। अब देश को बचाने की जरूरत है। हालांकि, रिपब्लिकन नेता और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुनाव से पहले एक बार फिर वह मुसीबतों में फंसते नजर आ रहे हैं। पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स के बाद अब एक पूर्व अमेरिकी स्तंभकार ई. जीन कैरोल ने ट्रंप पर यौन शोषण और दुष्कर्म का आरोप लगाया है। ट्रंप के खिलाफ एक अन्य केस की सुनवाई के दौरान कैरोल ने दुष्कर्म की जानकारी दी। कैरोल ने कोर्ट को बताया कि ट्रंप ने मैनहट्टन में डिपार्टमेंट स्टोर के चेंजिंग रूम में उनके साथ दुष्कर्म किया था। उन्होंने बाद में अपमानजनक टिप्पणियों के साथ मेरा मजाक भी उड़ाया। कोर्ट में मौजूद कैरोल ने पहली बार 2019 में न्यूयॉर्क पत्रिका द्वारा प्रकाशित अपनी पुस्तक के एक अंश में आरोप लगाया था। नवंबर 2022 में न्यूयॉर्क में प्रभावी होने वाले एक नए कानून के बाद कैरोल ने एक नया मुकदमा दायर किया, जिसमें ट्रंप पर जबरन यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया।

ताकत को चुनना है

गौरतलब है, जो बाइडन ने हाल ही में फिर से राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की घोषणा की है। उनकी घोषणा के बाद ट्रंप ने पहली बार करीब 1500 समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि चुनाव अब ताकत या कमजोरी के बीच है। सफलता या विफलता, सुरक्षा या अराजकता, शांति या संघर्ष और समृद्धि या तबाही के बीच चुनाव करना है।

चीनी पीएम ने शहबाज शरीफ से की बात, चीन हर समय पाकिस्तान के साथ खड़ा रहेगा

इस्लामाबाद ।

चीन के प्रधानमंत्री ली किआंग ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से फोन पर बातचीत की है। उन्होंने वित्तीय संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को हर संभव मदद करने का भरोसा दिया। साथ ही उन्होंने पाक से उम्मीद जताई कि इस्लामाबाद देश में काम कर रहे चीनी संस्थानों और कर्मियों की सुरक्षा की गारंटी के लिए अनुकूल माहौल बनाना जारी रखेगा। चीनी पीएम ली ने चीन और पाकिस्तान को अच्छे पड़ोसी, दोस्त, साझेदार और भाई बताया। उन्होंने बातचीत के दौरान कहा कि दोनों पक्षों को उच्च स्तरीय बातचीत करते रहना चाहिए और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग में अधिक प्रगति को बढ़ावा देना चाहिए।

ने मार्च में प्रीमियर के रूप में पदभार ग्रहण किया था। उन्होंने कहा कि चीन वित्तीय स्थिरता बनाए रखने में पाकिस्तान का सपोर्ट करेगा और आशा करता है कि पाकिस्तान एक अनुकूल वातावरण बनाना जारी रखेगा ताकि पाकिस्तान में चीनी संस्थानों और कर्मियों की सुरक्षा की गारंटी दी

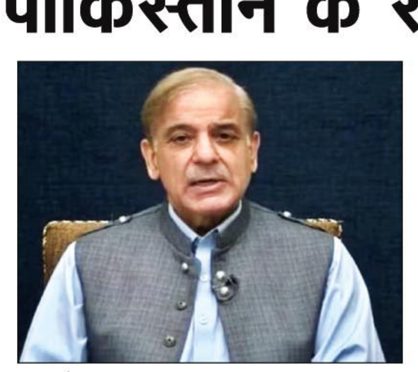

जा सके। वह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत पाकिस्तान में चीनी कर्मियों और परियोजनाओं पर लगातार आतंकी हमलों का जिक्र कर रहे थे। इस पर पाक पीएम शहबाज शरीफ ने आगे कहा कि पाकिस्तान में चीनी कर्मियों, संस्थानों और परियोजनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान हर संभव प्रयास करेगा। पीएम शरीफ ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा करने और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए चीन को उसके दृढ़ समर्थन और निस्वार्थ मदद के लिए धन्यवाद दिया। राजनीतिक और सैन्य समर्थन के अलावा, चीन ने पाकिस्तान को आर्थिक रूप से समर्थन दिया है, पहले के ऋणों को आगे बढ़ाया है और नए वित्तीय पैकेजों को मंजूरी दी है। ली ने पीएम शहबाज के सामने यह भी व्यक्त किया कि दोनों पक्षों को बहुपक्षीय क्षेत्र में एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए, अंतरराष्ट्रीय निष्पक्षता और न्याय को बनाए रखना चाहिए, दोनों देशों और अन्य विकासशील देशों के सामान्य हितों की रक्षा करनी चाहिए, क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा की रक्षा करनी चाहिए और समान विकास को बढ़ावा देना चाहिए। इस्लामाबाद में एक आधिकारिक बयान में कहा गया। पाकिस्तानी प्रधान मंत्री ने कहा कि सदाबहार भागीदारों और करीबी दोस्तों के रूप में, पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता के सकारात्मक कारक के रूप में चीन के शांतिपूर्ण विकास की सराहना की, और विश्वास है कि चीन आधुनिकीकरण और कायाकल्प की अपनी यात्रा पर मील के पत्थर हासिल करना जारी रखेगा।

डिफॉल्ट कर्ज वसूलने के बांग्लादेश के रिकॉर्ड से खुश नहीं है आईएमएफ

ढाका ।

बांग्लादेश में कर्ज डिफॉल्ट में लगातार हो रही बढ़ोतरी पर यहां के दौरे पर आए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की टीम ने चिंता जताई है। आईएमएफ ने पिछले वर्ष बांग्लादेश के लिए कर्ज मंजूर करते वक्त डिफॉल्ट कर्ज यानी तमाम नॉर परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) को वसूलने की शर्त लगाई थी। वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक इस मुद्दे पर प्रगति ना होने के कारण आईएमएफ की टीम खुश नहीं है। आईएमएफ की टीम ने वित्त विभाग के अधिकारियों से यहां बातचीत की है। वित्त मंत्रालय के राजकोषीय प्रभाग के सचिव शेख मोहम्मद सलीम उल्लाह से बातचीत के दौरान आईएमएफ की टीम ने इस बात पर निराशा जताई कि डिफॉल्ट कर्ज की वसूली की प्रक्रिया बहुत धीमी रही है। आईएमएफ ने इसके लिए जो लक्ष्य तय किए थे, उस लिहाज से बांग्लादेश सरकार का रिकॉर्ड बहुत कमजोर रहा है। बांग्लादेश के अधिकारियों ने आईएमएफ की टीम को

बताया कि डिफॉल्ट ऋण को वसूलने की मुहिम अब तेज की जा रही है। वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने आईएमएफ की टीम के सामने डिफॉल्ट कर्ज के बारे में पिछले तीन साल के आंकड़ों का प्रेजेंटेशन किया। इससे यह बात सामने आई कि इस दौरान हर वर्ष ऐसे कर्ज की मात्रा बढ़ती गई है। 2020 में यह 7.66 फीसदी था, जो 2022 के आखिर में 8.16 फीसदी तक पहुंच गया। विश्लेषकों के मुताबिक यह देश में आम लोगों और कारोबारियों की बढ़ती आर्थिक मुश्किलों का संकेत है। इन आंकड़ों को देखने के बाद आईएमएफ की टीम ने पूछा कि जब डिफॉल्ट कर्ज में बढ़ोतरी हो रही है, तो भविष्य में आखिर बांग्लादेश सरकार इसे किस तरह घटाएगी। इसके जवाब में अधिकारियों ने कहा- लक्ष्य हमेशा अधिक ऊंचे रखे जाते हैं, जिस वजह से उन्हें हासिल करना कठिन नजर आता है। लेकिन इसमें चिंतित होने की कोई बात नही है। भविष्य में लक्ष्य और बढ़ाया जाएगा, जिससे वसूली तेज होगी और डिफॉल्ट कर्ज की मात्रा में कमी आएगी। विश्लेषकों के मुताबिक आईएमएफ की टीम ने बांग्लादेश सरकार को उसके सामने मौजूद चुनौतियों से आगाह किया है। उसने साफ संकेत दिया है कि जिस आकलन के आधार पर बांग्लादेश को आईएमएफ ने ऋण दिया था, अगर सरकार का प्रदर्शन उसके अनुरूप नहीं रहा, तो बांग्लादेश के बारे में आईएमएफ अपने आकलन पर पुनर्विचार कर सकता है। आईएमएफ ने जहां श्रीलंका को काफी जद्दोजहद के बाद कर्ज दिया और पाकिस्तान को मंजूर कर्ज जारी करने के लिए अभी तक राजी नहीं हुआ है, वहीं बांग्लादेश को बहुत आसानी से ऋण मिल गया। ऐसा बांग्लादेश की पुरानी साख के कारण हुआ। लेकिन आईएमएफ के अधिकारी अब बांग्लादेश में बन रहे हालात से चिंतित हैं। बांग्लादेश सरकार के अधिकारी सार्वजनिक बयानों में आईएमएफ की टीम के इस दौरे को ज्यादा तवोज्जो नहीं दे रहे हैं। शेख मोहम्मद सलीम उल्लाह ने बांग्लादेश के से बातचीत में कहा कि आईएमएफ टीम का यह एक रूटीन दौरा था। जहां तक बांग्लादेश का सवाल है, तो उसने साल 2026 तक सभी डिफॉल्ट कर्जों की वसूली का वादा किया है।

पाकिस्तान में ट्रेन में आगः कराची एक्सप्रेस की बोगी में 4 बच्चों समेत 7 की मौत, आंकड़ा बढ़ने की आशंका

कराची। पाकिस्तान में एक बोगी में आग लग गई। इसमें 4 बच्चों समेत 7 लोगों की जलकर मौत हो गई। जबकि कुछ लोग घायल भी हुए है। पुलिस के मुताबिक घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, इनमें से कुछ की हालत बेहद गंभीर है। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। पाकिस्तान रेलवेज के एक अफसर ने कहा- फिलहाल 7 लोगों की मौत हुई है। घायलों को हर मुमकिन इलाज और मदद मुहैया कराई जा रही है। पाकिस्तान की वेबसाइट के मुताबिक ट्रेन में आग की घटना सिंध प्रांत के खैरपुर जिले के तांदो खान इलाके में हुई। उस वक्त ज्यादातर पैसेंजर सो रहे थे। पाकिस्तान रेलवेज के अफसर मोहसिन सियाल ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस के मुताबिक 6 शव ऐसे हैं, जिनकी पहचान करना भी मुश्किल है। सबसे पहले इनका डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। इसके बाद इन्हें फैमिली को सौंपा जाएगा। घायलों को खैरपुर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इन्हें बचाने की तमाम कोशिशें की जा रही हैं। पुलिस ने कहा- अब तक यह साफ नहीं है कि बोगी में आग किस वजह से लगी। हम मामले की तह तक जाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। फायर सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम को भी जांच में लगाया गया है। पाकिस्तान रेलवेज ने एक बयान में कहा- कराची एक्सप्रेस ट्रेन कराची से लाहौर जा रही थी। तड़के जब पैसेंजर्स सो रहे थे, तभी इसकी एक बोगी में आग लग गई। यह एसी कोच था। कुछ देर बाद इसे तांदो खान स्टेशन पर रोका गया और फायर ब्रिगेड बुलाई गई। करीब 40 मिनट बाद आग पर काबू पाया गया और कोच को अलग किया गया। पुलिस के मुताबिक मरने वालों में 70 साल की महिला भी है। उसने आग लगने के बाद चलती ट्रेन से कूदकर जान बचाने की कोशिश की। इस दौरान उसके सिर पर चोट आई। उसकी भी मौके पर ही मौत हो गई।

पंचायतों का फैसला, किन्नरों के मुंह मांगी बधाई मांगने पर पाबंदी

ज्यादा मांगने की जिद की तो लगेगा जुर्माना

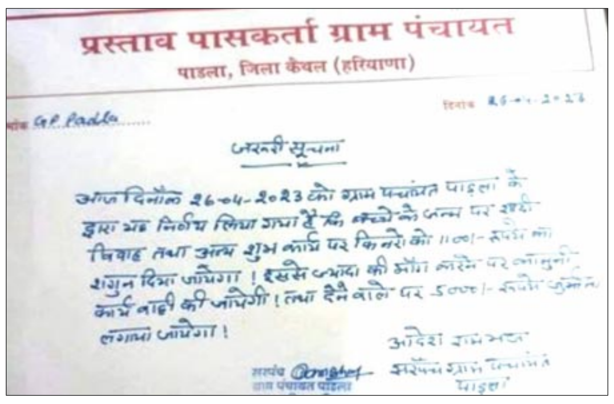
प्रस्ताव पासकर्ता ग्राम पंचायत
पाडला, जिला कैथल (हरियाणा)
जरूरी सूचना
आज दिनांक 26-04-2023 को ग्राम पंचायत पाडला के द्वारा यह निर्णय लिया गया है ...

कैथल (हिंस)। कैथल जिला के दो गांवों की पंचायत ने किन्नरों के मुंह मांगी बधाई मांगने पर पाबंदी लगा दी है। दोनों गांव की पंचायत ने खुशी के मौके पर किन्नरों को दी जाने वाली बधाई के दाम भी तय कर दिए हैं। अगर किसी किन्नर ने तयशुदा रेट से अधिक मांगने की जिद की तो उस पर ग्राम पंचायत जुर्माना भी लगाएगी। जुर्माने की राशि वसूल करने के लिए गांव के लोगों की कमेटी भी तय की गई है। जिला के गांव ग्योंग व पाडला की पंचायतों ने इस तरह का फैसला लिया है। लड़का होने में विवाह की खुशी के मौके पर किन्नरों को 1100 से अधिक की धनराशि नहीं दी जाएगी। दोनों गांव के निवासी किसी व्यक्ति ने अगर किन्नरों को तयशुदा रकम से अधिक धनराशि दी तो उस पर भी पांच हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। अगर कोई किन्नर जबरदस्ती या जिद करता है तो उसके खिलाफ ग्राम पंचायत कानूनी कार्रवाई करेगी।गांव ग्योंग व पाडला की पंचायतों ने लिखित में इस तरह के आदेश जारी किए हैं। ग्राम पंचायत ग्योंग व पाडला की तरफ से जारी किए गए पत्र में कहा गया है कि ग्राम पंचायत ने एक निर्णय लिया है। बच्चे के जन्म और विवाह सहित अन्य शुभ कार्य में किन्नरों को 1100 रुपए का शगुन दिया जाएगा। इससे ज्यादा की मांग करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और अधिक राशि देने वाले पर पांच हजार रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। गांव पाडला के सरपंच रामभज ने बताया कि अक्सर देखने को मिलता है कि गांव में कई ऐसे लोग होते हैं, जो अधिक शगुन राशि नहीं दे पाते हैं। उन्हें फिर भी किन्नरों को अधिक बधाई राशि देनी पड़ती है। वहीं गांव ग्योंग के सरपंच प्रतिनिधि कर्मबीर सिंह ने कहा कि उनके द्वारा लिए गए फैसले के बाद समाज में सुधार होगा और लोगों को राहत मिलेगी।

सभी गिले-शिकवे भुला-मिलकर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे : अमृता धवन

जयपुर (हिंस)। राजस्थान कांग्रेस की सह प्रभारी अमृता धवन ने कहा कि हम सभी मिलकर चुनाव लड़ेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सीजेन्ट पॉलीटिशियन हैं, उन्हें सरकार चलाने का लंबा अनुभव है। उन्होंने बहुत अच्छी योजनाएं लोगों को दी हैं, तो सचिन पायलट का अपना एक्सपीरियंस है। उनमें हम युवा उर्जा देखते हैं। हमें तो दोनों की जरूरत है और दोनों ही पार्टी के महत्वपूर्ण एसेट हैं। पार्टी का यह प्रयास है कि हम सब एकजुट होकर चुनाव लड़ें, क्योंकि यह पहली बार होने जा रहा है कि सरकार रिपीट होगी। अब इतिहास रचने का समय आ चुका है। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर दिल्ली रवाना होने से पहले राजस्थान कांग्रेस की सह प्रभारी अमृता धवन ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि अभी हमारी प्रभारी रंधावा के साथ बैठक होना और काम का बंटवारा होना बाकी है। कांग्रेस नेताओं ने उनसे मुलाकात की है और राजस्थान में पार्टी एकजुट होकर चुनाव लड़े, यह हम सब चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वेद प्रकाश भी हमारे विधायक हैं, कांग्रेस ने उनकी बातों का संज्ञान लिया है। पार्टी के प्लेटफार्म पर हर चीज को लेकर बात हो रही है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के गहलोत को राजनीति का रावण बताने के बयान पर अमृता धवन ने कहा कि रामराज्य तो राजस्थान में स्थापित है। भाजपा को अपने गिरेबान में देखना चाहिए कि देश का उन्होंने (भाजपा) क्या हाल कर रखा है और किस तरह से देश के बीच नफरत के बीच बोए जा रहे हैं। जिस तरह देश में धर्म और जाति की राजनीति पर बांटा जा रहा है। धवन ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत बेहतरीन मुख्यमंत्रियों में से एक हैं।

सत्ता परिवर्तन करो एक घर से एक नौकरी देंगे : अभय चौटाला

21 हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता देंगे

सोनीपत (हिंस)। इनेलो नेता विधायक अभय सिंह चौटाला ने शुक्रवार को सोनीपत के राजपुर में कहा है प्रदेश में इनेलो की सरकार आने पर हर पढ़े-लिखे नौजवान को हर घर से एक नौकरी मिलेगी। माताओं को एक सिलेंडर फ्री मिलेगा और 1100 रुपए रसोई खर्च देंगे। जिनकी पेंशन काटी गई है पेंशन कानून बना कर बुजुर्गों को ब्याज समेत पेंशन वापस देंगे। बेरोजगारी भत्ता 21 हजार रुपए देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार जजपा के कारण ही बनी है। यमुना पार का नारा देने वाले आज उनकी गोद में बैठे हैं। अपने आप को बचाओ जागो परिवर्तन करो यह परिवर्तन एक-एक वोट से आएगा जब सरकार बनेगी तो यह लूट खत्म होगी। राज तुम्हारा होगा। इनेलो नेता अभय चौटाला ने शुक्रवार को राजपुर के बाद छोटी गढ़ी, राजलू गढ़ी, भोगीपुर, अगवानपुर, शहर गन्नौर के गांधीनगर गुमड़, शेखपुरा में परिवर्तन यात्रा के अंतर्गत लोगों को संबोधित किया। राजपुर गांव की ओर से वयोवृद्ध ईश्वर राठी और विश्वकर्मा समाज की ओर से वेदपाल पांचाल ने पगड़ी पहनाई। इस मौके पर अर्जुन चौटाला, इनेलो प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी, सुनैना चौटाला का डॉ. पूर्णमल की पत्नी प्रकाशी देवी विजयंती व सुदेश ने शाल ओढ़ा कर स्वागत किया। जिला अध्यक्ष कृष्ण मलिक, गन्नौर हल्का प्रधान बिजेंद्र सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। महासिंह सैय्या खेड़ा, धर्मपाल राठी, सतपाल, भूपेंद्र, रविंद्र, हरिओम, हैप्पी, भिगान से पीडी शर्मा भूरी से रामकुमार ने स्वागत किया।

पहलवानों के समर्थन में सरपंच एसोसिएशन

फतेहाबाद (हिंस)। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृज भूषण के खिलाफ दिल्ली में पहलवानों के आंदोलन को हरियाणा सरपंच एसोसिएशन ने अपना समर्थन दिया है। सरपंच एसोसिएशन से जुड़े अनेक सरपंच पहलवानों के समर्थन में शनिवार को दिल्ली पहुंचेंगे और जंतर-मंतर पर चल रही पहलवानों के धरने में शामिल होकर अपना समर्थन देंगे। हरियाणा सरपंच एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं फतेहाबाद जिले के गांव समैण के सरपंच रणबीर गिल ने शुक्रवार को कहा कि सरपंच एसोसिएशन इन खिलाड़ियों का समर्थन करती है और उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि देश का सम्मान बढ़ाने वाले इन खिलाड़ियों का शोषण बेहद निंदनीय और शर्मनाक है। एक तरफ जब खिलाड़ी मेडल जीतकर आते हैं तो उन्हें देश की शान बताया जाता है वहीं बाद में उनका इस प्रकार शोषण किया जाता है, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शोषण का शिकार हुए खिलाडियों को न्याय मिलना चाहिए और इस मामले में सरकार का रवैया बिल्कुल गलत है। कुश्ती संघ अध्यक्ष बृजभूषण पर जो आरोप लगाए जा रहे हैं, उस पर संज्ञान लेते हुए मोदी सरकार को तुरंत उन पर एफआईआर दर्ज कराने और मामले में कार्रवाई कराने में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि सरपंच एसोसिएशन के सदस्य शनिवार को दिल्ली जाकर खिलाडियों के धरने में शामिल होंगे।

पीएम ने भीलवाड़ा में एफएम रेडियो का वर्चुअल उद्घाटन किया

भीलवाड़ा (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से भीलवाड़ा टेक्सटाइल सिटी को बड़ी सौगात दी। उन्होंने भीलवाड़ा सहित देश के 91 नए 100 वॉट एफएम ट्रांसमीटरों का उद्घाटन किया। अब भीलवाड़ा के लोग भी 20 किमी के दायरे में 100.1 मेगा हर्ट्ज फ्रिक्वेंसी पर ट्यून करके एफएम रेडियो पर गीत-संगीत, सरकारी योजनाओं, मौसम, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि समेत रोचक जानकारी सुन सकेंगे। भीलवाड़ा में सिविल लाइंस स्थित दूरदर्शन रिले केंद्र में सांसद सुभाष चंद्र बहेड़िया की अध्यक्षता में उद्घाटन समारोह हुआ। इस मौके पर वर्चुअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उद्घाटन देश में रेडियो कनेक्टिविटी को और बढ़ावा देगा। मोदी ने समारोह को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि आज ऑल इंडिया एफएम बनने की दिशा में ऑल इंडिया रेडियो द्वारा एफएम सेवाओं के विस्तार में एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाया गया है। 91 एफएम ट्रांसमीटरों के उद्घाटन से भारत में रेडियो उद्योग में क्रांति आएगी। रेडियो और मन की बात के माध्यम से मुझे देश की ताकत और देशवासियों के बीच कर्तव्य को सामूहिक शक्ति से कार्यक्रम में सांसद सुभाष बहेड़िया ने कहा कि देश के 91 एफएम ट्रांसमीटर का उद्घाटन करने से लगभग 35 हजार वर्गकिमी एरिया कवर होगा। लगभग दो करोड़ लोगों को इसका लाभ मिलेगा। संचार विभाग में ऐतिहासिक परिवर्तन हुए हैं। इसी से देश विश्व की शक्ति बनने जा रहा है। एफएम रेडियो पर मनोरंजन, कृषि सहित सभी जानकारी मिलेगी। भीलवाड़ा में समारोह में नगर परिषद सभापति राकेश पाठक, सांसद प्रतिनिधि राजकुमार आचलिया, प्रशांत मेवाड़ा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। 37 साल संचालित हुआ रिले केंद्र-कलेक्ट्रेट के पास दूरदर्शन रिले केंद्र की स्थापना 19 अगस्त 1994 में हुई थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर ने रिले केंद्र का उद्घाटन किया। करीब 37 साल तक लोगों का मनोरंजन करने के लिए डीटीएच सुविधा प्रारंभ होने से 31 अक्तूबर 2021 को दूरदर्शन रिले केंद्र बंद हो गया। अब इसी केंद्र में एफएम रेडियो प्रारंभ हुआ है।

सर्व समाज मातृशक्ति ने की समलैंगिक विवाह वैध घोषित नहीं किए जाने की मांग

उदयपुर (हिंस)। समलैंगिक विवाह को न्याय पालिका द्वारा वैध घोषित नहीं किए जाने की मांग को लेकर सर्व समाज मातृशक्ति ने उदयपुर में राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौपा। सर्व समाज से मातृशक्ति की ओर से गुरुवार शाम को दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि भारत आज सामाजिक आर्थिक क्षेत्रों की कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में समलैंगिक विवाह के अधिकार विषयांतर्गत विषय को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सुनने एवं निर्णित करने की कोई गंभीर आवश्यकता नहीं है। ज्ञापन में कहा गया कि भारत विभिन्न धर्मों, जातियों, उप जातियों का देश है। इसमें शताब्दियों से केवल जैविक पुरुष एवं जैविक महिला के मध्य विवाह को ही मान्यता दी गई है। सभी धर्मों में केवल विपरीत लिंग के दो व्यक्तियों के विवाह का उल्लेख है। विवाह को दो अलग अलग लैंगिकों के पवित्र मिलन के रूप में मान्यता देते हुए भारत का समाज विकसित हुआ है। ज्ञापन में कहा गया कि स्वतंत्र भारत को अपनी सांस्कृतिक जड़ों पर पश्चिमी विचारों, दर्शनों एवं प्रथाओं के अधिरोपण का सामना करना पड़ रहा है जो इस राष्ट्र के लिए व्यावहारिक नहीं है। ज्ञापन में उक्त विषय पर सभी हितबद्ध व्यक्तियों, संस्थाओं से परामर्श करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने तथा यह सुनिश्चित करने का प्रयास किए जाने के साथ ही समलैंगिक विवाह न्यायपालिका द्वारा वैध घोषित नहीं किए जाने की मांग की गई है। सर्व समाज के प्रतिनिधि मंडल में वंदना उदावत, संगीता वर्डिया, रेखा जैन, मंजू सेन, तारा मोची, वर्षा कुमावत, मंजू शर्मा, शशि अग्रवाल, सरिता भादविया, करुणा माण्डावत, कुसुम बोरदिया, सरला गुप्ता, धरा गुप्ता, कविता जोशी, मिना भारती, कुसुम पंवार, भावना नागदा, बीना वर्डिया, सुषमा कुमावत, रानू भटनागर, रजनी डांगी, नीरजा रोजर्स, रूपम नलवाया, प्रिया खंडेलवाल, शारदा कलाल आदि उपस्थित थीं। सुजानगढ़ में ज्वेलरी शॉप पर बदमाशों से अकेले भिड़ने वाले कांस्टेबल रमेश को मिली पदोन्नति यपुर (हिंस)। चूरू जिले के सुजानगढ़ कस्बे में बुधवार को दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप पर बदमाशों द्वारा की गई फायरिंग की घटना के दौरान कांस्टेबल रमेश के बहादुरी प्रदर्शन पर डीजीपी उमेश मिश्रा ने सराहना करते गैलेंट्री प्रमोशन देने के निर्देश दिए हैं।

हरियाणा के गृह मंत्री ने आस्ट्रेलिया के सिटी सर्विसेज व परिवहन मंत्री से की मुलाकात

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने गुरुवार को आस्ट्रेलिया के कैनबरा में आस्ट्रेलिया के सिटी सर्विसज और परिवहन मंत्री क्रिस्टोफर जेम्स स्टील से मुलाकात की। इस दौरान हरियाणा और आस्ट्रेलिया के बीच विभिन्न विषयों पर सहयोग के संबंध में चर्चा और विचार-विमर्श किया गया। इनमें मुख्यत: स्वास्थ्य, परिवहन, शिक्षा इत्यादि विषय शामिल थे। इस मुलाकात के दौरान आस्ट्रेलिया मंत्री स्टील ने हरियाणा के साथ उपरोक्त क्षेत्रों में सहयोग करने की इच्छा जताई। बैठक के दौरान विज ने स्टील को हरियाणा आने का निमंत्रण दिया, जिस पर स्टील ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए हरियाणा आने की इच्छा जताई। मुलाकात के दौरान स्टील ने विज से कहा कि वे भविष्य में हरियाणा के साथ मिलकर काम करने की इच्छा रखते हैं ताकि परस्पर संबंधों को ओर अधिक प्रगाढ़ किया जा सके। उल्लेखनीय है कि शार्टटर्म रोजगारपरक पाठयक्रमों के लिए आस्ट्रेलियन सरकार के साथ हरियाणा के विभिन्न संगठनों व निकायों के बीच समझौते करने पर विचार-विमर्श हो चुका है, जिसके जल्द ही अमल में आने की उम्मीद है।

सभी राजकीय कार्यालयों में एक सितंबर तक स्मार्ट प्री- पेड मीटर

यपुर (हिंस)। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के समस्त राजकीय कार्यालयों में एक सितंबर 2023 तक स्मार्ट प्री- पेड मीटर लगवाए जाएंगे। इस संबंध में मुख्य सचिव द्वारा समस्त राजकीय विभागों के विभागाध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर्स को आदेश जारी किए गए हैं। मुख्य सचिव के निर्देशानुसार वर्ष 2022-23 की बजट घोषणा की अनुपालना में पुनरोत्थान वितरण योजना के अर्न्तगत प्रदेश के समस्त राजकीय कार्यालयों सहित सभी विद्युत उपभोक्ताओं (कृषि के अतिरिक्त) के स्मार्ट प्री- पेड मीटर ऊर्जा विभाग द्वारा लगाया जाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि इस नवाचार का शुभारंभ प्रदेश के राजकीय कार्यालयों से किया जाएगा। इससे योजना का क्रियान्वयन व्यवस्थित रूप से हो सकेगा तथा आमजन को भी इसे अपनाने में सुविधा होगी। स्मार्ट प्री- पेड मीटर लगवाने से कार्यालयों द्वारा किए जा रहे विद्युत व्यय के त्वरित भुगतान एवं निस्तारण में भी मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि स्मार्ट प्री- पेड मीटर की स्थापना के लाभ तथा बिल राशि का अग्रिम भुगतान आदि के बारे में विद्युत निगमों द्वारा जिला स्तर पर राजकीय कार्यालयों में संबंधित अधिकारियों अथवा कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

कलाकार हरप्रीत सिंह संधू की बनाई गांधी की तस्वीर जेसीपी अटारी पर लगाई

अमृतसर। प्राकृतिक कलाकार हरप्रीत सिंह संधू की बनाई महात्मा गांधी की तस्वीर शुक्रवार को ज्वाइंट चेक पोस्ट (जेसीपी) अटारी के खुले स्टेडियम में लगाई गई। इस अवसर पर बार्डर सिक्योरिटी फोर्स खासा हेडक्वार्टर के डीआईजी संजय गौड़ ने अटारी पहुंचने पर डीसी हरप्रीत सिंह सूदन, लोकसभा सदस्य गुरजीत सिंह औजला और डीआईजी बार्डर रेंज नरिंदर भार्गव का स्वागत किया। महात्मा गांधी का एक डिजीटाइज्ड संस्करण 75वें आजादी के अमृत महोत्सव पर जेसीपी अटारी पर स्टेडियम में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान पर लगाया गया। महात्मा गांधी की यह तस्वीर न सिर्फ देश की भक्ति का प्रतीक होगी, वहीं रिट्रीट सेरेमनी देखने वाले सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगी। इससे भी ज्यादा सीमा पार से राष्ट्रपिता की महत्वपूर्ण झलक पाकिस्तान के स्टेडियम से भी महात्मा गांधी की यह तस्वीर दिखाई देगी। गौर हो कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पोर्ट्रेट को पंजाब के प्रसिद्ध लेखक, हैरिटेज प्रमोटर और नेचर आर्टिस्ट हरप्रीत सिंह संधू (पंजाब के पूर्व अतिरिक्त एडवोकेट जनरल) द्वारा तैयार और डिजीटाइज्ड किया गया है। इस पोर्ट्रेट में उनका अर्थ भरपूर हवाला है, भविष्य में इस बात पर निर्भर करता है कि हम वर्तमान में क्या कर रहे हैं। बीएसएफ के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल संजय गौड़ ने अटारी स्टेडियम के लिए राष्ट्रपिता की तस्वीर बना कर समर्पित करने पर नेचर आर्टिस्ट संधू की सराहना की। इस अवसर पर लोकसभा सदस्य गुरजीत सिंह औजला, डीसी हरप्रीत सिंह सूदन, डीआईजी डॉ. नरिंदर भार्गव, डिप्टी कमिश्नर कस्टम अतुल टिकरी, संयुक्त कमिश्नर कस्टम नवनीत कौशल, शमशीर सिंह समेत बल के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

गीता में दिया गया संदेश हर मानव के लिए वर्तमान समय की जरूरत : सीएम

प्रधानमंत्री के प्रयासों से श्रीमद्भगवगीता का संदेश आज दुनिया में पहुंचा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के श्रीमद्भगवगीता के सार्वभौमिक ज्ञान को दुनिया के कोने-कोने में पहुंचाने के लिए किए जा रहे समर्पित प्रयासों के फलस्वरूप इस बारऑस्ट्रेलिया में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव मनाया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा के फेडरल पार्लियामेंट में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के उद्घाटन (ओपनिंग सेरेमनी) अवसर पर शुक्रवार को वर्चुअली संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के समय में जब पूरा संसार युद्ध, आतंकवाद, हिंसा व तनाव का सामना कर रहा है, इस समय गीता में दिया गया विश्व शांति, प्रेम और भाईचारा का संदेश हर मानव के लिए वर्तमान समय की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी भारतीयों विशेषकर हरियाणावासियों के लिए यह गर्व की बात है कि ऑस्ट्रेलिया की स्वयंसेवी संस्थाओं और कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त प्रयासों से ऑस्ट्रेलिया की पावन धरा पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया गया है। मनोहर लाल ने कहा कि गीता एक ऐसा अलौकिक प्रकाश पुंज है, जो काल, देश और सीमाओं से परे है, जो सर्वकालिक, सार्वभौमिक और चिरस्थायी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि श्रीमद्भगवगीता जीवन के विभिन्न पहलुओं के लिए सार्थक है। उनके मार्गदर्शन से हरियाणा सरकार गीता के इस ज्ञान को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाने के लिए प्रयास कर रही है। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ऑस्ट्रेलिया में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में हिस्सा लेने के लिए गया है। प्रतिनिधिमंडल में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, पानीपत से विधायक महिपाल ढांडा शामिल हैं। मनोहर लाल ने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं महान भारत के उस छोटे से प्रदेश हरियाणा का मुख्यमंत्री हूं, जहां कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने 5160 वर्ष पहले गीता के माध्यम से कर्म योग का अमर संदेश दिया था, जो सदियों तक मानव का मार्गदर्शन करता रहेगा। गीता में कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र की संज्ञा दी गई है। उन्होंने इस आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में ऑस्ट्रेलिया के लोगों ने गीता के प्रति जो आस्था एवं श्रद्धा और उत्साह दिखाया है, उनका शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता। उन्होंने गीता की पावन भूमि कुरुक्षेत्र आने का भी निमंत्रण दिया।

100 प्रतिशत अंकों के साथ मानसा की लवप्रीत बनीं टॉपर

चंडीगढ़ । पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की तरफ से शुक्रवार को आठवीं कक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया। इस बार पास प्रतिशत 98.01 रहा। परिणाम में बेटियों ने परचम लहराया है। मानसा की लवप्रीत कौर ने 100 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया है। वहीं मानसा की ही गुरअंकित कौर भी 100 फीसदी अंकों के साथ दूसरे नंबर पर रही हैं। तीसरे स्थान पर समरप्रीत कौर रहीं जिन्हें 600 में से 598 अंक मिले। लवप्रीत और गुरअंकित कौर बुढलाडा के एक ही सरकारी स्कूल में पढ़ती हैं। दोनों के 600 में से 600 अंक आए हैं। उम्र में कम होने के कारण लवप्रीत को टॉपर घोषित किया गया है। आठवीं में 356 बच्चों की मेरिट आई है। इसमें सिर्फ 46 लड़के हैं। वहीं 17 बच्चों का रिजल्ट लेट है, वहीं एक बच्चे की यूएमसी आई है।

आम लोगों के सहयोग से असामाजिक तत्वों पर पाया जा सकता है काबू : शक्ति पाठक

आरएस पुरा (हिंस)। जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीआईजी शक्ति पाठक ने शुक्रवार को सरकारी मिडिल स्कूल निहालपुर सिंबल आरएस पुरा में जम्मू-कश्मीर पुलिस की तरफ से सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत स्थापित किए गए वाटर कूलर का उद्घाटन किया। इस मौके एसएसपी राजिंदर सिंह तथा बीडीसी चेयरमैन मीरा साहिब दिलीप कुमार सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी तथा स्थानीय लोग विशेष तौर पर उपस्थित रहे। इस मौके पर जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीआईजी शक्ति पाठक ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली थी कि सरकारी मिडिल स्कूल निहालपुर सिंबल में विद्यार्थियों को गर्मियों के मौसम में पानी पीने के लिए एक वाटर कूलर की आवश्यकता है और जम्मू-कश्मीर पुलिस की तरफ से सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत वाटर कूलर स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर पुलिस की तरफ से इस कार्यक्रम के तहत लगातार सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं दी जाती हैं और उनका प्रयास रहेगा कि भविष्य में भी स्कूल में कुछ ऐसा किया जाए जिसका विद्यार्थियों को लाभ मिले। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर पुलिस एक तरफ जहां आंतकवाद एवं नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान छेड़े हुए है वहीं सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं भी दी जा रही हैं। डीआईजी ने कहा कि पुलिस की तरफ से नशा तस्करों के खिलाफ लगातार बेहतर काम किया जा रहा है और अगर मीरा साहिब की बात करें तो जहां पर बहुत हद तक नशा पर रोक लगा दी गई है जिसका श्रेय जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ आम लोगों को भी जाता है। उनके सहयोग के साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस अपने मिशन में कामयाब हो रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग को अगर जनता का सहयोग मिलता रहे तो समाज में फैली बुराइयों को दूर किया जा सकता है। इस अवसर पर बीडीसी चेयरमैन दिलीप कुमार ने जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत उठाए जा रहे कदमों की सराहना की और कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस की तरफ से लगातार बेहतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने मीरा साहिब क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि मीरा साहिब पुलिस की तरफ से नशा तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है जो कि पुलिस विभाग का सराहनीय कदम है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र की आम जनता पुलिस विभाग का पूरा सहयोग पहले भी करती रही है और आगे भी करती रहेगी। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी मीरा साहिब के अलावा एसडीपीओ निखिल गोगना तथा थाना प्रभारी जहीर मन्हास सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

एअर इंडिया 1000 से ज्यादा पायलटों को हायर करेगा : इसमें कैप्टन और ट्रेनर्स शामिल, बीते दिनों दिया था 470 प्लेन खरीदने का ऑर्डर

नई दिल्ली।

एअर इंडिया ने अपनी फ्लीट और नेटवर्क का विस्तार करने के लिए 1000 से ज्यादा पायलटों को नियुक्त करने के प्लान के घोषणा की है। इनमें कैप्टन और ट्रेनर्स भी शामिल हैं। एयरलाइन के पास वर्तमान में 1,800 से ज्यादा पायलट हैं। हाल ही में कंपनी ने अपनी फ्लीट के बढ़ाने के लिए 470 नए विमान खरीदने का ऑर्डर दिया था। एअर इंडिया ने पायलटों को हायर करने के लिए ऐडवर्टाइजमेंट निकाला है। इसमें लिखा है- हम अपने ए320, बी777, बी787 और बी737 फ्लीट में कैप्टन और फर्स्ट ऑफिसर्स के साथ-साथ ट्रेनर्स के लिए जॉब ऑफर कर रहे हैं। इसमें ये भी कहा गया है कि 500 से ज्यादा विमान उसके बेड़े में शामिल हो रहे हैं।

सैलरी स्ट्रक्चर से नाराज कर्मचारियों का रतन टाटा को पत्र - एअर इंडिया पायलटों भर्ती ऐसे समय में कर रही है जब एयरलाइन के कर्मचारी बीते दिनों लागू किए गए रिवाइज्ड सैलरी स्ट्रक्चर को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। एअर इंडिया के 1,500 से ज्यादा पायलटों ने इस मामले को लेकर टाटा संस के एमेरिटस चेयरमैन रतन टाटा को पत्र लिखा है और डिपार्टमेंट की शिकायत की है।

बीते दिनों दिया था एविएशन हिस्ट्री का सबसे बड़ा ऑर्डर - एयरलाइन ने बीते दिनों 470 विमानों के लिए एविएशन हिस्ट्री का सबसे बड़ा ऑर्डर दिया था। इस डील में एअर इंडिया को फ्रांस की कंपनी एयरबस से 250 एयरक्राफ्ट और अमेरिकी कंपनी बोइंग से 220 एयरक्राफ्ट मिलेंगे। 31 एयरक्राफ्ट साल के आखिर तक सर्विस में शामिल हो जाएंगे, बाकी विमान 2025 मिड तक आएंगे।

टाटा ग्रुप की 4 एयरलाइन्स के पास 220 एयरक्राफ्ट - टाटा ग्रुप की एअर इंडिया, एयर एशिया इंडिया, विस्तारा और एअर इंडिया एक्सप्रेस के पास 220 एयरक्राफ्ट इनमें 172 नैरो बॉडी और 48 वाइड बॉडी। 45 वाइड बॉडी जेट का इस्तेमाल ओवरसीज ट्रैवल सेगमेंट के लिए कॉम्पिटिटर इंडिगो के पास 300 एयरक्राफ्ट, जिसका इस्तेमाल डोमेस्टिक और छोटी दूरी के डेस्टिनेशन्स के लिए इंडिगो 54.9प्रतिशत शेयर के साथ मार्केट लीडर। टाटा ग्रुप की एयरलाइन्स का 26प्रतिशत डोमेस्टिक एयर ट्रैफिक पर कंट्रोल ओवरसीज ट्रैवल सेगमेंट में एअर इंडिया की मोनोपॉली।

न्यूज़ ब्रीफ

विदेशी निवेशक लगातार दूसरे महीने अप्रैल में भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध खरीदार रहे,

नई दिल्ली। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी (एनएसडीएल) के ताजा आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जनवरी और फरवरी में लगातार दो महीने बिकवाली करने के बाद मार्च और अप्रैल में शुद्ध खरीदार बने हुए हैं। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने अप्रैल 2023 में भारतीय शेयर बाजार में 7,695 करोड़ रुपये की खरीदारी की है। मार्च में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 7,936 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। मार्च की शुरुआत में सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने के बाद अमेरिका में पैदा हुए बैंकिंग संकट और भारत के लिए अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक परिदृश्य ने विदेशी निवेशकों के बीच भारतीय बाजार के प्रति उत्साह पैदा कर दिया है। इस दौरान एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी और टाटा मोटर्स के शेयरों में बड़े पैमाने कारोबार होता देखागया। यह माना जा सकता है कि इसके एक बड़े हिस्से की खरीदारी एफपीआई ने की। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवोश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने हाल ही में एक नोट में कहा था, जिन शेयरों में एफपीआई होल्डिंग लगातार बढ़ रही है, वे बाजार की कमजोरी के दौरान भी लचीलापन दिखा रहे हैं। प्रौद्योगिकी स्टार्टअप की दुनिया के सबसे प्रमुख उधारदाताओं में से एक, सिलिकॉन वैली बैंक 10 मार्च को जमाकर्ताओं की ओर से एक साथ पैसे निकालने के कारण तालाबंदी की स्थिति में पहुंच गया था। इसका पूरी वित्तीय प्रणाली पर असर पड़ा और कई वैश्विक बैंकों को बंद करने की नौबत आ गई। जनवरी और फरवरी में एफपीआई ने क्रमशः 28,852 करोड़ रुपये और 5,294 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की थी।

ड्रॉपबॉक्स ने 16 प्रतिशत कर्मचारियों को बाहर किया, एआई स्किल्स से लैस नए लोग बहाल किए जाएंगे

नई दिल्ली। ड्रॉपबॉक्स ने घोषणा की है कि वह क्लाउड ग्रोथ में सुस्ती के बीच लागत में कटौती के कदम के तहत अपने वैश्विक कार्यबल में 16 प्रतिशत की कटौती करेगा। सैन फ्रांसिस्को स्थित फर्म एआई संचालित उत्पादों को विकसित करने और वितरित करने के लिए आवश्यक कौशल के साथ नई प्रतिभाओं को काम पर रखेगी। ड्रॉपबॉक्स में 2022 के अंत में 3,118 पूर्णकालिक कर्मचारी थे। कंपनी में ताजा छंटनी से क्लाउड स्टोरेज व्यवसाय में लगभग 500 लोगों की नौकरी जाएगी। ड्रॉपबॉक्स के सीईओ ड्रू ह्यूस्टन ने कर्मचारियों को भेजे ज्ञापन में कहा कि कंपनी के मुख्य क्लाउड कारोबार की वृद्धि धीमी हो रही है क्योंकि आर्थिक मंदी से मिली चुनौतियों ने ग्राहकों पर दबाव डाला है। छंटनी के अलावा, ड्रॉपबॉक्स अपनी एआई परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कुछ कर्मचारियों को एक टीम से दूसरी टीम में स्थानांतरित भी कर रहा है।

मुकेश अंबानी को मार्क जुकरबर्ग ने पीछे छोड़ाः मेटा सीईओ की 1 दिन में 81.77 हजार करोड़ बढ़ी नेटवर्थ, ब्लूमबर्ग इंडेक्स में 12वें नंबर पर पहुंचे

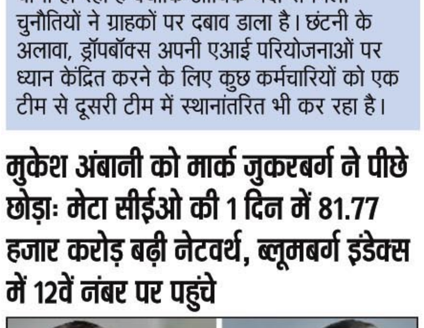

नई दिल्ली। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग की नेटवर्थ 10 बिलियन डॉलर यानी करीब 81.77 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। इस बढ़ोतरी के साथ जुकरबर्ग की टोटल नेटवर्थ 77.1 बिलियन डॉलर यानी करीब 6.30 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 87.3 बिलियन डॉलर यानी करीब 7.13 लाख करोड़ रुपए हो गई है। दरअसल फेसबुक के पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) के शानदार नतीजे आए हैं, जिसके बाद मेटा के शेयर में तेजी देखने को मिली है। इसी तेजी का असर जुकरबर्ग की नेटवर्थ में देखने को मिला है। बीते दिन मेटा का शेयर 13.93प्रतिशत की तेजी के साथ 238.56 डॉलर पर बंद हुआ है। मेटा के शेयर में आई तेजी के बदौलत मार्क जुकरबर्ग ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे पहले जुकरबर्ग 13वें स्थान पर थे। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 82.4 बिलियन डॉलर (करीब 6.73 लाख करोड़ रुपए) की नेटवर्थ के साथ 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

लोन मामले में बीबीसी चेयरमैन रिचर्ड शार्प का इस्तीफा

ब्रिटेन के पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन को लोन में मदद की थी, लेकिन अपॉइंटमेंट के दौरान ये बात छिपाई

लंदन।

यूनाइटेड किंगडम का नेशनल ब्रॉडकास्टर ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन यानी बीबीसी के चेयरमैन रिचर्ड शार्प ने इस्तीफा दे दिया है। ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को 2020 में मिले लोन से जुड़े केस के कारण उन्होंने इस्तीफा दिया है। एक रिपोर्ट पब्लिश की थी, जिसके बाद शार्प पर इस्तीफे का दबाव बढ़ने लगा था।

रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि जॉनसन ने शार्प की चेयरमैन के तौर पर नियुक्ति के लिए सिफारिश की थी। सिफारिश से पहले बोरिस जॉनसन को 800,000 पाउंड यानी करीब 8.15 करोड़ रुपए के लोन के लिए गारंटी अरेंज करने में शार्प ने मदद की थी।

शॉर्प ने लोन में अपनी भूमिका की बात छिपाई

शार्प ने ऑफिशियल रिपोर्ट के बाद इस्तीफा दिया है। ऑफिशियल रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने सार्वजनिक नियुक्तियों के नियमों का उल्लंघन किया है। जांच में पाया गया था कि जॉब इंटरव्यू के दौरान शॉर्प ने जॉनसन के लोन में अपनी भूमिका का जिक्र नहीं किया था।

वह जून तक अंतरिम चेयरमैन बने रहेंगे। शार्प के इस्तीफे के बाद बीबीसी बोर्ड ने कहा- हम रिचर्ड के फैसले को स्वीकार करते हैं। शार्प एक बैंकर और रॉयल एकेडमी ऑफ आर्ट्स के पूर्व चेयरमैन भी रह चुके हैं। जनवरी 2021 में उन्हें बीबीसी चेयरमैन के तौर पर अपॉइंट किया गया था।

बीबीसी के रॉयर चार्टर के तहत होती है नियुक्ति

बीबीसी के रॉयल चार्टर के अनुसार बीबीसी चेयरमैन की नियुक्ति पीएम और डिजिटल, कल्चर, मीडिया और स्पोर्ट सेक्रेटरी की सिफारिश पर ब्रिटिश मोनॉर्क करते हैं। शार्प को उस समय के सेक्रेटरी ओलिवर डाउडेन और तत्कालीन पीएम जॉनसन की सिफारिश पर नियुक्त किया गया था। बीबीसी चेयरमैन के अपॉइंटमेंट में बीबीसी का कोई रोल नहीं होता है।

रिपोर्ट के बाद बीबीसी स्टाफ को संबोधित एक मेमो में, शार्प ने कहा था: मैं लोन लेने या गारंटी की व्यवस्था करने में शामिल नहीं था, और मैंने किसी भी फाइनेंसिंग की व्यवस्था नहीं की। मैंने सिर्फ कैबिनेट सेक्रेटरी से पीएम के कजन सैम बेलीथ को इंट्रोड्यूज कराया था। मेरा पूरा विश्वास है कि मुझे योग्यता के आधार पर नियुक्त किया गया था।

बीबीसी क्या है और इसके मालिक कौन हैं

ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन यूनाइटेड किंगडम का नेशनल ब्रॉडकास्टर है। ये दुनिया के सबसे पुराने और बड़े मीडिया हाउस में से एक है। इसके पूरी दुनिया में करीब 35 हजार कर्मचारी हैं। यह 40 भाषाओं में खबरें प्रसारित करता है।

18 अक्टूबर 1922 को बीबीसी की शुरुआत एक प्राइवेट कंपनी के तौर पर हुई। 1926 में इसे यूनाइटेड किंगडम ने सरकारी संस्था बना दिया। तब से आज तक बीबीसी रॉयल चार्टर के तहत संचालित होती है। हालांकि अपनी कवरेज के लिए ये पूरी तरह स्वतंत्र है।

रॉयल चार्टर में बीबीसी का उद्देश्य भी लिखा है। इसके मुताबिक, बीबीसी को यूनाइटेड किंगडम के सभी हिस्सों और पूरी दुनिया के लोगों की समझ बनाने के लिए विधिवत सटीक और निष्पक्ष समाचार, करेंट अफेयर्स और तथ्यात्मक प्रोग्रामिंग प्रदान करनी चाहिए। बीबीसी की हिंदुस्तानी सेवा ने अपना पहला प्रसारण 11 मई 1940 को किया। इसी दिन विंस्टन चर्चिल ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने थे। बीबीसी हिन्दुस्तानी सर्विस का उद्देश्य द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप के सैनिकों तक समाचार पहुंचाना था। बांग्लादेश की लड़ाई हो या इंदिरा गांधी की हत्या या फिर कोई और बड़ी अंतरराष्ट्रीय घटना। कई मौकों पर बीबीसी ने सबसे पहले खबरें दीं, जिससे लोगों का भरोसा बना। 2001 में बीबीसी हिंदी डॉट कॉम की शुरुआत हुई और फिर अन्य भारतीय भाषाएं जुड़ती गईं।

1250 करोड़ हुआ केसीआर की पार्टी का फंड; बैंक डिपॉजिट पर हर महीने मिलता है 7 करोड़ ब्याज

नई दिल्ली।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के पास 1250 करोड़ रुपये का पार्टी फंड है, जिसमें 767 करोड़ रुपये की बैंक जमा राशि भी शामिल है। इससे सात करोड़ रुपये हर महीने ब्याज की आमदनी होती है। बीआरएस के स्थापना दिवस पर बोलते हुए पार्टी के चंद्रशेखर राव ने कहा कि पार्टी को चलाने, जिलों में पार्टी कार्यालयों के निर्माण और प्रचार के लिए खर्च ब्याज से होने वाली आय से पूरा किया जाता है।

पार्टी को चलाने पर होने वाला खर्च ब्याज से किया जाता है पूराः बीआरएस

उन्होंने कहा, पार्टी का फंड 1,250 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें से 767 करोड़ रुपये बैंकों में जमा हैं। पार्टी को चलाने, जिलों में पार्टी कार्यालयों के निर्माण, प्रचार और बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए किए गए खर्चों को बैंक में जमा राशि पर मिलने वाले ब्याज से पूरा किया जाता है। केसीआर ने 21 अक्टूबर 2021 को महाधिवेशन के दौरान कहा था कि पार्टी (तत्कालीन टीआरएस) के पास 425 करोड़ रुपये की सावधि जमा थी, जिस पर प्रति माह दो करोड़ रुपये का ब्याज मिल रहा था। बीआरएस ने अपनी बैठक में पार्टी के वित्तीय मामलों पर एक प्रस्ताव पारित किया।

केसीआर की अपील- भ्रष्टाचार में किसी भी परिस्थिति में लिप्त ना हों पार्टी के लोग

प्रस्ताव के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष अन्य राज्यों में बैंक खाते खोलने और

पार्टी के अभियान चलाने के लिए मीडिया समन्वय की प्रणाली स्थापित करने सहित पार्टी के वित्तीय मामलों का ध्यान रखेंगे। पार्टी ने कहा कि दिल्ली में बीआरएस पार्टी कार्यालय का उद्घाटन चार मई को किया जाएगा। इस बीच, पार्टी ने देश भर में पार्टी को जनता तक ले जाने के लिए भविष्य में टीवी विज्ञापन और फिल्म निर्माण करने का भी फैसला किया है और यदि आवश्यक हुआ तो पार्टी एक टीवी चैनल भी चलाएगी। केसीआर ने अपनी पार्टी के लोगों और जनप्रतिनिधियों से कहा कि हर परिस्थिति में पारदर्शिता बनाए रखी जानी चाहिए और उन्हें किसी भी परिस्थिति में भ्रष्टाचार में लिप्त नहीं होना चाहिए।

टीआरएस का नाम बदलकर बीआरएस किया गया, क्या हो रही 2024 की तैयारी

बता दें कि तेलंगाना राष्ट्र समिति के नाम से जाने जानी वाली पार्टी ने कुछ समय पहले ही अपना नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति कर लिया है। पार्टी के इस फैसले को 2024 के आम चुनावों के लिए पार्टी की तैयारी से जोड़कर देखा जा चुका है। कयास लगाए जा रहे हैं कि केसीआार 2024 में मोदी सरकार को चुनौती देने के लिए विपक्ष का नेतृत्व हासिल करने की तैयारी कर रहे हैं।

कैम्पा कोला को देशभर में वितरित करने के लिए हुई साझेदारी, रिलायंस ने उड़ान पर जताया भरोसा

नई दिल्ली।

उड़ान ने पूरे भारत में कैंपा कोला वितरित करने के लिए रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के साथ साझेदारी की है। बी2बी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म उड़ान ने यह साझेदारी पूरे भारत में कैंपा कोला उत्पादों को वितरित करने के लिए की है। रिलायंस रिटेल की सहायक कंपनी आरसीपीएल ने अगस्त 2022 में 22 करोड़ रुपये में प्रतिष्ठित पेय ब्रांड कैम्पा कोला का अधिग्रहण किया था और इस साल मार्च में इसे फिर से लॉन्च किया। वितरण साझेदारी से उड़ान को शुरू में 50,000 से अधिक खुदरा विक्रेताओं और किराना स्टोरों तक पहुंचने की अनुमति मिलेगी, जो अंततः दो महीने में एक लाख स्टोर तक बढ़ जाएगी। उड़ान की ओर से कोला, ऑरेंज और क्लियर लाइम सहित तीन नए कैंपा कोला फ्लेवर, 200 मिलीलीटर, 500 मिलीलीटर और 2,000 मिलीलीटर की बोतल में वितरित किए जाएंगे।

उड़ान में एफएमसीजी कारोबार के प्रमुख विनय श्रीवास्तव ने कहा कि बी2बी ई-कॉमर्स यूनिकॉर्न उड़ान का विशाल खुदरा विक्रेता आधार और कम खर्चीला वितरण नेटवर्क पूरे

भारतीय बाजार में कैम्पा कोला ब्रांड को अपनी पैठ बनाने में मदद करेगा। कैंपा कोला के लिए आरसीपीएल के साथ साझेदारी उड़ान के प्रोजेक्ट विस्तार का हिस्सा है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में एफएमसीजी और खाद्य श्रेणी के उत्पादों की पहुंच बढ़ाने से जुड़ी पहल है। उड़ान ने दावा किया है कि उसकी पहुंच कम से कम 3,000 की आबादी वाले हर ग्रामीण बाजार तक है। उड़ान वर्तमान में ग्रामीण उत्तर प्रदेश में इस परियोजना को अमलीजामा पहना रहा है। कैम्पा कोला का 70 और 80 के दशक में शीतल पेय बाजार पर था एकाधिकार कैंपा कोला 70 और 80 के दशक के दौरान भारत में स्पार्कलिंग बेवरेज कैटेगरी में मार्केट लीडर थी, उस समय कैटेगरी में कोई विदेशी ब्रैंड नहीं था।

लैटिन अमेरिका संग व्यापार संबंधों को बढ़ाना चाहता है भारत', बिज फोरम में बोले विदेश मंत्री जयशंकर

बागोटा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत लैटिन अमेरिका के साथ अपना व्यापार बढ़ाना चाहता है जो 50 अरब डॉलर के करीब पहुंच रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि खनन, ऊर्जा, कृषि और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में निवेश में अच्छी खासी ग्रोथ से इसे और बढ़ावा मिलेगा। कोलंबिया की राजधानी में भारत-कोलंबिया बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लैटिन अमेरिका के चार देशों की उनकी यात्रा का उद्देश्य क्षेत्र के साथ भारत के सहयोग के स्तर को और अच्छा करना है। उन्होंने कहा कि आज यहां आने का हमारा उद्देश्य लैटिन अमेरिका में भारत की बढ़ती उपस्थिति को उजागर करना है।

हमारे बीच व्यापार सालाना 50 अरब डालर तक पहुंच रहा है। हमारी कंपनियां ऊर्जा, खनन से लेकर कृषि व ऑटो क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां लैटिन अमेरिका में परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही हैं, जिसमें बुनियादी ढांचा, बिजली पारेषण और खनन शामिल हैं। साथ ही शिपिंग और विमानन क्षेत्र में भी उत्पाद वितरित कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि हमारा व्यापार का संबंध है। हम स्वाभाविक रूप से इसका विस्तार करना चाहते हैं। हमारे सामने चुनौती यह है कि कब, कहां और कितना निवेश करना है। वहीं फार्मास्युटिकल उद्योग भी चुनौती से घिरा हुआ है।

महामारी ने दिखाया आईना - जयशंकर ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने लगभग 100 देशों को टीके और 150 देशों सहित विकसित देशों को दवाओं की आपूर्ति करके सही मायने में स्थापित किया कि यह दुनिया की फार्मेसी है। उन्होंने कहा कि तथ्य यह है कि कोविड-19 ने हम सभी को स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बनाया है, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों के बारे में भी जागरूक किया है। लागत भी एक प्रासंगिक कारक है। यदि हम अधिक स्त्रोतों, क्षेत्रीय उत्पादन और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण को देख रहे हैं, तो मैं कोलम्बियाई दोस्तों को सुझाव दूंगा कि भारतीय उद्योग आपका स्वाभाविक भागीदार है।

सट्टेबाजी पर 28 व कौशल वाले गेम पर 18 फीसदी लग सकता है जीएसटी, वित्त मंत्रालय कर रहा विचार

नई दिल्ली।

सरकार सट्टेबाजी या जुए पर 28 फीसदी की दर से जीएसटी लगा सकती है, जबकि कौशल वाले ऑनलाइन गेम पर 18 फीसदी से कम कर लगाया जा सकता है। इसके लिए वित्त मंत्रालय ऑनलाइन गेमिंग को कौशल एवं किस्मत के खेल की श्रेणियों में वर्गीकृत करने और अलग-अलग दर से जीएसटी लगाने पर विचार कर रहा है। जीएसटी परिषद की मई या जून में होने वाली बैठक में इस पर अंतिम फैसला करेगी। एक अधिकारी ने बताया कि ऐसे ऑनलाइन गेम जहां जीत-हार का फैसला किसी निश्चित परिणाम पर निर्भर है या उसकी प्रकृति सट्टेबाजी या जुए की है, तो वहां 28 फीसदी की दर से जीएसटी लगेगा। कौशल वाले ऑनलाइन गेम पर 18 फीसदी से कम कर लगाया जा सकता है। अधिकारी के मुताबिक, सभी ऑनलाइन गेम किस्मत पर आधारित नहीं हैं। सट्टेबाजी या जुए की प्रकृति के भी नहीं हैं। इसलिए किस्मत और कौशल आधारित खेल के बीच अंतर करना होगा। इस समय ऑनलाइन गेमिंग पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। यह ऑनलाइन गेमिंग पोर्टल की ओर से लिए गए कुल शुल्क पर लगता है। उद्योग जगत भी ऑनलाइन गेमिंग की परिभाषा को लेकर सरकार से स्पष्टीकरण की मांग कर चुका है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) का कहना है कि ऑनलाइन गेमिंग पर आईटी नियमों के मसौदे का मकसद सही है, लेकिन इसके कुछ पहलुओं पर फिर से गौर करने की जरूरत है। उद्योग संगठन ने कहा, ऑनलाइन गेमिंग की परिभाषा बहुत व्यापक व अस्पष्ट है। इससे वैसी कंपनियां भी इसके दायरे में आ जाएंगी, जिन्हें नियमों के दायरे में लाने की जरूरत नहीं है या फिर हल्के कायदे-कानून की आवश्यकता है। इससे उन पर अनुपालन बोझ भी पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना में लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन गेमिंग यूजर्स की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई थी।

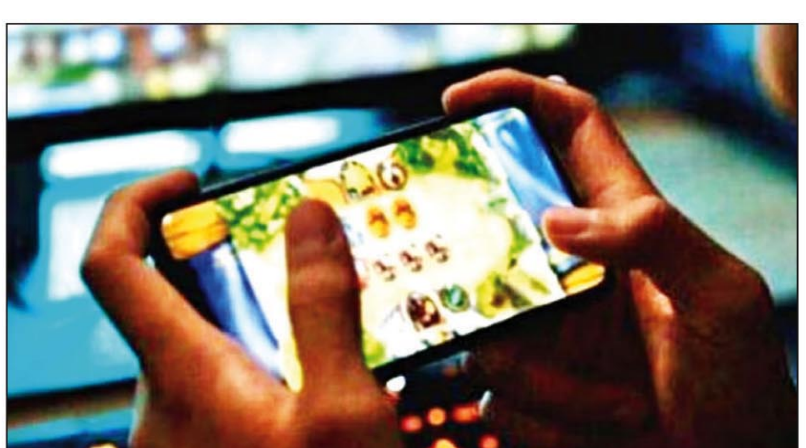

रिपोर्ट के मुताबिक, अगले दो साल में यानी 2024-25 तक घरेलू ऑनलाइन गेमिंग उद्योग का आकार बढ़कर 29,000 करोड़ रुपये का हो जाएगा। 2021 में यह 13,600 करोड़ था। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा की अध्यक्षता वाले मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने पिछले साल दिसंबर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी को लेकर एक रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें जीओएम ने ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी लगाने पर सहमति जताई थी। बैठक में इस बात पर सहमति नहीं बन पाई थी कि क्या जीएसटी सिर्फ ऑनलाइन गेमिंग पोर्टल के शुल्क पर लगाया जाना चाहिए या प्रतिभागियों से दांव लगाने को लेकर प्राप्त राशि समेत पूरी रकम पर।

मार्च में किए गए 31.18 करोड़ से ज्यादा ई-केवाईसी, 21.93 करोड़ का एईपीएस लेनदेन

नई दिल्ली। आधार से मार्च, 2023 में 2.31 अरब प्रमाणीकरण किए गए। साथ ही, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (एईपीएस) से इस दौरान 21.93 करोड़ लेनदेन हुए। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया,आय के पिरामिड में सबसे नीचे के लोगों के लिए एईपीएस वित्तीय समावेशन को संभव बना रहा है। इसकी मदद से मार्च, 2023 में 31.18 करोड़ से ज्यादा ई-केवाईसी किए गए, जो फरवरी के मुकाबले 16.3 फीसदी अधिक हैं। 175 संस्थाएं ई-केवाईसी करती हैं, जिन्होंने अबतक कुल 14.7 अरब ई-केवाईसी पूरे किए हैं। मंत्रालय का दावा है, ई-केवाईसी से वित्तीय संस्थानों व दूरसंचार सेवा-प्रदाताओं की ग्राहक अधिग्रहण लागत घटी है। इस तरह से आधार ई-केवाईसी सेवा बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवाओं के लिए पारदर्शी और बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करने में मदद कर रहा है। देश के सस्ते मोबाइल फोन के निर्यात में गिरावट आई है। आंकड़ों के अनुसार, 20 से 30 हजार रुपये वाले मोबाइल फोन के निर्यात में 33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह 10 से 20 हजार रुपये में 34प्रतिशत और 10,000 से कम कीमत वाले फोन के निर्यात में 9प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, प्रीमियम और अल्ट्रा प्रीमियम श्रेणी में 60-66प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

कुणाल की पहली फिल्म मडगांव एक्सप्रेस अगले माह रिलीज होगी

कुणाल खेमू जल्दी ही एक्सेल एंटरटेनमेंट की बहुप्रतीक्षित मडगांव एक्सप्रेस के साथ निर्देशन की दुनिया में कदम रखने वाले हैं। इस फिल्म की शूटिंग हाल में पुरी हो चुकी है जिसे लगभग एक साल के भीतर ही शूट किया गया है। वैसे एक्सेल एंटरटेनमेंट ने दशकों से अपनी दिलचस्प कहानियों के साथ बार बार नए स्टैंडर्ड सेट किया है। अब कुणाल खेमू के निर्देशन में बनी उनकी फिल्म मडगाँव एक्सप्रेस के साथ उन्होंने लोगों की एक्साटइमेंट लेवल को बढ़ा दिया है। इसकी जानकारी कुणाल खेमू ने अपने सोशल मीडिया पर देते हुए फिल्म की कास्ट, क्रू और इस प्रोजेक्ट पर काम करने वाले बाकी के टीम मेंबर्स की कुछ तस्वीरें शेयर की। यह फिल्म अगले माह मई में रिलीज होगी। उनमें से हर एक ने किरदारों को सबसे बेहतरीन तरीके से पर्दे पर उतारा है। मडगांव एक्सप्रेस सिनेमा इंडस्ट्री के कुछ सबसे पावरफुल परफॉर्मरों को एक साथ पेश करती है। इसके साथ ही इसका दिलचस्प टाइटाल ने पहले ही प्रत्याशा को एक लेवल और बढ़ा दिया है और दर्शक फिल्म देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते हैं। बता दें, फरहान अख्तर ने 2001 में दिल चाहता है के साथ अपने निर्देशन की शुरूआत की थीं। इसके अलावा, जोया अख्तर ने 2009 में लक बाय चांस के साथ अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू किया और अब कुणाल खेमू इसी राह पर चलते हुए एक्सेल के साथ अपने निर्देशन की शानदार शुरूआत करने के लिए तैयारी है। एक्सेल एंटरटेनमेंट, जिसकी सह-स्थापना फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने की थी, ने जेडएमडी, दिल चाहता है, डॉन, डॉन 2 जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ दर्शकों को एंटरटेन किया है। फिलहाल प्रोडक्शन हाउस सबसे बहुप्रतीक्षित जी ले जरा के लिए कमर कस रहा है।

रुसलान के साथ वापसी कर रहे आयुष

अभिनेता आयुष शर्मा अब अपनी नवीनतम फिल्म रुसलान के साथ वापस आ गए हैं। इसका टीजर बीते दिनों रिलीज किया गया। टीजर में आयुष शर्मा को एक्शन अवतार में दिखाया गया है। टीजर को देखने से आयुष शर्मा की मेहनत साफ झलकती है। एक्शन अवतार में उन्होंने स्वयं को बखूबी पेश किया है। इस फिल्म का निर्देशन कात्यायन शिवपुरी ने किया है। सलमान खान के साथ आखिरी बार अन्तिम में नजर आए आयुष शर्मा रुसलान की वजह से सुर्खियों में हैं। आयुष ने इंस्टाग्राम पर लिखा, इंपेशेंट हूं, इंपल्सिव हूं और प्रोटोकॉल तो बिलकुल फॉलो नहीं करता हूं। तभी तो रुसलान के नाम से जाना जाता हूं। आ रहा हूं हाथ में गन और गिटार लेकर क्योंकि इस बार गिटार भी बजेगा और गन भी टीजर आउट! इस फिल्म का निर्माण केके राधामोहन द्वारा श्रीसत्यसाई कला बैनर के तहत किया गया है। इसमें आयुष शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। कलाकारों में सुश्री मिश्रा और तेलुगु स्टार जगपति बाबू शामिल हैं। रुसलान इस साल के अंत में स्क्रीन पर आएगी। बता दें कि वर्ष 2021 में प्रदर्शित हुई आयुष शर्मा अभिनीत फिल्म अन्तिम को दर्शकों ने अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। महेश मांजरेकर निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता प्राप्त करने के साथ ही आयुष शर्मा को सिने उद्योग में स्थापित करने में मदद की थी। अन्तिम में सलमान खान अपने विस्तारित कैमियो में दिखाई दिए थे। कहने को यह कैमियो था लेकिन दर्शकों का कहना था कि यह दो नायकों की फिल्म थी, जिसे आयुष शर्मा के नाम पर दर्शकों के सामने लाया गया।

फिल्म द इक्वलाइजर का दर्शकों को है इंतजार

–मनोरंजन के लिए तैयार है एक्शन सीरीज की यह फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म द इक्वलाइजर एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए बिल्कुल तैयार है। पॉपुलर एक्शन सीरीज की यह तीसरी फिल्म है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फैंस की बेसब्री को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने सीरीज का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। जो हिंदी और अंग्रेजी में जारी किया गया है। सीरिज की कहानी, सेवानिवृत्त अमेरिकी मरीन और पूर्व डीआईए अधिकारी रॉबर्ट मैक्कल के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे अनुभवी अभिनेता वाशिंगटन ने निभाया है। ट्रेलर की बात करें, तो इसमें डेनजेल के बार फिर अपने पुराने अवतार में नजर आ रहे हैं। वह रॉबर्ट मैक्कल अब दोस्तों के साथ दक्षिणी इटली में एक खुशहाल जीवन जी रहे होते हैं, लेकिन जब माफिया हस्तक्षेप करता है और उन लोगों के जीवन को खतरे में डालता है जिनकी वह परवाह करता है, तो वह अपने पुराने तरीकों पर वापस आ जाता हैं। बता दें कि, डेनजेल वाशिंगटन के अलावा, फिल्म में डकोटा फैनिंग, डेविड डेनमैन, सोनिया अम्मार और रेमो गिरोन भी हैं। ये फिल्म 1 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इक्वालाइजर 3 को अमाल्फी तट, नेपल्स और रोम सहित पूरे इटली में शूट किया गया है।

मैं मणि रत्नम की हिरोइन बनना चाहती थी, इसलिए मैं अभिनेत्री बनी : अदिति राव हैदरी

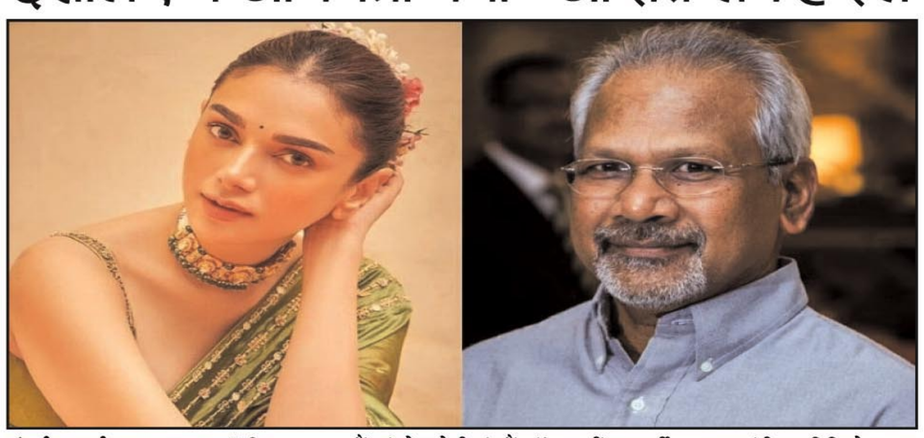

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री अदिति राव हैदरी हाल ही में वेब सीरीज ताजः डिवाइडे बाय ब्लड में अनारकली की भूमिका में नजर आई थीं। ये पहला सीजन था जो कि काफी सफल रहा। अब इसका दूसरा सीजन भी शूट हो रहा है, जो कि जल्द ही रिलीज किया जाएगा। अदिति राव हैदरी ने कहा, मैं हमेशा से मणि रत्नम की हिरोइन बनना चाहती थी और इसीलिए मैं अभिनेत्री बनीं। मैंने कभी भी हिंदी या तमिल सिनेमा नहीं देखा। मेरे लिए यह अविश्वसनीय निर्देशकों की कहानी है। अगर आप सही समय पर सही जगह हो तब आप एक अविश्वसनीय डायरेक्टर्स द्वारा एक अविश्वसनीय विजन का भी हिस्सा बनेंगे। जो फिल्म मैंने मणि सर के साथ की थी, उसने मेरी लाइफ बदल दी। अदिति ने कहा, जिस तरह से मैं अपना काम चुनती हूं, उसकी एक प्रक्रिया होती है। मैं पहले डायरेक्टर चुनती हूं। फिर मैं स्क्रिप्ट देखती हूं और उसके बाद किरदार, जो मुझे ऑफर हुआ हो। जब ये सब एक जगह सही बैठती हैं, तब मैं हां बोल देती हूं। मैं जॉनर नहीं देखती हूं। मेरे लिए भाषा मैटर नहीं करती। सिर्फ डारेक्टर, कहानी और क्या मैं कर रही हूं, वहां मायने रखता है। अदिति ने कहा, हालांकि, एक अभिनेत्री के नाते, मेरा मानना है कि हम सभी फेज से गुजरते हैं और निश्चित रूप से एक वक्त पर टाइपकास्टिंग भी होती है। लेकिन हमें भी लोग कई बार उसी तरह से देखना भी चाहते हैं।

वह हमें वैसे ही पसंद करते हैं। साथ ही डायरेक्टर भी ये ही सोचता है कि वहां आपको उस तरह से इस्तेमाल कर सकता है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई बुराई है। हैदरी ने कहा कि वहां एक अभिनेत्री और क्रिएटिव पर्सन होने के नाते किसी डिब्बे में बंद नहीं होना चाहती हैं। वह कहती हैं, मैं किसी एक रोल मैं कैद होकर नहीं रहना चाहती। मुझे ये कुछ समय के लिए अच्छा लगता है लेकिन बाद में मुझे इससे बाहर निकलने का मन करता है। सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं संतुष्ट नहीं होना चाहती। मैं अपनी एक इमेज को तोड़ूंगी और एक नई जर्नी शूरू करूंगी। अदिति ने कहा, तमिल, तेलुगू और मलयालम में काम किया। सभी मूवीज में दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया। इसने मुझे वैल्यू महसूस करवाई और इस बात से आगाह किया कि फिल्मों में भाषा की सीमाएं नहीं होतीं। यह सब लोगों को महसूस कराने के बारे में है। आप ऐसा कर सकते हैं अगर आप अपने दिल की सुनाते हैं। इसी तरह से मैं काम करना जानती हूं और उसी तरह से मैं काम कर रही हूं। हैदरी ने दुलकीर सलमान के बारे में भी बात की। कहा, मुझे लगता है कि फिल्मों में कॉमेडी जॉनर सबसे मुश्किल है। मैं सिर्फ ऊट-पटांग हरकतें करती हूं। फिल्म हे सिनामिका से मुझे इस चीज का आभास भी होता है। इसमें मैं लिटिल राउडी का रोल कर रही हूं। किसी ने मुझे पहले कभी इस तरह के रोल में नहीं देखा है। मुझे ये करने में बहुत मजा आया। और ये रोल मुझे उस इंसान के साथ करने को मिला जो कि मेरे बेहद करीब है और मैं उसके साथ मैं सहज हूं। उसका नाम दुलकीर सलमान है। हम दोनों असल जिंदगी में टॉप एंड जेरी हैं।

योग कक्षाएं और परिवार के साथ समय बीता रही इशिता

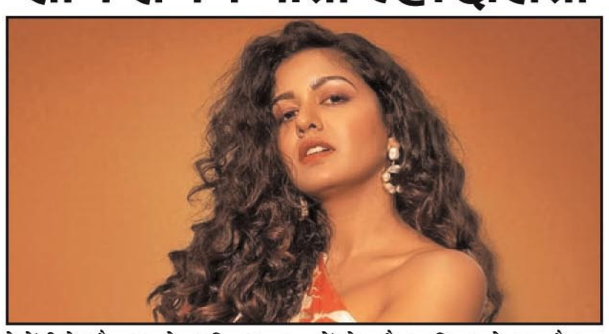

प्रेग्नेंसी के दौरान एक्ट्रेस इशिता दत्ता योग कक्षाएं और परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताकर खुद को व्यस्त रख रही हैं। इस बारे में बात करते हुए इशिता ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरे जीवन का यह नया चरण बहुत सुंदर, दिलचस्प और अलग रहा है। सबसे अच्छी बात किक महसूस करना है..मैंने हमेशा इसके बारे में सुना था लेकिन मुझे लगता है कि जब आप खुद इसे महसूस करती हैं तभी आपको एहसास होता है कि यह कितना खूबसूरत है। यह ज्यादातर रात में होता है, इसलिए मुझे आमतौर पर ज्यादा नींद नहीं आती है क्योंकि छोटे को रात में सोना पसंद नहीं है। इशिता को एक घर बनाऊंगा, बेपनाह प्यार और थोड़ा सा बादल थोड़ा सा पानी में उनके रोल के लिए भी जाना जाता है। उन बदलावों के बारे में बात करते हुए, जो वह देख रही हैं, अभिनेत्री ने कहाः कई चीजें हैं.. मेरा शरीर बदल रहा है, मेरी पसंद और नापसंद बदल रही है। जो चीजें मुझे पसंद थीं, वह अब मुझे पसंद नहीं हैं..मैं जीवन में नई चीजों की कोशिश कर रही हूं।

उतरन में एक्टिंग करने के बाद टीना हुई मशहूर

छोटे परदे के शो उतरन में एक्टिंग करने के बाद टीना घर-घर में अपने किरदार इच्छा के नाम से मशहूर हो गई। टीना का किरदार एक नौकरानी की बेटी का था और उसकी सबसे अच्छी दोस्त उसकी मां के मालिक की बेटी थी। इस बारे में बात करते हुए कि क्या सोशल मैसेज पर शो और सास-बहू नाटकों के सुर्खियों में आने के बाद दर्शक छोटे पर्दे पर नई शैलियों की तलाश कर रहे हैं, इस पर टीना ने कहा, मुझे लगता है कि लोग नए जोनर की तलाश कर रहे हैं क्योंकि आप एक ही चीज को टेलीविजन पर कितना देख सकते हैं? हम सभी समय के साथ आगे बढ़ते हैं और नई चीजों को अपनाते हैं और लोग नई चीजें देखना पसंद करते हैं। हम रहे न रहे हम की कहानी फ्रेश स्टोरी है। बदलाव ही एकमात्र ऐसी चीज है जो निरंतर है और दर्शक भी स्क्रीन पर उस एलिमेंट को देखने के लिए इस तरह के एक ताजा वाइब का इंतजार कर रहे हैं।

आर्या के तीसरे सीजन की शूटिंग जयपुर में शुरू

वेब सीरीज आर्या के तीसरे सीजन की शूटिंग एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने जयपुर में शुरू कर दी है। सीरीज के सह-निर्देशक और शो के सह-निमार्ता राम माधवानी ने कहा, रुकावटें हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं और हमारी आर्या सुष्मिता ने हमें सिखाया है कि कैसे साहस और शक्ति से इन्हें दूर किया जा सकता है। आर्या सीजन 3 के लिए सफर फिर से शुरू हो गया हैं। राम माधवानी दर्शकों के लिए एक दिलचस्प कहानी, पावर-पैक परफॉर्मेंस और शेरनी जैसी ताकतवर आर्य को नए रुप में लेकर आ रहे है, जो लोगों के दिलों पर छाप छोड़ेगी। यह शो आर्या की जर्नी को फॉलो करता है, एक महिला जो अपने पति की हत्या के बाद खुद को अपराध की दुनिया में पाती है। सीरीज में सुष्मिता मुख्य भूमिका में हैं। उन्होंने पिछले सीजन में अपने परफॉर्मेंस से दर्शकों को दिल जीत लिया था।

पूजा की फिल्म किसी का भाई किसी की जान कर रही कमाल

–चार दिनों में को 78 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया

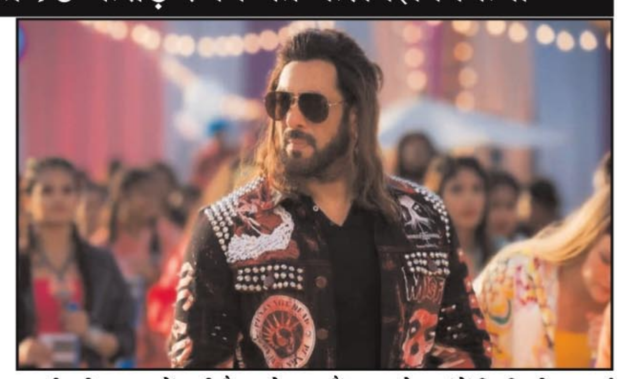

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस पूजा हेगड़े की फिल्म किसी का भाई किसी की जान बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर रही हैं। फिल्म ने चार दिनों में को 78 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। एक्ट्रेस ने अपनी इन फिल्मों के फेलियर को लेकर खुलकर बात की है। पूजा हेगड़े ने कहा, मुझे लगता है कि जहां भी अच्छा होता है, वहां बुरा भी होता है। मैं केवल एक बेहतर एक्ट्रेस के रूप में सामने आई हूं। मैंने अपने क्राफ्ट पर काम किया और उसे अधिक निखारा है। हर फिल्म की अपनी एक नियति होती है। पूजा हेगड़े ने आगे कहा, बतौर एक एक्ट्रेस क्या मैंने अपना 100 पर्सेंट दिया? सिर्फ यही मेरे कंट्रोल में है। मैं एडिट टेबल पर नहीं बैठी हूं। मैं फिल्म नहीं लिख रही हूं। मैं एक्ट्रेस हूं और मैं सिर्फ यह सुनिश्चित कर सकती हूं कि मैं अपना 100 फीसदी दे रहीं हूं। मैंने अब तक की सभी फिल्मों और किरदारों में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। एक्ट्रेस पूजा हेगड़े का मानना है कि जब फिल्में नहीं चलती हैं, तो बुरा लगता है। उन्होंने कहा, हमें हमेशा सकारात्मक चीजें लेनी चाहिए। बेशक आपको बुरा लगता है, आखिरकार, ये आपकी फिल्म है, लेकिन आप इसके बारे में क्या कर सकते हैं? आप इसे लेकर कुछ समय के लिए रो सकते हैं, फिर आप आगे बढ़ जाते हैं। आपको बतां दें कि किसी का भाई किसी की जान ने सिर्फ चार दिनों में को 78 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। ऐसा माना जा रहा है कि ये फिल्म बहुत जल्द भारत में 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर जाएगी। बता दें कि इससे पहले पूजा सर्कस और आचार्य जैसी फिल्मों में नजर आई थीं, जो कि बुरी तरह फ्लॉप हुईं।

8 एएम मेट्रो में गुलजार के साथ फिर से काम कर रही हैं सैयामी खेर

मुंबई (ईएमएस)। सैयामी खेर अपनी आने वाली फिल्म 8 एएम मेट्रो में उस्ताद गुलजार के साथ फिर से काम कर रही हैं। फिल्म में गुलशन देवैया हैं और निर्देशक राज आर द्वारा निर्देशित है, फिल्म को एक भावनात्मक कहानी कहा जा सकता है। भावनाओं को व्यक्त करने के तरीके के रूप में फिल्म में गुलजार की कविताओं का व्यापक रूप से उपयोग किया गया है। फिल्म में सैयामी गुलजार की शायरी का पाठ करते नजर आएंगी। सैयामी गुलजार की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं और उनकी कविताएं सुनाने को लेकर उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने उनके साथ उनकी पहली फिल्म मिर्ज्या में काम किया था। सैयामी ने मीडिया को बताया कि 8 एएम मेट्रो एक खूबसूरत कहानी है और इसे गुलजार की कविताओं से सजाया गया है। उनकी कविताएं फिल्म में जान डाल देती हैं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे उन कविताओं का पाठ करने का मौका मिला है। फिल्म का पोस्टर रिलीज करने के लिए उन्होंने काफी शालीनता बरती। मिर्ज्या में उनके साथ अपना अभिनय करियर शुरू करने का मुझे सौभाग्य मिला है और गुलजार साहब के शब्दों और अस्तित्व ने मेरे जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव छोड़ा है। उनका काम, विनम्रता, ज्ञान इतना विशाल है, मैं बस इतना कर सकती हूं कि मैं बैठकर सोचूं कि एक आदमी इतना कैसे कर सकता है। मैं गुलजार का बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। वह अनजाने में मेरे जीवन में एक बड़ा प्रभाव डाले है। मैं सदा आभारी महसूस करता हूं कि मैं उनके साथ दूसरी बार काम कर रही हूं, यह शुद्ध आनंद है। सैयामी एक 29 वर्षीय गृहिणी, इरावती का किरदार निभा रही हैं, जो एक सांसारिक जीवन जीती है, लेकिन उसका जीवन एक बड़े बदलाव से गुजरता है जब उसे हैदराबाद भागना पड़ता है। तभी उसकी मुलाकात गुलशन देवैया द्वारा निभाए गए किरदार प्रीतम से होती है।

सूडोकु नवताल- 6415

★★★☆☆ मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6414 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7162

शा	न	मे	रि	का	पा	तू	फा	रु	ही	क
न	ख	क	ह	इं	डो	ने	त	या	ड़	क
अ	दा	जा	ला	ल	ग	स	जु	ह	प	का
आ	ग	ल	पा	ब	औ	स	र्बा	ह	लि	ल
वा	ना	ह	न	य	ज	र	कि	या	प	का
रा	इ	इ	थ	व	प	वा	बं	ह	यु	बां
जिं	ज	ल	ह	क	प	रि	न	दू	प	ग
द	रि	भा	र	त	ड़ी	स	रा	ल	क	ला
गी	या	स	ज	मी	न	आ	स	मा	न	दे
प	बे	प	ना	ह	सिं	ब	स	अ	प	श
या	स	ए	क	ही	भू	ल	त्ता	प	क	र

शब्द जाल में 'मजहर खान' की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

शान, आवारा जिंदगी, हल और बंदूक, तजुर्बा, जमीन आसमान, हथकड़ी, कालका, एक ही भूल, बेपनाह, रुही

शब्दजाल - 7161 का हल

म	क	वि	वे	का	नं	द	ज	म	ल	त
द	आं	ल	प्रे	व	स	म्रा	ट	अ	शो	क
र	स	इ	म	दी	छ	स	आ	र्म	ख	पा
इं	स	ल	स्टी	दि	वा	स	ध	ल	श	इ
ड	अ	दो	ग	न	ज	ना	तू	ग	झ	थो
का	ली	दा	स	दि	अ	क	ब	र	घ	गो
ती	व	ल	मी	धी	प	च	जू	बा	व	र
क	एं	ऊ	गां	द	ब	क	र	ए	श	स
र	ड	त्मा	प	र्द	गी	स	री	क	प	स्तू
य	हा	ल	गै	ली	लि	यो	ऐ	ने	र	द
म	ड	ल	प	या	प	स	अ	अ	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6115

	3	1	5		7	6
	24	4	29		34	2
5			6	3	1	
2	33		38		28	3
6			7	4	2	
	38	5	36		28	
3	2			1	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6114 का हल

7	3	2	5	4	1	6
3	32	7	33	5	33	1
5	4	1	2	7	6	3
2	26	6	35	3	39	7
4	1	3	7	6	5	2
1	27	5	35	2	27	4
6	3	4	7	1	2	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

एशियन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची सिंधु: एचएस प्रणय और सात्विक-चिराग ने भी अगले राउंड में जगह बनाई

दुबई।
दुबई में खेली जा रही एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय शटलर्स ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। विमेंस सिंगल में पीवी सिंधु, मेंस सिंगल में एचएस प्रणय और मेंस डबल्स में सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी ने अपने-अपने मुकाबले जीत कर अगले राउंड में प्रवेश किया।

सिंधु ने चीन की हान यू को हराया – पीवी सिंधु ने राउंड ऑफ 16 में चीन की हान यू को दो सेट में हराया। पहले सेट में सिंधु ने 21–12 से जीत दर्ज की। फिर दूसरे सेट में भी 21–15 से आसान जीत प्राप्त कर मैच खत्म किया। अब सिंधु का मुकाबला चीन की वर्ल्ड रैंकिंग में दूसरे नंबर की खिलाड़ी एनसे यंग से होगा। जिनके खिलाफ सिंधु ने अपने पिछले पांच मुकाबले हारे हैं।

प्रणौय ने दूसरा सेट हारने के बाद कमबैक किया – एच एस प्रणय ने पोलैंड के वारडोयो को तीन सेट में हराया। पहला सेट प्रणौय ने 21–16 से जीता। इसके बाद वारडोयो ने एकतरफा सेट में प्रणय को 5–21 से हरा दिया। तीसरे सेट में प्रणय ने शानदार कमबैक किया और आखिरी सेट के करीबी मुकाबले में 21–18 से जीत हासिल कर मैच जीत लिया।

सात्विक-चिराग की आसान जीत – कॉमनवेल्थ गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट सात्विक साईराज और चिराग रेड्डी ने एकतरफा लीड बनाते हुए दो सेट में कोरिया के यंग और सि युंग को हराया। उन्होंने पहला सेट 21–13 से जीता और 21–11 से दूसरा सेट अपने नाम किया।

किदांबी श्रीकांत हारे – भारत के टॉप शटलर्स में से एक किदांबी श्रीकांत पहला राउंड जीत नहीं सके। उन्हें मेंस सिंगल में कोदई नाराओंका ने 3 सेट में हराया। पहला सेट नाराओंका ने 14–21 से जीता। दूसरे सेट में श्रीकांत ने कमबैक किया और 20–22 से जीत दर्ज की। लेकिन, तीसरे सेट में श्रीकांत एकतरफा मुकाबले में 21–9 से हार गए।

त्रिषा-गायत्री ने दिया वॉकओवर – विमेंस डबल्स में में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने विपक्षी जोड़ी को वॉकओवर दे दिया। गायत्री ने चोट के कारण दूसरे दौर के मैच से पहले नाम वापस ले लिया।

मिक्स्ड डबल्स में भी भारत क्वार्टर फाइनल में – मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर और सिक्की रेड्डी ने कोरिया के सियो सेउंग जेई और चाई यू जंग के वॉकओवर के बाद क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी का अगला मुकाबला इंडोनेशिया के डेजन फर्डिननस्याह और ग्लोरिया इमानुएल विदजाजा से होगा।

न्यूज ब्रीफ

युवी के पिता का अर्जुन तेंदुलकर को गुरुमंत्रः बोले- जिस दिन कान के पास से गेंदबाजी करेगा, 145+ की बॉलिंग स्पीड हो जाएगी

चंडीगढ़। अर्जुन तेंदुलकर मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के बेटे हैं। आईपीएल के 16वें सीजन में मुंबई इंडियंस से डेब्यू करने वाले अर्जुन अब अपने पिता की वजह से चर्चा में नहीं है। वे अपनी खुद की काबिलियत की वजह से चर्चा में है। 23 साल के इस लेफ्ट आर्म पेसर ने 3 साल बेंच पर काटने के बाद मुंबई इंडियंस के लिए डेब्यू किया। उन्हें भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने डेब्यू कैप दी, हालांकि वे इंडियन प्रीमियर लीग में अपने शुरुआती 4 मैचों में उतने प्रभावी नहीं रहे, लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उसी के घर में इस गेंदबाज ने आखिरी ओवर में 20 रन डिफेंड किए थे। उन्होंने एक विकेट भी लिया। वे अब तक 3 विकेट ले चुके हैं। अर्जुन के मेंटॉर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह का मानना है, उनके गेंदबाजी एंगल में थोड़ी कमी है, जिस पर काम करने की जरूरत है। योगराज कहते हैं कि अर्जुन का हाथ 45 डिग्री पर आ रहा है, जैसे बुमराह और मलिंगा का एक्शन। वे जिस दिन कान के पास से बॉल फेंकने लगेंगे, उनकी बॉलिंग स्पीड बढ़ जाएगी और वह 145+ किमी की स्पीड से बॉल फेंकने लगेंगे। योगराज अर्जुन में बैटिंग की भी क्षमता देखते हैं। इस पर वे कहते हैं, उनमें गेल, तेंदुलकर और युवी जैसी काबिलियत है और मुंबई के कप्तान रोहित को उन्हें नंबर-3 पर आजमाना चाहिए।

पंजाब कैबिनेट मीटिंग में सीएम मान ने लिए अहम फैसले, ड्रग्स लेबोरेटरी के लिए होंगे पक्के मुलाजिम

लुधियाना। पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से पहली बार चंडीगढ़ से बाहर लुधियाना में कैबिनेट मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। मीटिंग के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि कैबिनेट ने लोकल ऑडिट टीम के लिए 87 पद सृजित करने को हरी झंडी दे दी है। इस टीम के लिए अभी भी स्टाफ की कमी है और भविष्य में अन्य पद सृजित किए जाएंगे। खेल विभाग में ग्रुप ए, बी और सी के लिए स्टाफ की भर्ती होगी। देश की सबसे बड़े कृषि विश्वविद्यालयों में एक पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (पीएयू) के अध्यापकों के लिए सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करने का फैसला किया गया। अध्यापकों को यह लाभ एक जनवरी 2016 से दिया जाएगा। मुख्यमंत्री के अनुसार पहले चरण में पीएयू में लागू होगा, उसके बाद गडवासू और पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी में आयोग की सिफारिशें लागू होंगी। पंजाब के बॉर्डर एरिया अजनाला में स्थित बाबा बुड्ढा जी के स्थान पर प्रबंधकीय बोर्ड बनाने को मंजूरी दी गई। ड्रग्स लेबोरेटरी के लिए पक्के मुलाजिम रखने को मंजूरी दी गई। प्राकृतिक आपदा के कारण किसानों की बर्बाद होने वाली फसल का मुआवजा किसानों को देने के साथ खेत मजदूरों को भी मिलेगा।

पारिवारिक चिकित्सा जरूरत से लिटन दास वापस बांग्लादेश रवाना

कोलकाता। दो बार के आईपीएल विजेता कोलकाता नाईट राइडर्स ने घोषणा की है कि बांग्लादेश के

विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास तत्काल पारिवारिक चिकित्सा जरूरत के कारण स्वदेश रवाना हो गए। फ्रैंचाइजी ने एक बयान में कहा, लिटन दास को तत्काल पारिवारिक चिकित्सा जरूरत के कारण आज तड़के बांग्लादेश लौटना पड़ा है। हमारी शुभकामनाएं उनके और उनके परिवार के साथ हैं कि वे इस मुश्किल समय से बाहर निकल आएं। पिछले वर्ष खिलाड़ी नीलामी में दास को कोलकाता ने उनके 50 लाख रुपये के बेस प्राइज पर खरीदा था। शुरूआत में उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला था लेकिन बाद में उन्हें कोलकाता ने खरीद लिया और वह पहली बार आईपीएल में उतरे। दास ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 20 अप्रैल को अरुण जेटली स्टेडियम में अपना आईपीएल पदार्पण किया। वह बल्लेबाजी करते हुए चार गेंदों में चार रन ही बना पाए लेकिन उन्होंने ललित यादव और अक्षर पटेल के दो महत्वपूर्ण स्टंपिंग मौके गंवाए। दिल्ली ने कम स्कोर वाला यह मुकाबला जीता। कोलकाता अंक तालिका में आठ मैचों में छह अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। कोलकाता का अगला मुकाबला 29 अप्रैल को दोपहर में अपने मैदान ईडन गार्डन में गुजरात टाइटंस से होना है।

नीरज चोपड़ा से लेकर सानिया मिर्जा और सहवाग तक, पहलवानों के प्रदर्शन पर क्या बोले दिग्गज

नई दिल्ली।
दिल्ली के जंतप-मंतर में भारत के शीर्ष पहलवानों का धरना जारी है। कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ पहलवान दूसरी बार धरने पर बैठे हैं। पहलवानों ने बृजभूषण सिंह पर यौन शोषण सहित गंभीर आरोप लगाए हैं। धरने पर बैठे पहलवानों में कई ओलंपिक पदक जीतने वाले पहलवान भी शामिल हैं। सभी पहलवान 23 अप्रैल को दूसरी बार धरने पर बैठे थे और लगातार छह दिन से प्रदर्शन कर रहे हैं। अब पहलवानों को खेल जगत की कई बड़ी हस्तियों का समर्थन मिला है। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा से लेकर छह ग्रैंड स्लैम जीतने वाली सानिया मिर्जा और दो तिहरे शतक लगाने वाले वीरेन्द्र सहवाग ने भी पहलवानों के लिए न्याय की मांग की है।

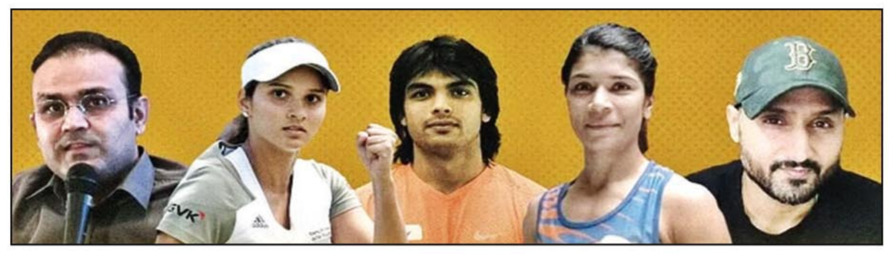

पहलवानों के पक्ष में किसने क्या कहा – मुक्केबाज निकहत जरीन ने ट्वीट किया अपने ओलंपिक और विश्व पदक विजेताओं को इस हालत में देखना दिल दुखाने वाला है। खिलाड़ी गौरव और ख्याति लाकर देश की सेवा करते हैं। मैं पूरी उम्मीद और प्रार्थना करती हूं कि कानून अपना काम करे और पहलवानों को जल्द से जल्द न्याय मिले। जय हिन्द। टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने लिखा एक एथलीट और एक महिला के रूप में यह देखना बहुत मुश्किल है.. उन्होंने हमारे देश का नाम रोशन किया है और हम सभी ने उस पर उनके साथ जश्न मनाया है, .. यदि आपने ऐसा किया है तो अब समय आ गया है कि इसमें उनके साथ मुश्किल समय में भी खड़े हों.. यह बेहद संवेदनशील मामला है और गंभीर आरोप हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने लिखा बहुत दुःख की बात है की हमारे चैंपियंस, जिन्होंने देश का बड़ा नाम किया है , झंडा लहराया है , हम सबको इतनी खुशियां दी हैं, उन्हें आज सड़क पर आना पड़ा है। बड़ा संवेदनशील मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उम्मीद है खिलाड़ियों को न्याय मिलेगा। एथलीट नीरज चोपड़ा ने लिखा कि पहलवान इतनी मेहनत करते हैं और उनको इस हालत में देखना दुखी है। उन्होंने इस मामले पर त्वरित कार्रवाई की और लिखा कि जल्द से जल्द न्याय मिलना चाहिए। पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने भी कहा कि नौ नामी पहलवानों की शिकायत के बावजूद एफआईआर नहीं होना हैरान करने वाला है। कोई भी देश जो अपने आइकन का अपमान करता है, वह अपने ही गौरव को ठेस पहुंचाता है, इन महिला खिलाड़ियों ने ना सिर्फ देश का नाम रोशन किया है बल्कि लाखों लोगों की आकांक्षाओं को पंख दिए है, ऐसे में उनके स्वाभिमान को चोट पहुंचाना भारत के गौरव को चोट पहुंचा रहा है। क्या हमारे देश के बड़े लोग अब कानून से भी ऊपर हैं कानून को एक निवारक स्थापित करना चाहिए कि पीढ़ियों को महिलाओं का अपमान करने से पहले कांपना चाहिए, एक अच्छा उदाहरण सबसे अच्छा उपदेश है जो आप दे सकते हैं। उनसे मिलने जाऊंगा और उनके सत्याग्रह में शामिल होऊंगा। अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने कहा इन्हें आज न्याय नहीं मिला तो देर हो जाएगी, मेडल जीतने पर इनके साथ फोटो खिंचवाने वाले आज कहां हैं गृह मंत्री व खेल मंत्री से निवेदन है कि इनकी बात सुनें। मैं इस देश की बेटी और आप और मेरे घर में बैठे हर बेटी और बहन की तरफ से बात कर रही हूं। हमारे देश की वह बेटियां जिन्होंने इस देश को मान सम्मान, कई मेडल दिलवाए हैं। वह बेटियां जंतर-मंतर पर बैठी हुई हैं। ऐसे देश में जहां पर महिलाओं को देवियों का दर्जा दिया गया है। वे न्याय की भीख मांग रही हैं। क्या यह सही है गृहमंत्री और खेल मंत्री गुहार सुनिए। जब आप उनके साथ नहीं खड़े होंगे तो इस फील्ड में ही नहीं बल्कि बाकी खेलों में भी बेटी बचाओ के नारे देने का क्या मतलब रह जाता है।

पीटी उषा के बयान का विरोध – भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा था, मेरा मानना है कि यौन उत्पीड़न की शिकायतों के लिए आईओए की एक समिति और एथलीट आयोग है। सड़कों पर जाने के बजाय उन्हें हमारे पास आना चाहिए था, लेकिन वे आईओए में नहीं आए। वे इस बात पर अड़े हैं कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती तब तक वे धरना खत्म नहीं करेंगे। थोड़ा तो अनुशासन होना चाहिए। हमारे पास न आकर वे सीधे सड़कों पर चले गए हैं, यह खेल के लिए अच्छा नहीं है। वे जो कर रहे हैं वह देश की छवि के लिए अच्छा नहीं है। पीटी उषा के इस बयान का जमकर विरोध हो रहा है। पहले बजरंग पुनिया, गीता फोगाट, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट ने इस बयान पर अपना दुख जाहिर किया और आपत्ति जताई। इसके बाद प्रियंका चतुर्वेदी सहित कई नेताओं ने भी पीटी उषा के खिलाफ बयान दिया है।

क्या है मामला – इसी साल जनवरी के महीने में पहलवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर में बृजभूषण सिंह के खिलाफ धरना दिया था और उन पर यौन शोषण सहित कई गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद जांच समिति का गठन हुआ और पांच अप्रैल को जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट खेल मंत्रालय को सौंप दी, लेकिन इसे सार्वजनिक नहीं किया गया। जांच समिति की सदस्य रहीं बबीता फोगाट ने इस रिपोर्ट पर असहमति भी जाहिर की। इसके बाद पहलवान 23 अप्रैल को फिर धरने पर बैठ गए। उन्हें कई नेताओं और राजनीतिक पार्टियों का समर्थन मिल रहा है। वहीं, बृजभूषण सिंह कविता पाठ कर खुद को बेगुनाह साबित करने के लिए पूरा दम लगाने के संकेत दे रहे हैं। विनेश ने एक मीडिया हाउस के कार्यक्रम में क्रिकेट जगत के बड़े खिलाड़ियों को लेकर आक्रोश जाहिर किया था और कहा था कि क्रिकेटर अपने विज्ञापन खोने से डरते हैं। इस वजह से उनका समर्थन नहीं कर रहे हैं।

पाकिस्तान ने वनडे फॉर्मेट में दर्ज की 500वीं जीत

न्यूजीलैंड को पहले वनडे में 5 विकेट से हराया; फखर जमान का शतक, बाबर 49 पर आउट

रावलपिंडी।
पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को पहले वनडे में 5 विकेट से हरा दिया है। रावलपिंडी में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 288 रन बनाए। जवाब में फखर जमान के शतक की मदद से पाकिस्तान ने 48.3 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने 5 वनडे की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा वनडे भी रावलपिंडी में 29 अप्रैल से खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच 5 टी-20 की सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई थी। एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। वनडे फॉर्मेट में पाकिस्तान की यह 500वीं जीत है। इस सूची में पाकिस्तान तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इसमें पहले नंबर पर ऑस्ट्रेलिया (594) और दूसरे नंबर पर भारत (539) है।

डेरिल मिचेल का शतक – पहली पारी में न्यूजीलैंड से डेरिल मिचेल ने 113 रन और ओपनर विल यंग ने 86 रन बनाए। एक समय न्यूजीलैंड का स्कोर 300 रन के पार जा रहा था, लेकिन पाकिस्तानी गेंदबाजों ने आखिरी 10 ओवरों में लगातार विकेट लेकर टीम को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिए।

नसीम ने 29 रन देकर 2 विकेट लिए – बाकी कीवी बैटर्स में चड बोव्स ने 18, कप्तान टॉम लैथम ने 20, मार्क चैपमेन ने 15, हेनरी निकोल्स ने 2 और रचिन रवींद्र ने 9 रन बनाए। एडम मिल्न अपना खाता भी नहीं खोल सके। पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रउफ ने 2-2 विकेट लिए। नसीम ने 10 ओवर में 29 ही रन दिए। शादाब खान को एक विकेट मिला।

ओपनर्स ने दिलाई तेज शुरुआत – 289 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान को ओपनर फखर जमान और इमाम-उल-हक ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने 21.2 ओवर में 124 रन की पार्टनरशिप की। इमाम 60 रन बनाकर आउट हुए। यहां से कप्तान बाबर आजम ने जमान के साथ पार्टनरशिप कर टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचा। बाबर 49 रन बनाकर आउट हुए। शान मसूद भी एक ही रन बना सके। 117 रन बनाकर फखर भी 43वें ओवर में आउट हो गए।

गोल्फर जोशी, चौरसिया, प्रणवी और अवनी को एशियाई खेलों का टिकट, अदिति अशोक पहली ही क्वालिफाई कर चुकीं

कोलकाता।
बेंगलुरु की प्रणवी उर्स और एमेच्योर अवनि प्रशांत ने यहां ट्रायल्स में कुल 10 अंडर 206 का समान स्कोर बनाकर संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल करके इस साल सितंबर में चीन में होने वाले एशियाई खेलों की गोल्फ प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया। भारत की स्टार गोल्फर अदिति अशोक पहले ही एशियाई खेलों की टीम में जगह बना चुकी थी। इस तरह से अब महिला गोल्फ में भारत के तीन खिलाड़ी एशियाई खेलों में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

प्रणवी रॉयल कलकत्ता गोल्फ क्लब में दूसरे दौर के बाद अवनी से एक शॉट पीछे चल रही थी, लेकिन उन्होंने अंतिम दौर में 17वें होल में बोगी करने के बावजूद तीन अंडर 69 का स्कोर बनाया।

अवनी ने अंतिम होल में बोगी की और आखिर में प्रणवी के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर रही। पुरुषों के वर्ग में खालिन जोशी ने अंतिम दौर में चार अंडर 68 का कार्ड खेला और 54 होल के बाद उनका कुल स्कोर 13 अंडर 203 रहा।

एसएसपी चौरसिया ने भी अंतिम दौर में 68 का कार्ड खेला और उनका कुल स्कोर 11 अंडर 205 रहा जिससे वह दूसरे स्थान पर रहकर एशियाई खेलों में जगह बनाने में सफल रहे। जोशी और 2016 के ओलंपिक में भाग लेने वाले चौरसिया के अलावा पुरुष टीम में अनिर्बान लाहिड़ी और शुभंकर शर्मा एशियाई खेलों में भारत की चुनौती पेश करेंगे।

71 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त, प्रभात जयसूर्या ने आयरलैंड के खिलाफ रचा इतिहास

नई दिल्ली।
श्रीलंका के बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने आयरलैंड के खिलाफ गॉल अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में चल रहे दूसरे टेस्ट के पांचवें दिन इतिहास रच दिया। प्रभात जयसूर्या टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। बाएं हाथ के स्पिनर ने अपने करियर के सातवें टेस्ट मैच में यह उपलब्धि हासिल की। बाएं हाथ के स्पिनर जयसूर्या टेस्ट प्रारूप में सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले संयुक्त रूप से दूसरे गेंदबाज बने। इंग्लैंड के थॉमस रिचर्डसन (1896) और दक्षिण अफ्रीका के वर्नोन फिलैंडर (2012) ने भी सात मैचों में 50 विकेट का आंकड़ा पार किया था। उल्लेखनीय है कि रिचर्डसन और फिलैंडर दोनों तेज गति के गेंदबाज हैं।

71 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

बता दें कि प्रभात जयसूर्या से पहले वेस्टइंडीज के अलफ्रेड लुईस वेलेंटाइन के नाम स्पिनर के रूप में सबसे तेज 50 टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज था। वेलेंटाइन ने दिसंबर 1951 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में अपने करियर के आठवें टेस्ट में 50 विकेट का आंकड़ा पार किया था। बहरहाल, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज चार्ली टर्नर के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 50 विकेट लेने का रिकॉर्ड है। अगस्त 1988 में टर्नर ने इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में अपने करियर के छठे टेस्ट में यह कीर्तिमान स्थापित किया था।

जयसूर्या का शानदार प्रदर्शन

जहां तक जयसूर्या की बात है तो उन्होंने अपने करियर की शानदार शुरुआत करते हुए दो बार पारी में पांच विकेट लिए और इसके बाद छह विकेट झटके। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में प्रभात जयसूर्या ने डेब्यू मैच में 12 विकेट चटकाए, जिसमें दोनों पारियों में छह विकेट लेना शामिल है। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में बाएं हाथ के स्पिनर ने 17 विकेट चटकाए। इसमें दो बार पारी में पांच विकेट लेना शामिल है। हालांकि, न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जयसूर्या संघर्ष करते हुए नजर आए, लेकिन फिर आयरलैंड के खिलाफ वो अपनी शानदार लय में लौटे। जयसूर्या ने आयरलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में कुल 10 विकेट लिए। गॉल में चल रहे दूसरे टेस्ट में जयसूर्या ने 7 विकेट लिए हैं। इसमें पहली पारी में पांच विकेट शामिल हैं। श्रीलंका ने इस टेस्ट में एक पारी और 10 रन से जीत दर्ज की।

पुलिस की गाड़ियों में बिना टिकट मैच देखने पहुंचे

एडिशनल कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप ने धक्के देकर बाहर निकाला; 4 साल बाद जयपुर में खेले धोनी

जयपुर।
जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में खेले गए आईपीएल मैच में दर्शकों को बिना टिकट पुलिस ने एंट्री दिलाई। बाकायदा पुलिस की गाड़ियों में भर-भरकर इनलोगों को स्टेडियम के अंदर पहुंचाया गया। इसकी भनक एडिशनल कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप को लगी। वो फौरन मौके पर पहुंचे और धक्के दे-देकर बिना पास वालों को बाहर निकाला।

राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच मैच खेला गया। मैच में सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को देखने बड़ी संख्या में फैंस स्टेडियम पहुंचे। हालांकि धोनी को बैटिंग करने का मौका नहीं मिला।

सीएसके की टीम स्टेडियम पहुंची तो फैंस ने भी जमकर स्वागत किया था। वहीं धोनी को लेकर इतना क्रेज है कि क्रिकेट प्रेमी उदयपुर, अजमेर और चित्तौड़गढ़ से मैच देखने जयपुर पहुंचे थे। यहां कई फैंस धोनी के समर्थन में पोस्टर लेकर आए थे।

रॉयल्स ने धोनी के फोटो शेयर किए – राजस्थान रॉयल्स ने अपने ऑफिशियल अकाउंट से महेंद्र सिंह धोनी की फोटो शेयर की थी। जिसमें राजस्थान रॉयल्स के कप्तान और दूसरे खिलाड़ी सवाई मानसिंह स्टेडियम के गेट पर महेंद्र सिंह धोनी का स्वागत करते दिखाया गया

था। राजस्थान रॉयल्स ने भी स्वीकार किया कि जयपुर में होने वाले इस मैच में धोनी को दर्शकों का भारी समर्थन मिला।

राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि ग्राउंड पर धोनी की मौजूदगी सभी को पसंद आती है। उन्होंने कहा कि मैं यह जानता हूं कि धोनी को लेकर फैंस क्या महसूस करते हैं। धोनी को विरोधी टीम के खिलाड़ी और दर्शक भी पसंद करते हैं। मैं भी धोनी का गेम पसंद करता हूं और उनका बड़ा फैन रहा हूं। राजस्थान की टीम ने चेन्नई के खिलाफ जीत का चौका लगाया। राजस्थान को चेन्नई के खिलाफ पिछले तीनों मुकाबलों में जीत मिली थी। इस सीजन में दोनों टीमें दूसरी बार आमने-सामने हुई। पिछले मुकाबले में राजस्थान ने रोमांचक तरीके से 3 रन से जीत हासिल की थी।

राजस्थान ने 8 में से 5 मैच जीते

राजस्थान रॉयल्स को इस सीजन में अब तक खेले गए 8 मुकाबलों में से 5 में जीत और 3 में हार मिली है। टीम के पास 10 पॉइंट्स और वह पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है।

चेन्नई ने 8 में से 5 मैच जीते

चेन्नई सुपर किंग्स ने भी इस सीजन में अब तक 8 मैच खेले हैं। जिसमें उसे पांच में जीत और 3 मैचों में हार मिली है। टीम के 10 अंक है और वह पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है।

राजस्थान पर भारी रही है चेन्नई, फिर भी हारी

चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के इस सीजन में दूसरी बार एक-दूसरे का आमना-सामने किया। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए आईपीएल मैच के आधार पर हेड टू हेड की बात करें तो दोनों की भिड़ंत कुल 28 मैचों में हुई है। इनमें से एमएस धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई टीम ने 15 मैचों में जीत दर्ज की है। तो वहीं राजस्थान टीम को कुल 13 मैचों में जीत हासिल हुई।

डिंपल भी कुछ कहता है...

मुस्कराते या हंसते समय गालों में गड्ढ़े यानी डिंपल पड़ते हैं उन्हें ब्यूटी स्पॉट के तौर पर देखा जाता है। वैसे तो ये गड्ढ़े लड़के और लड़कियों के समान रूप से पड़ते हैं लेकिन लड़कियों के बारे में शास्त्रों और पुराणों के हैरान करने वाले मत हैं। विष्णु पुराण में बताया गया है हंसते वक्त जिन कन्याओं की गालों में गड्ढ़े पड़ते हैं वे सुखी वैवाहिक जीवन व्यतित करती हैं। पति-पत्नी के संबंधों में लव, केयर और रोमांस हमेशा बना रहता है लेकिन ससुराल से संबंधित एक मामले में डिंपल अशुभ माना जाता है। पुराणों में वर्णित है गालों में गड्ढ़े पड़ने वाली लड़की की

सास स्वर्गवासी होती है और अगर हो भी तो सास-बहू का साथ अधिक दिनों तक नहीं रहता। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार शुक्र अर्थात वीनस को स्त्री, विवाह सुख, आभूषण, भौतिक सुख सुविधाओं का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष में शुक्र ग्रह से लव रिलेशनशिप, परफ्यूम, इत्र, अच्छे कपड़े, सुन्दरता, सजावट, नृत्य, संगीत, गाना बजाना, विलासिता, कलात्मक गुण, आदि गुण देखे जाते हैं। लाइफ पार्टनर से सुख कुंडली में शुक्र की स्थिति पर निर्भर करता है। शुक्र का शुभ प्रभाव व्यक्ति को रोमांटिक बनाता है। ज्योतिषशास्त्री कहते हैं कि जन्म से ही गालों में गड्ढे होने से शुक्र मजबूत स्थिति में होता है।

किस दिन कैसे मोजे पहने...?

शास्त्रों में शनि को सबसे असाधारण ग्रह कहा गया है। जो समय आने पर व्यक्ति को रंक से राजा और राजा से रंक बना देता है। कई ज्योतिषविदों और दर्शन शास्त्रीयों ने शनि को क्रूर, पापी निर्दयी ग्रह कहकर संबोधित किया है लेकिन शिव भक्त शनिदेव भगवान शंकर द्वारा निहित जगत के न्यायाधीश हैं जो व्यक्ति को उसके कर्म अनुसार फल देते हैं। शास्त्रों ने शनि की कृपा प्राप्त करने के लिए कुछ सरल और आसान उपाय बताएं हैं जिसके पीछे बहुत गहन अध्ययन और वैज्ञानिक कारण भी हैं। कुछ विशेष उपाय अपनाकर शनि कृपा पाई जा सकती है

- शनिवार को पांव में काले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव सातवें भाव में आ जाता है।
- बुधवार के दिन नीले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव भाग्य को प्रबल कर देता है।
- मंगलवार के दिन सफेद मोजे शनि के प्रभाव में तेजी लाते हैं और कारोबार में बढ़ौतरी होती है।
- रविवार को खाकी मोजे पहनने से व्यक्ति को अकस्मात अर्थिक लाभ मिलता है।
- सोमवार को लाल मोजे पहनने से शनि व्यक्ति को आत्मशांति प्रदान करते हैं।
- गुरूवार के दिन हरे मोजे पहनने से व्यक्ति चिंताओं से मुक्ति पाता है।
- शुक्रवार को ग्रे रंग के मोजे पहनने से व्यक्ति को दलाली के कामों में सफलता मिलती है।

> अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो वह मिट जाएगा और सच सामने आ जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह झूठ का जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

ईमानदार होना मुश्किल क्यों...?

कई ऐसे सच होते हैं, जिनके दूसरों के सामने आने से हम डरते हैं। कभी-कभी तो खुद भी स्वीकार नहीं करते। ये राज भीतर ही भीतर हमें खाए जाते हैं। हम दोहरी जिंदगी जीते चले जाते हैं। बात छोटी हो या बड़ी, ये छोटे-बड़े झूठ हमें मुक्त नहीं होने देते, हमें डराते हैं, हमें कमजोर बनाए रखते हैं। बहुत से लोग हैं, जो दोहरी जिंदगी जीते हैं और बनावट की चादर ओढ़कर खुद में घुटते रहते हैं। एक कहावत आपने सुनी ही होगी- 'सच छिपता नहीं बनावट के उसूलों से, झूठ बिकता नहीं झूठी दलीलों से', यानी सच पर कितने ही पहरे बिठाए जाएं, वह एक न एक दिन बाहर आ ही जाता है। जीत हालांकि सच की ही होती है, लेकिन किस कीमत पर? किसी बात को अपने भीतर छिपाने की शर्म बीमारी, डिप्रेशन, चिंता, गुस्सा या किसी और दर्दनाक तरीके से अभिव्यक्त होती है। किसी भयानक राज को खुद तक सीमित रखना भी खुद को सजा देना जैसा है। अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं, झूठ बोल रहे हैं, आधा सच ही बयां कर रहे हैं, तो यह जिंदगी को खुशमिजाजी और जिंदादिली से जीने में कहीं न कहीं जरूर रुकावट डालेगा। आखिर ईमानदार होना इतना मुश्किल कैसे हो जाता है, जबकि हम सभी सच की अहमियत से वाकिफ हैं। हम सभी बचपन से सच बोलने के आदर्श पाठ सुनते आए हैं, लेकिन फिर भी हम झूठ बोलते ही रहते हैं।

बड़ों की राह पर बच्चे भी

बच्चे मन के सच्चे होते हैं, हमें भले ही लगे कि हम उन्हें धोखा दे रहे हैं, लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है। वे हमारे झूठ पहचान लेते हैं और किसी मुश्किल में पड़ने पर वे भी इसी आसान राह पर चलने का प्रयास करते हैं। बच्चे निश्छल होते हैं, इसलिए झूठ बोलते समय सकुचाते भी हैं। पर बड़े माहिर हो जाते हैं। झूठ की बुनियाद पर बहुत से लोग बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी कर देते हैं और सच उनके डर व अहंकार के नीचे कहीं दब सा जाता है।

ऐसे मिलेगा सुकून

हम क्या हैं, यह साफगोई से बता देने में भी कई तरह की चुनौतियां खड़ी होती हैं। कड़वे सच न पचा पाने वाले अक्सर ऐसे लोगों को नकारते हैं, उनका विरोध करते हैं और कई बार उनकी जान के दुश्मन भी बन जाते हैं। लेकिन इन मुश्किलों के बावजूद सच छिपाना इंसान के लिए कहीं ज्यादा मुश्किल हो सकता है। कभी-कभी ऐसी स्थिति भी आती है कि झूठ का बोझ उठाकर लोग इतना उकता चुके होते हैं कि वे हर कीमत पर सच बयां कर देना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में लगता है कि सिर्फ सच बयां करके ही सुकून मिलता है। पर आप सच के साथ खड़े हों, भले ही इसके कारण आपको शर्मिंदगी महसूस हो, आपकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाए या फिर आपको इसकी सजा मिले। ऐसा इसलिए, क्योंकि सच बोलने के साथ दिल का बोझ खत्म होने से आपका दुःख भी बहुत हद तक हल्का हो जाता है। आप तकलीफ सहने के लिए खुद को सक्षम बनाने लगते हैं।

कर लें खुद को तैयार

अगर आप महीनों से या सालों से किसी राज को खुद में दफन कर जी रहे हैं, तो आप सच को किस तरह स्वीकार करेंगे और उसे अपनी जिंदगी में पनाह देंगे? यह बहुत कुछ आपके राज या झूठ की गहराई पर निर्भर करता है। लंबे वक्त तक किसी झूठ को जीना जैसे कि किसी का सामान चुराना या किसी को धोखा देना जैसी चीजों को स्वीकार करने के लिए भी खुद को मानसिक रूप से तैयार करने की जरूरत होती है। झूठ चाहे छोटा हो या बड़ा, उससे अपनी शख्सियत को पूरी तरह मुक्त कर लेने पर ही आजादी और सुकून मिलता है।

जल्द स्वीकार करें

अगर आपने झूठ बोला है तो जल्द से जल्द उसे स्वीकार कर लें और उसके लिए माफी मांग लें। सच की बुनियाद आपके अंदर साहस पैदा कर आपको अंदर से मजबूत बना देगी। अगर आपको लगता है कि आपके सच बोल देने से किसी इंसान की जिंदगी बर्बाद हो सकती है तो आप किसी सलाहकार की मदद लें कि आपको सच बताना चाहिए अथवा नहीं। अगर हकीकत किसी को जिंदगी भर के लिए दर्द दे सकती है तो उसे उस व्यक्ति को जाहिर न करना ही उचित है, लेकिन स्वयं आपके लिए किसी सलाहकर से यह सच बांटना बेहद जरूरी है।

खुद को तलाशें

अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं तो उचित यह होगा कि आप खुद को तलाशें और खुलकर अपनी असल शख्सियत दूसरों के सामने जाहिर करें। आप खुद से सवाल करें कि आपको क्या अच्छा लगता है और क्या अच्छा नहीं लगता, क्या सच लगता है और क्या झूठ, किस चीज से आपको खुशी और ऊर्जा मिलती है और किस चीज से आप दूर रहना चाहते हैं। इससे आपकी तमाम दुविधाएं दूर हो जाएंगी। यह भी सच है कि कृत्रिम, भौतिकवादी और अहंकार को तुष्ट करने वाले जीवन से कभी संतोष नहीं मिल सकता।

तो होंगे गंभीर परिणाम

अगर आप झूठ बोलकर किसी का फायदा उठा रहे हैं तो झूठ बोलने की तरह इसके परिणाम भी गंभीर हो सकते हैं और आपका आत्मसम्मान दांव पर लग सकता है। झूठ के दलदल में फंस जाने के बावजूद सच के उजाले को खुद तक पहुंचने दीजिए, यह किसी ठंडी छांव की तरह आपको तरावट दे जाएगा। जिंदगी में कभी ऐसे मौके भी आते हैं, जब झूठ का सहारा लेना जरूरी हो जाता है। अगर झूठ बोलने से किसी की जिंदगी बचाई जा सके, किसी को हताशा के अंधकार में डूबने से बचाया जा सके, नाउम्मीद हो चुके इंसान के अंदर जीने की ललक जगाई जा सके, तो ऐसा झूठ बोलना बुरा नहीं है।

मजबूत लोग

चोट अगर हाथ में लगी है तो घाव भी हाथ का ही साफ करना होगा, पैर का नहीं। गड़बड़ी यदि भीतर की है तो दुनिया को चुप कराने से क्या हासिल होगा। मान-अपमान जब अपने मन में है तो समाधान भी वहीं ढूंढ़ना होगा। - कई बार मजबूत बनना ही जिंदगी को आगे बढ़ाने का एकमात्र विकल्प होता है। हर दिन जीवन को साधने का संघर्ष करना ही पड़ता है। ऐसे में मजबूत अपने दर्द व आंसुओं को छुपाने वाले नहीं, उन्हें गले लगाने वाले होते हैं। जो दर्द महसूस करते हैं, उसे समझते हैं और उसे स्वीकार करते हुए आगे बढ़ते हैं। किसी ने कहा है कि अक्सर सुबह मजबूत दिख रहे लोग वे होते हैं, जिनकी रात रोते हुए बीती होती है।

घाटे के सौदे

कई लोग छोटी बातों पर शोर मचाने लगते हैं और बड़ी बातों पर चुप रह जाते हैं। छोटे से लाभ के फेर में अक्सर घाटे के सौदे कर लेते हैं। चंद जरूरतें, स्वार्थ और डर के पिंजरे में खुद को कैद रख हर रोज कई खुशियों की तिलांजलि दे रहे होते हैं। जर्मन मूल के अमेरिकी उपन्यासकार चार्ल्स ब्यूकोस्की कहते हैं कि बड़े अजीब हैं हम। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा होते रहते हैं।

झूठ के लिए करना पड़ती है मेहनत...

झूठ एक विशेष योग्यता है। अगर आपको झूठ का जाल बुनना है, तो आपको बहुत कुछ करना पड़ता है। सत्य वह है, जिसे कोई निपट मूर्ख भी कर सकता है, क्योंकि इसमें कुछ भी करने की जरूरत नहीं होती। सत्य को बनाए रखने की जरूरत नहीं होती, जबकि असत्य की काफी देखभाल करनी पड़ती है। इसके लिए आपके पास काबिलियत होनी ही चाहिए। असत्य की जड़ क्या है? कहां से वो सारी चीजें शुरू होती हैं, जो सत्य नहीं है? दरअसल, जब सूक्ष्म व अभौतिक, भौतिक के संपर्क में आता है तब असत्य शुरू होता है। सूक्ष्म- जो भौतिक नहीं है, कुछ समय तक भौतिक के संपर्क मे रहने के बाद यह मानने लगता है कि यह भौतिक ही है। इस दुनिया में रहने वाला कोई भी आध्यात्मिक इंसान कुछ समय के बाद यह सोचने लगता है कि वह एक सांसारिक प्राणी है, जो आध्यात्मिक होने की कोशिश कर रहा है। सच तो यह है कि आप आध्यात्मिक होने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि आप आध्यात्मिक ही हैं। समय के साथ-साथ आपने सांसारिक वस्तुओं को इकट्ठा कर लिया और अब आपको लगता है कि आप सांसारिक हैं। यह एक झूठ है। आप आध्यात्मिक ही हैं। आप कुछ और नहीं हो सकते।

पहचान बना लेना

अगर कुल मिलाकर देखें तो समस्या पहचान बनाने की है। आप किसी चीज के साथ अपनी पहचान बना लेते हैं और दिमाग का स्वभाव कुछ ऐसा है कि इसे आप जो भी पहचान देंगे, यह भरोसा करने लगता है कि यह वही है। अगर आप खुद को मोर मान लेंगे तो आप उसी की तरह व्यवहार करने लगेंगे। आपका दिमाग आपको यह भरोसा दिला देगा कि आप वही हैं। एक बार अगर पहचान बन गई तो असुरक्षा की भावना आ जाएगी, क्योंकि झूठ की हमेशा रक्षा करनी पड़ती है और उसका पोषण भी करना पड़ता है। अगर आप किसी से झूठ बोलते हैं तो आपको हर पल उस झूठ को याद रखना पड़ता है, क्योंकि अगर आपसे किसी ने अचानक कुछ पूछ लिया तो आप कहीं कुछ और न बता बैठें।

याद रखना पड़ता है झूठ

अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो यह मिट जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

जितना जूझेंगे उतना उलझेंगे

झूठ से आप कैसे जूझेंगे? आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। जैसे ही आप अपनी पहचान बना लेते हैं, आपका दिमाग उसके इर्द-गिर्द काम करने लगता है और असत्य का एक जाल बुन लेता है, ऐसी चीजों का जाल जिनका सच्चाई से कोई वास्ता नहीं, बल्कि यों कहें कि जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। अगर कल सुबह आप कहें क्या आपने लाल मोर देखा? देखा आपने लाल मोर? आप इस बात को बार-बार कहिए और फिर देखिए लोग लाल मोर देखना शुरू कर देंगे। दिमाग का स्वभाव ही ऐसा है कि आप इससे कुछ भी मनवा सकते हैं। यह दिमाग की खूबसूरती भी है और यही इसका खतरा भी। यह खुद अपनी एक दुनिया रच लेता है। अगर यह काम सचेतन होकर किया जाए तो यह दुनिया बड़ी खूबसूरत होगी और अगर आप इसके जाल में फंस गए तो यह बहुत भद्दी होगी।

पानी के चौकाने वाले तथ्य...

पानी के बारे में एक नहीं, कई चौंकाने वाले तथ्य हैं। विश्व में और विशेष रुप से भारत में पानी किस प्रकार नष्ट होता है इस विषय में जो तथ्य सामने आए हैं उस पर जागरुकता से ध्यान देकर हम पानी के अपव्यय को रोक सकते हैं। अनेक तथ्य ऐसे हैं जो हमें आने वाले खतरे से तो सावधान करते ही हैं, दूसरों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और पानी के महत्व व इसके अनजाने स्रोतों की जानकारी भी देते हैं। प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं, उसे वापस भी हमें ही लौटाना है। हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते अतः प्राकृतिक संसाधनों को दूषित न होने दें और पानी को व्यर्थ न गंवाएं यह प्रण लेना आज के दिन बहुत आवश्यक है।

पानी की बर्बादी

मुंबई में रोज वाहन धोने में ही 50 लाख लीटर पानी खर्च हो जाता है। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइप लाइनों के वॉल्व की खराबी के कारण रोज 17 से 44 प्रतिशत पानी बेकार बह जाता है।

कितना पानी काम का

हमारी पृथ्वी पर एक अरब 40 घन किलो लीटर पानी है। इसमें से 97.5 प्रतिशत पानी समुद्र में है, जो खारा है, शेष 1.5 प्रतिशत पानी बर्फ के रूप में ध्रुव प्रदेशों में है। इसमें से बचा एक प्रतिशत पानी नदी, सरोवर, कुओं, झरनों और झीलों में है जो पीने के लायक है। इस एक प्रतिशत पानी का 60 वां हिस्सा खेती और उद्योग कारखानों में खपत होता है। बाकी का 40 वां हिस्सा हम पीने, भोजन बनाने, नहाने, कपड़े धोने एवं साफ-सफाई में खर्च करते हैं।

भारत और इजराइल

इजराइल में औसतन मात्र 10 सेंटीमीटर वर्षा होती है, इस वर्षा से वह इतना अनाज पैदा कर लेता है कि वह उसका निर्यात कर सकता है। दूसरी ओर भारत में औसतन 50 सेंटीमीटर से भी अधिक वर्षा होने के बावजूद अनाज की कमी बनी रहती है।

पानी के लिए हत्याएं

पिछले 50 वर्षों में पानी के लिए 37 भीषण हत्याकांड हुए हैं। भारतीय नारी पीने के पानी के लिए रोज ही औसतन चार मील पैदल चलती है। पानीजन्य रोगों से विश्व में हर वर्ष 22 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

कितना पानी खर्च

यदि ब्रश करते समय नल खुला रह गया है, तो पांच मिनट में करीब 25 से 30 लीटर पानी बर्बाद होता है। बाथ टब में नहाते समय 300 से 500 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि सामान्य रूप से नहाने में 100 से 150 पानी लीटर खर्च होता है। विश्व में प्रति 10 व्यक्तियों में से 2 व्यक्तियों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पाता है।

नदियों में प्रदूषण

प्रति वर्ष 3 अरब लीटर बोतल पैक पानी मनुष्य द्वारा पीने के लिए प्रयुक्त किया जाता है। नदियां पानी का सबसे बड़ा स्रोत हैं। जहां एक ओर नदियों में बढ़ते प्रदूषण रोकने के लिए विशेषज्ञ उपाय खोज रहे हैं वहीं कारखानों से बहते हुए रसायन उन्हें भारी मात्रा में दूषित कर रहे हैं। ऐसी अवस्था में जब तक कानून में सख्ती नहीं बरती जाती, अधिक से अधिक लोगों को दूषित पानी पीने का समय आ सकता है।

कितना पानी चाहिए

पीने के लिए मानव को प्रतिदिन 3 लीटर और पशुओं को 50 लीटर पानी चाहिए। 1 लीटर गाय का दूध प्राप्त करने के लिए 800 लीटर पानी खर्च करना पड़ता है। एक किलो गेहूं उगाने के लिए 1 हजार लीटर और एक किलो चावल उगाने के लिए 4 हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार भारत में 83 प्रतिशत पानी खेती और सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है।

आलस्य से निपटना जरूरी...

आलस्य क्या है, असलियत में थकने से पहले थक जाना, कुछ नया करने से बचना, अनावश्यक रूप से धैर्यवान होना या फिर चीजों को टालते रहने की एक प्रवृत्ति। वैसे आलस कुछ और नहीं खुद से अनजान होना भी है और अगर आप अपने जरूरी काम आसानी से पूरे कर लेते हैं, तो आलस जिंदगी को सुकून से जीना और अपने हर काम को आनंद से करना भी है।

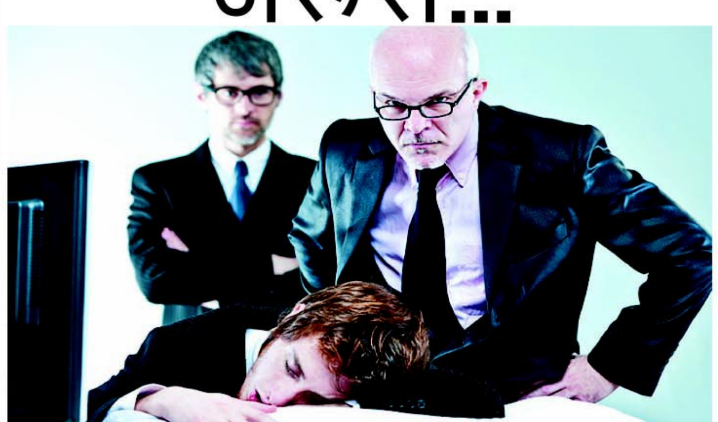

आलस दो तरह का होता है। पहला, आप पहले मेहनत करके अपना काम पूरा करते हैं और फिर कुछ समय बिना कुछ किए आलस में बिताना चाहते हैं। दूसरा, जहां जब कुछ करने के लिए कोई प्रेरणा ही नहीं होती। आप कुछ न कर पाने के कारण बेचैन तो रहते हैं, पर वह जोश नहीं होता जो काम तक ले जाए। आप जानते ही नहीं कि क्या करना चाहते हैं? इस हाल में लंबे समय तक हमारा कुछ न करना, कामों को टालना, रोजमर्रा के कामों को मजबूरी मानते हुए करना और कुछ नहीं धीरे-धीरे पल रही निराशा का संकेत है। इससे आप अपना समय कम मेहनत वाली और उबाऊ चीजों में बिताने लगते हैं। इस आलस्य से निपटना बेहद जरूरी है।

विशेषता, चुनाव या बहाना?

मनोविज्ञान के अनुसार, व्यक्तित्व केवल गुण और दोष से मिलकर नहीं बनता। हमारी जरूरत, काम, मकसद और मंजिल भी इससे जुड़े होते हैं। जो है, केवल वह नहीं, जो कर रहे हैं वह भी व्यक्तित्व है। ऐसे में यह सोचना होता है कि आलस, विशेषता है, चुनाव है या फिर बहाना। साइकोएनालिटिक साइकोथेरेपिस्ट कहते हैं कि आलस की जरूरत से ज्यादा आलोचना की जाती है। आलसी का ठप्पा लगा देने से इस बात को समझने में कतई मदद नहीं मिलती कि कोई व्यक्ति क्यों वह काम नहीं कर रहा, जो वह करना चाहता है या उसे करना चाहिए।

कई तरह के छिपे डर

साइकोथेरेपिस्ट आलस के पीछे कई तरह के छिपे डर भी बताते हैं। कुछ न करना, असफल व सफल होने का डर, दूसरों की अपेक्षाएं, असंतुष्टि, प्रेरणा की कमी व बहस बाजी से बचने की कोशिश में ओढ़ा गया लबादा भी होता है। इस तरह आलस को समस्या मानने की जगह उसे अन्य समस्याओं के लक्षण के तौर पर समझना चाहिए। यह इस ओर भी इशारा करता है कि आप सोचते हैं कि स्थितियों को बदला नहीं जा सकता।

वजह को ढूंढना जरूरी

यह सच है कि आलस की वजह को न ढूंढना और लंबे समय तक जरूरी कामों से बचते रहना करियर, रिश्तों और जिंदगी के रस को कम कर सकता है। एक समय के बाद लगातार काम करते रहने से बचना खुशी से ज्यादा दर्द देने लगता है। धीरे-धीरे बचे हुए कामों का ढेर आपको अपने बारे में, अपने कामों और रिश्तों बारे में खराब महसूस कराने लगता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**